राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

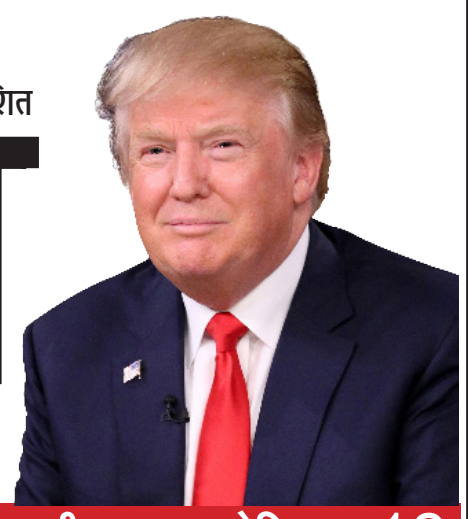

11 गावस्कर ने कहा, कोहली को हल्के में नहीं छोड़ा गया; ऑस्ट्रेलियाई ...

अमेरिका 2024: राष्ट्रपति पद पर ट्रंप की वापसी, भारत-अमेरिका ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 252 | नई दिल्ली, शनिवार, 28 दिसंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 21°C

न्यूनतम तापमान 30.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 79,005

चांदी 92,500

सेंसेक्स 81,786

निफ्टी 24,668

मनमोहन सिंह के निधन से देश में शोक की लहर

पीएम मोदी शाह से लेकर सोनिया तक, घर जाकर किया पूर्व पीएम को नमन

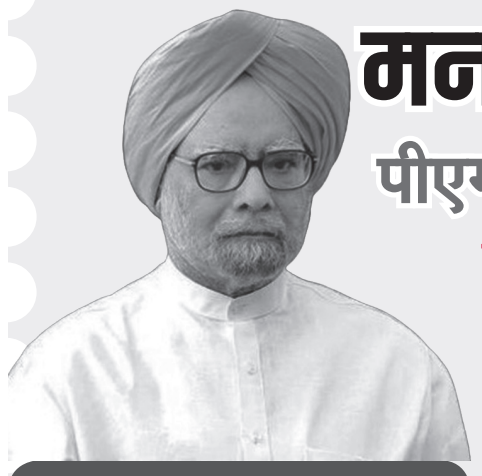

Born:- 26 September 1932

Died:- 26 December 2024

डॉ. मनमोहन सिंह से जुड़ी खास बातें....

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दो गवर्नर वित्त मंत्री बने- उनमें एक मनमोहन सिंह और दूसरे थे सीडी देशमुख।
- चार वित्त मंत्री प्रधानमंत्री बने- ये नाम हैं मोरारजी देसाई, चरण सिंह , वी.पी. सिंह और मनमोहन सिंह।
- चार शीर्ष नौकरशाह जो वित्त मंत्री बने- उनमें एचएम पटेल, सीडी देशमुख, यशवंत सिन्हा और मनमोहन सिंह का नाम।
- मनमोहन सिंह धाराप्रवाह हिंदी बोल सकते थे, लेकिन उर्दू में भाषा में उनकी दक्षता के कारण उनके भाषण उर्दू में लिखे जाते थे।
- मनमोहन सिंह को 1993 में यूरोमनी और एशियामनी की ओर से **'फाइनेंस मिनिस्टर ऑफ दर ईयर'** के रूप में नामित किया गया।
- 1962 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मनमोहन सिंह को सरकार में पद की पेशकश की तो सिंह ने कर दिया था अस्वीकार।

मनमोहन देश के इकलौते प्रधानमंत्री, जिनका नोटों पर भी हस्ताक्षर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह गुरुवार को 92 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गए। डॉ. मनमोहन सिंह ने 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। उन्हें उदारीकरण के जरिए देश को गंभीर आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय जाता है। इसके अलावे उनके नाम एक विशेष उपलब्धि भी है। वे देश के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनका हस्ताक्षर भारत के नोटों (करेंसी) पर रहा।

नोटों पर हस्ताक्षर करने वाले देश के एकमात्र पीएम: 2005 में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर थे तब भारत सरकार ने 10 रुपये का एक नया नोट जारी किया था। उस पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर थे। हालांकि नियमों के अनुसार उस समय नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के हस्ताक्षर होते थे। लेकिन 10 रुपये के नोट पर मनमोहन सिंह का हस्ताक्षर एक विशेष बदलाव के तहत किया गया था।डॉ. मनमोहन सिंह ने 16 सितंबर 1982 से लेकर 14 जनवरी 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर का पदभार संभाला था। उस दौरान छपने वाले नोटों पर मनमोहन सिंह के हस्ताक्षर हुआ करते थे। भारत में यह व्यवस्था आज भी है कि करेंसी पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नहीं, बल्कि आरबीआई गवर्नर ही साइन करते हैं।

नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते आर्थिक सुधारों का युग शुरू किया

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को देश के आर्थिक उदारीकरण का पुरोधा कहा जाता है। अर्थशास्त्र पर उनकी गहरी पकड़ और रुचि थी। 1991 में नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्हें देश में लाइसेंस राज खत्म करने का श्रेय जाता है। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई राह दिखाई। मनमोहन सिंह ने जब 1991 वित्त मंत्रालय की बागडोर संभाली थी, तब भारत का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 8.5 प्रतिशत के करीब था, भुगतान संतुलन घाटा बहुत बड़ा था और चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 3.5 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया था था। देश के पास जरूरी आयात का खर्च जुटाने के लिए केवल दो हफ्ते विदेशी मुद्रा ही शेष बचा था। देश को अपना सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। हालांकि मनमोहन पद संभालने के बाद अपने दूरदर्शी फैसलों से देश को आर्थिक संकट के दौर से निकालने में कामयाब रहे। आगे चलकर देश का गिरवी रखा सोना भी आरबीआई को लौटाया गया।

मनमोहन सिंह के फैसलों से देश वैश्वीकरण की राह पर बढ़ा आगे

24 जुलाई 1991 को केंद्रीय बजट 1991-92 पेश करते हुए डॉ. मनमोहन सिंह नए आर्थिक युग की शुरूआत की थी। उन्होंने आर्थिक सुधार, लाइसेंस राज का खात्मा और कई क्षेत्रों को निजी व विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जैसे साहसिक कदम उठाए। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), रुपये के अवमूल्यन, करों में कटौती और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की अनुमति देकर एक नई शुरूआत की। आर्थिक सुधारों की एक व्यापक नीति की शुरूआत में उनकी भूमिका को दुनिया भर में स्वीकार किया गया। उनकी नीतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण की दिशा में ले जाने का काम किया। वह 1996 तक वित्त मंत्री के तौर पर आर्थिक सुधारों को अमलीजामा पहनाते रहे।

मनरेगा और आधार का श्रेय भी मनमोहन सिंह को: मई 2004 में मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने का मौका मिला। मनमोहन सिंह की सरकार 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) लेकर आई और बिक्री कर की जगह मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू हुआ। इसके अलावा उन्होंने देश भर में 76,000 करोड़ रुपये की कृषि ऋण माफी और ऋण राहत योजना लागू कर करोड़ों किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया। देश में आधार जैसी पहचान प्रणाली शुरू करने का काम भी डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी शुरू हुआ।

2008 की वैश्विक मंदी के दौर में देश को कुशल नेतृत्व दिया: डॉ. सिंह ने 2008 की वैश्विक वित्तीय मंदी दौर में देश का नेतृत्व किया। उन्होंने इस मुश्किल वक्त से बाहर निकलने के लिए एक विशाल प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए वित्तीय समावेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया। प्रधानमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान देश भर में बैंक शाखाएं खोली गई। सूचना का अधिकार, भोजन का अधिकार और बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम जैसे अन्य सुधार भी उनके कार्यकाल में हुए।

प्रातः किरण/एजेंसी

पीएम मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। इससे पहले उन्होंने शोक संदेश में कहा, 'पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा। एक अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने अलग-अलग स्तर पर भारत सरकार में सेवाएं दीं। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी। जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही। मुझे याद है, जब राज्यसभा में उनका कार्यकाल समाप्त हुआ था तो मैंने कहा था कि उनका बतौर सांसद समर्पण सीखने लायक है। उच्च पदों पर रहने के बावजूद अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदानाएं अर्पित करता हूं।'

अमित शाह ने भी दी श्रद्धांजलि

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने उनके आवास पहुंचे हैं। उन्होंने नम आंखों से श्रद्धा-सुमन अर्पित की।

राजघाट के पास होगा अंतिम संस्कार

बता दें, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर कल 28 दिसंबर को कांग्रेस मुख्यालय लाया जाएगा, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। उनका अंतिम संस्कार राजघाट के पास किया जाएगा।

राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के आवास पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के अन्य नेता दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आवास पर मौजूद हैं।

संक्षिप्त खबरें

जब मनमोहन ने कहा था, इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा

नई दिल्ली। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने से कुछ महीने पहले मनमोहन सिंह ने कहा था कि उनका नेतृत्व कमजोर नहीं है और इतिहास उनके प्रति मीडिया द्वारा उस समय कही गई बातों की तुलना में कहीं अधिक दयालु होगा। मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था, मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में अधिक दयालु होगा। राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है, जो मैं कर सकता था। सिंह 10 साल तक प्रधानमंत्री के पद पर रहे और 26 मई 2014 को नरेन्द्र मोदी ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री का पद संभाला। मनमोहन ने अपने अंतिम संवाददाता सम्मेलन में कहा था, परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना मैंने किया है। यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है।

महत्वपूर्ण खबर

मनमोहन सिंह का जीवन आने वाली पीढ़ियों को हमेशा सीख देगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को राष्ट्र के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। उन्होंने सिंह की प्रशंसा करते हुए शुक्रवार को कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद वह देश के कुछ सबसे महत्वपूर्ण पदों पर पहुंचे। मोदी ने एक प्रतिष्ठित सांसद के रूप में उनकी सराहना करते हुए कहा कि सिंह का जीवन उनकी ईमानदारी और सादगी का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री ने सुधारों के प्रति सिंह की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि देश के विकास में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंह का जीवन भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा एक सीख के रूप में काम करेगा कि कैसे कोई व्यक्ति अभावों और संघर्षों से ऊपर उठकर सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। पूर्व वित्त मंत्री और दो बार प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया।

भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे मनमोहन : अमेरिका

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक प्रकट करते हुये कहा कि वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे और उनके काम ने बहुत कुछ की नींव रखी जो पिछले दो दशकों में दोनों देशों ने मिलकर हासिल किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने एक बयान में यह भी कहा कि अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का संकेत देता है।

इतिहास विनम्रता, अथाह ज्ञान के लिए मनमोहन को हमेशा रखेगा याद : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि इतिहास मेंनई दिल्ली, को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा में उनकी प्रतिबद्धता, अथाह ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को अपने अधिकारिक एक्स पेज पर ट्वीट किया और कहा ₹डॉ सिंह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा। पार्टी ने कहा ₹अपने शांत लेकिन असरदार नेतृत्व के लिए विख्यात, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने देश के कल्याण के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में डॉ. सिंह के फैसले भारतीय समाज के हर पहलू पर गहराई से छाप छोड़ गए हैं। कांग्रेस ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा ₹राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। एक राजनेता, एक विद्वान, एक नेता, एक दूरदर्शी - भारत के सबसे गौरवान्वित पुत्रों में से एक... आपका जाना बेहद दुखद है, आपकी बहुत याद आएगी।

नमन एक दृढ़ राजनेता के तौर पर पहचान बनाने वाले डा. मनमोहन सिंह मौजूदा भारत के शिल्पकार और विद्वता के धनी इंसान थे।

मनमोहन सिंह: आर्थिक सुधारों के जनक और एक दृढ़ राजनेता

प्रातः किरण/ एजेंसी

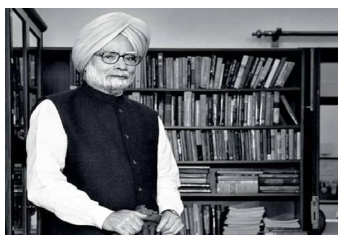

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भारत में आर्थिक सुधारों के जनक, उसे लाइसेंस राज से मुक्त कराने वाले और देश को उस स्थिति से उबारने वाले उद्धारक के रूप में याद किया जाएगा जब इसका स्वर्ण भंडार भी गिरवी रख दिया गया था। एक दृढ़ राजनेता के तौर पर पहचान बनाने वाले डा. मनमोहन सिंह मौजूदा भारत के शिल्पकार और विद्वता के धनी इंसान थे।

विनम्र, विद्वान, मृदुभाषी और आमसहमति में यकीन रखने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। कांग्रेस नेता के रूप में उन्होंने 2004-2014 तक 10 वर्षों के लिए देश का नेतृत्व किया और उससे पहले वित्त मंत्री के रूप में देश के आर्थिक ढांचे को तैयार करने में मदद की। वह वैश्विक स्तर पर वित्तीय और आर्थिक क्षेत्र की एक मशहूर शख्सियत थे। उनकी सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई), शिक्षा का अधिकार (आरटीई) और मनरेगा जैसी युग परिवर्तनकारी योजनाओं की शुरूआत की। मनमोहन सिंह ने अभावों के बीच अपने जीवन की शुरूआत की। कभी बिजली से वंचित अपने गांव में मिट्टी के तेल के दीये की मंद रोशनी में पढ़ाई करने वाले मनमोहन सिंह आगे चलकर एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद बने। वह एक अनिच्छुक राजनेता थे, जिन्हें मुख्यधारा की उबड़-खाबड़ राजनीति रास नहीं आती थी। सोनिया गांधी ने अपनी पार्टी के अनुरोध के बावजूद प्रधानमंत्री पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था और जब उन्होंने इस शीर्ष पद के लिए मनमोहन सिंह को चुना तो हर किसी को बहुत हैरानी हुई। इस प्रकार अकादमिक नौकरशाह मनमोहन सिंह 2004 में भारत के 14वें प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पहली बार 22 मई 2004 को और दूसरी बार 22 मई, 2009 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मनमोहन सिंह ने 10 साल तक देश का नेतृत्व किया और इस दौरान सोनिया गांधी और सिंह के बीच समीकरणों को अक्सर संतुलित साझेदारी के उदाहरण के तौर पर उद्धृत किया जाता है। दोनों के बीच की समझ इस बात की मिसाल है कि कामकाजी संबंध वास्तव में कैसे होने चाहिए। सिंह का यह संतुलित दृष्टिकोण संप्रग के बाकी सहयोगी दलों के साथ भी नजर आया। अपरिहार्य तनावों के बावजूद सिंह गठबंधन के धर्म को निभाने में कामयाब रहे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल एन एन वोहरा ने कहा कि सिंह हमेशा नैतिक मार्ग पर चलने के लिहाज से चट्टान की तरह मजबूती से खड़े रहे, भले ही उन्हें उस राजनीतिक दल से परेशानी का सामना करना पड़ा जिसका वह प्रतिनिधित्व करते थे। वर्ष 2014 में भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोप के बीच संप्रग को सत्ता से बाहर होना पड़ा, जिसके बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता केंद्र में स्थापित हुई। 1990 के दशक की शुरूआत में भारत को उदारीकरण और निजीकरण की राह पर लाने के लिए सिंह की सराहना की गई।

पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक के दौरान राष्ट्र ध्वज आधा झुका रहेगा: सरकार

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश भर में सात दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इस दौरान पूरे भारत में राष्ट्र ध्वज आधा झुका रहेगा। भारत में आर्थिक सुधारों के जनक मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में बृहस्पतिवार रात को निधन हो गया। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को बृहस्पतिवार को भेजे गए पत्र में गृह मंत्रालय ने यह भी कहा कि सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा और राष्ट्रीय शोक के दौरान कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा। पत्र में कहा गया, भारत सरकार बहुत दुख के साथ यह घोषणा करती है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का 26 दिसंबर, 2024 को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। गृह मंत्रालय ने कहा कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में 26 दिसंबर से एक जनवरी तक पूरे भारत में सात दिवसीय राष्ट्रीय शोक मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अवधि के दौरान, भारत में उन सभी स्थानों पर जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है वहां तिरंगा आधा झुका रहेगा और राष्ट्रीय शोक की अवधि के दौरान आधिकारिक रूप से कोई मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होंगे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शनिवार, 28 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

ब्लॉक कर्मचारियों ने बुजुर्गों के घर जाकर दी योजनाओं की जानकारी

बैजरो/धुमाकोट, एजेंसी। सुशासन दिवस पर बीरोंखाल के अंतर्गत खंड विकास कार्यालय बीरोंखाल के कर्मचारियों ने 30 बुजुर्गों के घर जाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उधर, धुमाकोट में भाजपाइयों ने सुशासन दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का श्रद्धांजलि दी।बीरोंखाल के खंड विकास अधिकारी जयपाल सिंह पयाल ने बताया कि सरकार ने कुछ योजनाओं को समाज के बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए लागू किया है। सुशासन दिवस पर विकासखंड के 30 बुजुर्गों के घर जाकर उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही वृद्धावस्था पेंशन, दीनदयाल उपाध्याय आवास योजना, आर्थिक सहायता आदि योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही उनकी कुशलता ली गई। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात का उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजना की जानकारी देना था। उधर, भाजपाइयों ने सुशासन दिवस पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर नैनीडांडा बूथ पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ ही नैनीडांडा बाजार में मिठाई बांटी गई। इस मौके पर आयोजित गोष्ठी में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए सराहना की गई। भाजपा मंडल अध्यक्ष शशि कुमार ध्यानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप नेगी, नैनीडांडा इंटर कॉलेज के प्रबंधक रामानंद मधवाल, प्रधानाचार्य सत्येंद्र शर्मा, शिक्षाविद् रघुवीर सिंह रावत, एमडी रावत सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महिला समेत अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य दबोचे

ऋषिकेश, एजेंसी। खैरी खुर्द क्षेत्र में चोरी की बड़ी घटना को अंजाम देने आए एक महिला सहित तीन पुरुषों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई बड़े खुलासे किए हैं। आरोपी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। प्रभारी निरीक्षक बीएल भारती ने बताया कि अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य खैरी खुर्द क्षेत्र में चोरी की बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे। सोमवार की देर शाम रायवाला पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी तभी हरिद्वार देहरादून राजमार्ग पर स्थित तीन पानी पुलिया के समीप एक महिला व तीन युवकों को संदिग्ध अवस्था में जंगल के किनारे खड़े देखा। पूछताछ करने पर सभी लोग घबरा गए। शक होने पर सभी की तलाशी ली गई। दो चाकू बरामद हुए। आरोपी महिला ने बताया कि वह रिंकी गिरोह की सरगना है और क्षेत्र में रेकी कर चोरी की योजना बनाती थी। पुलिस ने आरोपी सूरज पांडे निवासी मजी गवां तहसील सडीला थाना बेनीगंज हरदोई उत्तर प्रदेश, गंगाराम अवस्थी निवासी ग्राम बहुथी, थाना मिसरिख सीतापुर, यूपी, समी बेनीगंज हरदोई यूपी और महिला रिंकी निवासी बेनीगंज हरदोई के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि के लिए यीशु से मांगी दुआ

पौड़ी, एजेंसी। जिला मुख्यालय पौड़ी में क्रिसमस धूमधाम व सौहार्द के साथ मनाया गया। ईसाई समुदाय के लोगों ने सभी प्रदेश वासियों के लिए सुख व समृद्धि की प्रार्थना की। गिरजाघरों के बाहर सेंटाक्लॉस ने बच्चों को मिठाइयां बांटी। इस मौके पर शहरवासियों ने ईसाई समुदाय के लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी। शहर के विभिन्न गिरजाघरों में सुबह से ही प्रभु यीशु के कैरोल गूंजते रहे। पौड़ी नगर के लोअर चोपड़ा व गडोली स्थित मैथोडिस्ट चर्चों में बुधवार सुबह से ही प्रभु यीशु के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों व प्रार्थनाओं का दौर चलता रहा। मैथोडिस्ट चर्च लोअर चोपड़ा के पास्टल हरीश मैथयूज व गोडोली चर्च के पास्टल मैथयूस ने प्रभु ईसा मसीह के जीवन से जुड़ी विभिन्न घटनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि प्रभु लोगों की भलाई के लिए सूली पर चढ़ गए। उन्होंने लोगों को आपसी भाई चारा व सौहार्द बनाए रखते हुए प्रभु के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इससे पूर्व ईसाई समुदाय के लोगों ने अपने घरों में प्रभु यीशु की विधिपूर्वक आराधना की। जबकि बीते मंगलवार की मध्य रात्रि तक बुजुर्गों, युवाओं व महिलाओं ने विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित कीं। युवाओं ने दो दिन पूर्व से ही नगर के विभिन्न मोहल्लों में घर-घर जाकर कैरोल के रूप में प्रभु यीशु के गीतों व प्रार्थनाओं को लेकर नाइट वोर्थ सर्विस आयोजित की। मिठाइयां आदि बांटी। इस मौके पर आईबी सिंह, रवि वर्ग, अविनाश जॉन, विजय प्रकाश, अनिल सिंह, सुनील सिंह, हरीश विलियम, आशीष सिंह और प्रदीप सिंह आदि शामिल रहे।

स्नोफॉल से कई गुना बढ़ गई उत्तराखंड की खूबसूरती

देहरादून, एजेंसी।
ऊंचाई वाली पहाड़ियों पर बीते दिन हुई बर्फबारी से उत्तराखंड के लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है। स्ठुश्2द्धड्डह्य से तापमान में भी गिरावट आई है। शाम को शीतलहर चलने से लोग परेशान हैं। ठंडी हवाएं चलने से खांसी जुकाम से भी लोग परेशान हैं। बीते दिनों नागटिब्बा, धनोल्टी, केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगी जैसी जगहों पर जमकर बर्फ पड़ी। बर्फबारी के बाद देहरादून और आसपास के क्षेत्रों में सर्दी बढ़ गई है। दिन में जब तक धूप रहती है कुछ राहत मिलती है लेकिन सुबह व शाम को कड़के की सर्दी का सामना करना पड़ रहा है।

हालांकि स्नोफॉल से उत्तराखंड की खूबसूरती में चार चांद लग गया है। टूरिस्ट भी बर्फबारी का मजा लेते दिख रहे हैं। इन दिनों ट्रैकिंग करने वालों की संख्या ज्यादा देखने को मलि रही है। गंगोत्री, यमुनोत्री, हर्षिल, राड़ी टॉप, धराली, मुखबा, जानकी चट्टी, खरसाली, नारायण पुरी, ओसला, गंगाड़, लिवाड़ी, फिताड़ी, हरकीदून, संकारी, केदारकांठा जैसी जगहों पर जमकर बर्फबारी हो रही है। आइए देखते हैं बर्फबारी की शानदार तस्वीरें-

आपको बता दें कि बर्फबारी ने देहरादून में ठिठुरन बढ़ा दी है। जिस तरह से मौसम का मिजाज है, ऐसे में नए साल का जश्न मनाने टिहरी के पर्यटक स्थल पर पहुंचने वाले पर्यटक बर्फबारी का आनंद उठा सकते हैं।

वहीं सर्दी को देखते हुए पालिका ने बाजार के प्रमुख जगहों पर अलाव की व्यवस्था की है।

केदारनाथ धाम में बर्फबारी और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। केदारनाथ धाम में लगातार तापमान में गिरवाट आ रही है, गत दिनों हुई बर्फबारी के बाद यहां एक से डेढ़ फीट बर्फ जम गई है। 28 व 29 को मौसम विभाग ने जबरदस्त बर्फबारी का अनुमान जताया है।

वहीं वर्ल्ड फेमस औली में सफेद चादर बिछने से पर्यटक खासे उत्साहित हैं। रोजाना 500 से ज्यादा टूरिस्ट औली पहुंच रहे हैं। औली का दीदार कर रहे पर्यटकों को औली की खूबसूरती काफी पसंद आ रही है।

उत्तराखंड में मौसम ने ली करवट, भारी बर्फबारी के आसार, पहुंचने लगे सैलानी

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदल ली है। प्रदेशभर में बादलों का डेरा है। दून में सुबह से ही धुंध छाई हुई है और धूप के दर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके साथ ही सर्द हवाएं कंपकंपी छुटा रही हैं।

मसूरी और आसपास के क्षेत्रों में घने बादल छाने के साथ वर्षा और बर्फबारी के आसार बने हुए हैं। पारे में गिरावट आने से कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। वहीं उत्तराखंड में भारी बर्फबारी के आसार बनते ही सैलानी भी पहुंचने लगे हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। आज पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी हो सकती है। शनिवार को 2000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात और अन्य क्षेत्रों में वर्षा के आसार हैं। जिससे कहीं-कही शीत दिवस की स्थिति बन सकती है। इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तरकाशी ~ सीमांत जनपद उत्तरकाशी में मौसम ने करवट ले ली है। जिला मुख्यालय सहित सभी तहसील क्षेत्रों में बादल छाए हुए और वर्षा के प्रबल आसार बने हुए हैं। जबकि गंगोत्री, यमुनोत्री सहित हर्षिल घाटी, हरकीदून, सुपीन व रुपीन घाटी में बर्फबारी के आसार बने हुए हैं।

बर्फबारी के आसार को देखते हुए हर्षिल और सुपीन घाटी में बड़ी संख्या में पर्यटक भी पहुंच रहे हैं। गत बृहस्पतिवार को सुपीन घाटी में करीब दो हजार और हर्षिल घाटी में

800 पर्यटक पहुंचे हैं। बर्फबारी के मौसम को देखते हुए पर्यटकों की संख्या बढ़ने के आसार बने हुए हैं।

सुल्तानपुर~ इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। बेघर और गरीबों पर ठंड की मार ज्यादा पड़ रही है। सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में रैन बसेरा तो है लेकिन वह बंद पड़ा है। बेघर और गरीब खुले आसमान के नीचे रात काटने को मजबूर हैं। ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है।

बेघर और गरीबों को ज्यादा दिक्कतें उठानी पड़ रही है। सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में वर्ष 2007-08 में विधायक निधि 7.24 लाख की लागत से रैन बसेरा तो बनाया लेकिन अक्सर यह बंद रहता है। उस पर नगर पंचायत का ताला लटका है।

कमरे में रजाई गद्दे की जगह नगर पंचायत का सामान रखा है। जबकि सर्दी पूर्व नगर निकायों की ओर से रैन बसेरों को व्यवस्थित किया जाता है। सुल्तानपुर नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी प्रियंका का कहना है कि नगर में बने रैन बसेरे में नगर पंचायत का सामान पड़ा है।

पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की और हाथापाई, सरकारी वाहन का शीशा तोड़ा, केस दर्ज

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप के शिवनगर में विवाद की सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों के साथ एक परिवार के तीन सदस्यों ने धक्कामुक्की कर हाथापाई की। जब पुलिस तीन को सरकारी वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगी तो परिवार की एक युवती ने हाथ व पत्थर से वाहन का शीशा तोड़ दिया।

रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप के शिवनगर में विवाद की सूचना पर पहुंचे पुलिस कर्मियों के साथ एक परिवार के तीन सदस्यों ने धक्कामुक्की कर हाथापाई की। जब पुलिस कर्मी तीन को सरकारी वाहन में बैठाकर थाने ले जाने लगे तो परिवार की एक युवती ने हाथ व पत्थर से वाहन का शीशा तोड़ दिया। पुलिस ने तीन सदस्यों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इसके अलावा घटना में शामिल नाबालिग को बाल संप्रेक्षण गृह में भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार बुधवार रात शिवनगर निवासी गिरीश राठौर ने डायल 112 पर सूचना दी कि कुछ लोग उनके घर पर मारपीट करने आए हैं। इस पर हेड कांस्टेबल अजय शाही और कांस्टेबल संजय कुमार बाइक पर पीलीकोठी के पास शिवनगर पहुंचे थे। वहां मौजूद गिरीश ने पुलिस कर्मियों को बताया कि गली में खड़े तीन लोग मारपीट करने आए हैं। पुलिसकर्मियों के पहुंचने पर छत्रपाल निवासी .ग्राम शईदाबाद थाना कैमरी रामपुर व हाल निवासी शिवनगर पीलीकोठी के पास, उसका बेटा अजय और नाबालिग बेटा वहां खड़ा था। आरोप है कि पुलिसकर्मियों के पूछताछ करने पर तीनों गालीगलौज करते हुए उनसे भिड़ गए। आरोपियों ने धक्का मुक्की कर हाथापाई की। मामला तूल पकड़ा तो एसएचओ मोहन चंद्र पांडेय भी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस कर्मियों ने तीनों को हिरासत में ले लिया। इस दौरान तीनों को हिरासत में लेकर पुलिस कर्मी सरकारी वाहन संख्या यूके 08जीए 0309 में बैठाकर थाने में ले जा रहे थे। इस दौरान छत्रपाल की पुत्री राजकुमारी ने हाथ और पत्थर मारकर वाहन का पिछला बायां शीशा तोड़ दिया। पुलिस ने चारों लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया।

कवियों ने रचनाओं से बयां की पहाड़ की पीड़ा

कोटद्वार, एजेंसी। ग्रामीण विकास नागरिक विचार मंच की ओर से पोखड़ा ब्लॉक अंतर्गत गवांणी गांव में आयोजित काव्य गोष्ठी में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से पहाड़ की पीड़ा को व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान शिशु मंदिर गवांणी में रंग मंच के लिए भागेश्वरी देवी को सम्मानित किया गया।

काव्य गोष्ठी का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय चौबट्टाखाल के प्राचार्य प्रो. एमडी खुशवाहा ने किया। विशिष्ट अतिथि बदरी केदार मंदिर समिति के सदस्य पुष्कर जोशी, ग्राम प्रधान रेखा नवानी, फील गुड संस्था के संस्थापक सुधीर सुंद्रियाल, कार्यक्रम संयोजक प्रवेश नवानी ने कहा कि युवाओं को अपनी भाषा और अपनी माटी से जोड़ने के लिए कार्यक्रम का आयोजन सराहनीय है। गढ़वाली हिंदी काव्य गोष्ठी का आयोजन पूनम रावत ने उत्तराखंड की ज्वलंत समस्याओं पर आधारित कविता सुनाई।

अनुसूया प्रसाद नवानी ने गढ़वाली गीत उत्तराखंड में कृषि कैलेंडर कब क्या बोया काटा... जाता है सुनाई। मोहन चंद्र पांथरी ने उत्तराखंड की शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर तंज कसते हुए काव्य पाठ किया। प्राचार्य प्रो. एमडी खुशवाहा ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर कविता सुनाकर बालिका शिक्षा पर जोर दिया। प्रधा[illegible] ने भी काव्य पाठ किया।। इससे पूर्व विचार मंच के संस्थापक प्रवेश चंद्र नवानी ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। पयास पोखड़ा की अध्यक्षता में आयोजित काव्य गोष्ठी में प्रधानाचार्य पुष्पा रावत, वीपी डबराल, विजयानंद लिंगवाल, सुनीता नवानी, विनीता जोशी, वीरेंद्र सिंह रावत, प्रवेश गौनियाल, दुर्गा गौनियाल, वीना नवानी, ईशा नेगी, सुरेंद्र प्रसाद जोशी आदि मौजूद रहे।

पौड़ी हाईवे पर पेयजल लाइन से रिसाव

कोटद्वार, एजेंसी। कोटद्वार पौड़ी हाईवे पर सिद्धबली मंदिर के नजदीक भूमिगत पाइप लाइन में कई दिनों से रिसाव हो रहा है। हाईवे पर कीचड़ के हालात बनने से फिसलन हो चुकी है। सड़क पर घुमाव के साथ एक ओर खाई होने से दुर्घटना का अंदेशा बना है। जल संस्थान कार्यालय से करीब एक किलोमीटर के फासले पर ही जल संस्थान की भूमिगत पेयजल पाइप लाइन में रिसाव हो रहा है। जिससे मार्ग बदहाल हो चुका है। तेज रफ्तार वाहन में अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन अनियंत्रित हो रहे हैं। भारी वाहनों की आवाजाही से मार्ग में गड्ढे हो चुके हैं। पिछले कई दिनों से यह समस्या होने के बावजूद एनएच विभाग अथवा जल संस्थान ने रिसाव को ठीक नहीं किया है। इस मौके पर सड़क के एक ओर पहाड़ तो दूसरी ओर खाई है।

आचार संहिता लागू होते ही बैनर होर्डिंग हटाने का कार्य हुआ शुरू

ऋषिकेश, एजेंसी। निकाय चुनाव के लिए आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद प्रशासन ने राजनीतिक दलों के पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाने शुरू कर दिए है। आचार संहिता लागू होने पर बिना अनुमति लिए मीटिंग आदि नहीं हो सकेगी। नगर निगम ऋषिकेश क्षेत्र में प्रशासन की टीम ने दिन भर अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर लगे पोस्टर बैनरों का हटवाया। प्रशासन का कहना है कि आचार संहिता का पालन सख्ती से करवाया जाएगा। नगर पालिका डोईवाला में चुनाव के लिए आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने के लिए तहसील और नगर पालिका प्रशासन ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। सबसे पहले नगर के विभिन्न चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर लगाए गए बैनर और होर्डिंग्स हटाए जा रहे है। मंगलवार को सुबह से ही प्रशासन की टीम सक्रिय हो गई थी। नगर पालिका क्षेत्र के मुख्य स्थानों के अलावा गली मोहल्लों से भी राजनीतिक दलों के शुभकामना संदेश वाले होर्डिंग्स बैनर को हटाया गया। वहीं, दूसरी ओर निकाय चुनावों की आचार संहिता के बारे में जानकारी लेने के लिए राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय भी पहुंचे। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि निकाय की चुनाव आचार संहिता प्रभावी होने के बाद राजनीतिक दलों के पोस्टर बैनर हटाए जा रहे है। संभावित उम्मीदवारों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। नगर पालिका चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों को अब मतदाता सूची की दरकार है। चुनाव के लिए मतदाता सूची सबसे अहम हो जाती है। अधिशासी अधिकारी उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि जिस किसी को भी मतदाता सूची की आवश्यकता है। वह चुनाव आयोग की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा नगर पालिका कार्यालय से भी मतदाता सूची उपलब्ध हो जाएगी।

बामसू गांव में फिर दिखा गुलदार, वन विभाग ने लगाए दो पिंजरे

कोटद्वार/लैंसडौन, एजेंसी।
रेखणीखाल ब्लॉक के गुलदार प्रभावित ग्रामसभा सेंधी के बामसू गांव में बुधवार सुबह फिर गुलदार देखा है, जिससे पूरे इलाके में दहशत बनी हुई है। सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे और गुलदार की मूवमेंट पर नजर बनाए हुए हैं। दिन में गुलदार देखने से ग्रामीणों में दहशत है। वन विभाग की ओर गुलदार को पकड़ने के लिए गांव में दो पिंजरे लगाए गए हैं।

ग्रामसभा सेंधी के प्रधान दर्शन सिंह ने बताया कि बुधवार को सुबह 11~45 से शाम साढ़े तीन बजे तक बामसू गांव से 15 मीटर की दूरी पर यात्री शेड के नीचे गुलदार की मूवमेंट देखी गई। कहा कि गांव में लगातार गुलदार की मूवमेंट बनी हुई है। उन्होंने बताया कि बुधवार को तीसरे दिन भी अभिभावक बच्चों को स्कूल छोड़ने और लेने गए। कहा कि ग्रामीण पालतू पशुओं को चराने, चारा पत्ती लाने और खेतों में काम करने के लिए समूह में गए। गुलदार दिखने से ग्रामीणों में दहशत है और शाम ढलते ही ग्रामीण घरों में कैद हो जा रहे हैं।

शैलदीदी ने दक्षिण भारत के लिए ज्योति कलश का किया पूजन

हरिद्वार, एजेंसी। अखिल विश्व गायत्री परिवार की अधिष्ठात्री शैलदीदी ने शुक्रवार को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में दक्षिण भारत के राज्यों के लिए तीन दिवसीय आठ दिव्य कलशों का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और कर्नाटक, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश, तेलगांना, केरल से आये परिजनों को सौंपा। इस यात्रा का उद्देश्य दक्षिण भारत में जन जागरण फैलाना है।

इस अवसर पर शैलदीदी ने कहा कि हिमालय की छाया में बसा शांतिकुंज से ज्योति कलश का प्रवाह दक्षिण भारत के राज्यों को प्रकाशित करेगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की ओर से प्रज्वलित अखण्ड ज्योति का शताब्दी वर्ष है। देश भर में जनजागरण के लिए गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार से देश भर में ज्योति कलश यात्रा निकाली जा रही है।

शिविर समन्वयक परमानंद द्विवेदी ने बताया कि दक्षिण भारत के कर्नाटक, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, और केरल के लिए अलग-अलग ज्योति कलश यात्रा निकाली जायेगी, जो प्रत्येक गांव, कस्बा, शहर में अलख जगायेगी।

ज्योति कलश यात्रा कार्यशाला तीन दिन चलेगी, जिसमें शांतिकुंज व्यवस्थापक योगेन्द्र गिरी, देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या, शांतिकुंज महिला मण्डल प्रमुख शेफाली पण्ड्या सहित अनेक विषय विशेषज्ञ संबोधित करेंगे। इस कार्यशाला में कर्नाटक, तमिलनाडू, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, और केरल से आये दो सौ से अधिक भाई-बहिन शामिल हैं।

नवजात शिशुओं में खांसी, जुकाम, निमोनिया के लक्षण

श्रीनगर, एजेंसी। ठंड बढ़ने के साथ नवजात शिशुओं के बीमार होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। शिशुओं में खांसी, जुकाम, निमोनिया के लक्षण देखने को मिलते हैं। ऐसे में ठंड के दौरान बच्चों का खास ख्याल रखने की आवश्यकता है।

राजकीय उपजिला संयुक्त अस्पताल श्रीनगर के बाल रोग विभाग में सर्दी, जुकाम से ग्रसित नवजात शिशुओं की संख्या बढ़ रही है। यहां प्रतिदिन ओपीडी में बच्चों में होने वाली आम सर्दी की बीमारी से ग्रसित बीस से अधिक बच्चों आ रहे हैं। दरअसल, सर्दियों के दौरान हवा में नमी और ठंड ज्यादा रहती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस का विकास व संक्रमण तेजी से फैलता है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ प्रेरणा पंवार ने कहा कि ज्यादातर खांसी, जुकाम के मरीज उनके पास आ रहे हैं। समय पर उपचार न होने के कारण कई बच्चों में निमोनिया की शिकायत भी देखने को मिल रही है। ओपीडी में पहुंच रहे कई नवजात शिशुओं में भी निमोनिया के लक्षण देखे जा रहे हैं।

जब मनमोहन सिंह ने जेएनयू के कुलपति से प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रति नरमी बरतने का अनुरोध किया

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। विद्वान और मृदुभाषी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सर्वसम्मति बनाने वाले नेता के तौर पर अपनी प्रतिष्ठा बनाई तथा भारत में आर्थिक सुधार के द्वार खोले। हालांकि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन को 2005 में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करने से रोकने के लिए उनके दखल ने उनके व्यक्तित्व के एक नए आयाम को प्रदर्शित किया। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा का अनावरण करने जेएनयू परिसर गए सिंह को वाम समर्थित छात्रों ने काले झंडे दिखाए। इस घटना के बाद विश्वविद्यालय ने छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया तथा कुछ छात्रों को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में भी लिया।

एक दिन बाद सिंह ने हस्तक्षेप करते हुए तत्कालीन कुलपति बी.बी. भट्टाचार्य को छात्रों के प्रति नरमी बरतने का सुझाव दिया। अपने कड़े सत्ता-विरोधी रुख के लिए जाने जाने वाले इस परिसर के दौरे के दौरान सिंह ने फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर को उद्धृत करते हुए कहा था, ह्यआप जो कहना चाहते हैं, उससे मैं असहमत हो सकता हूं, लेकिन मैं आपके कहने के अधिकार की मरते दम तक रक्षा करूंगा। सिंह ने अपने संबोधन में कहा था, विश्वविद्यालय समुदाय का प्रत्येक सदस्य, यदि वह विश्वविद्यालय के योग्य बनने की आकांक्षा रखता है, तो उसे वॉल्टेयर के कथन की सच्चाई को स्वीकार करना होगा। वॉल्टेयर ने कहा था, आप जो कहना चाहते हैं, उससे मैं असहमत हो सकता हूं, लेकिन मैं अपनी मृत्यु तक आपके

कहने के अधिकार की रक्षा करूंगा। यह विचार एक उदार संस्था की आधारशिला होना चाहिए। इस घटना को याद करते हुए जेएनयू के एक सेवानिवृत्त प्रोफेसर ने कहा, छात्रों ने उन्हें काले झंडे दिखाए। तत्कालीन कुलपति को पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) से फोन आया, जिसमें उनसे छात्रों के साथ नरमी बरतने को कहा गया, क्योंकि विरोध प्रदर्शन करना उनका अधिकार है। इसके बाद छात्रों को चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। जेएनयू पिछले एक दशक से विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र रहा है, तथा 2016 के देशद्रोह विवाद ने परिसर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर बहस छेड़ दी थी।

भट्टाचार्य ने 2016 में एक साक्षात्कार के दौरान 2005 की घटना को याद किया था। उन्होंने कहा था, मनमोहन सिंह ने मुझसे कहा था, सर, कृपया नरमी बरतें। मैंने कहा कि मुझे कम से कम उन्हें चेतावनी तो देनी ही होगी, लेकिन आज समस्या यह है कि छात्रों के साथ संवाद के सूत्र टूट गए हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री और जेएनयू की पूर्व छात्रा स्वरा भास्कर ने याद किया कि जब यह घटना हुई तब वह विश्वविद्यालय में छात्रा थीं। भास्कर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे एक किस्सा याद है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जेएनयू आए थे। मैं वहां की छात्रा थी। मुझे लगता है कि सिंगूर, नंदीग्राम की घटना हुई थी या शायद यह सीजी (छत्तीसगढ़) में नक्सल विरोधी अभियान था।

कैंपस में विरोध प्रदर्शन की चर्चा थी। बेशक वहां काफी सुरक्षा व्यवस्था थी, लेकिन वामपंथी छात्र संगठनों, शायद एआईएसए या डीएसयू ने पूरे परिसर में काले झंडे लहराए और दो वामपंथी छात्रों ने नारेबाजी तथा काले झंडे दिखाकर प्रधानमंत्री के भाषण को बाधित किया। उन्होंने कहा, उन्हें तुरंत हटा दिया गया और जाहिर तौर पर निष्कासन नोटिस दिया गया। हमने कुछ दिनों बाद सुना कि पीएमओ से कुलपति को फोन आया और अनुरोध किया गया कि छात्रों को निष्कासित न किया जाए क्योंकि विरोध करना उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के दायरे में था! आज की भारतीय राजनीति, नेतृत्व और राजनीतिक माहौल से यह कितना अलग है। यह इस बात का प्रमाण है कि एमएमएस (मनमोहन सिंह) एक महान प्रधानमंत्री थे। जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद, जिस पर 2016 के देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया था और जो एक अलग मामले में जेल में है, ने भी इस घटना को साझा किया था। उसने 2020 में एक्स (तब ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा था, 2005 में, जेएनयू में मनमोहन सिंह को उनकी आर्थिक नीतियों के विरोध में काले झंडों का सामना करना पड़ा। यह बड़ी खबर बन गई। प्रशासन ने तुरंत छात्रों को नोटिस भेजा। अगले ही दिन पीएमओ ने हस्तक्षेप किया और प्रशासन से कोई कार्रवाई न करने को कहा क्योंकि विरोध प्रदर्शन छात्रों का लोकतांत्रिक अधिकार है।

संक्षिप्त खबरें

संसद के पास खुद को आग लगाने वाले व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। संसद भवन के निकट 25 दिसंबर को खुद को आग लगाने वाले 26 वर्षीय व्यक्ति की शुक्रवार को राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बुधवार को उत्तर प्रदेश के बागपत के जितेंद्र ने नए संसद भवन के पास अपने शरीर पर पेट्रोल जैसा पदार्थ डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की थी। संसद के पास तैनात सुरक्षाकर्मियों की मदद से आग बुझाई गई। इसके बाद उसे आरएमएल अस्पताल ले जाया गया और बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बागपत में अपने घर के कुछ लोगों से विवाद के कारण व्यक्ति ने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि उसके परिवार पर गांव के ही एक अन्य परिवार के साथ मारपीट के दो मामले दर्ज हैं, जिसके कारण वह परेशान था। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, वह 95 प्रतिशत जल गया था और शुक्रवार को तड़के 2.23 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद जितेंद्र का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट को मिला अटल तिरंगा सम्मान

नईदिल्ली। दक्षिण एशियाईविश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट प्रो. के.के. अग्रवाल को ह्यअटल तिरंगा सम्मानह्न से नवाजा गया है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेन्शन सेंटर में ह्यसैल्यूट तिरंगाह्न संस्था की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में प्रो. अग्रवाल को यह सम्मान दिया गया। प्रो. अग्रवाल को यह सम्मान उच्च शिक्षा के छेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए उस संस्था के संरक्षक सांसद मनोज तिवारी ने दिया। प्रो. अग्रवाल ने इस सम्मान पर प्रतिक्रिया हुए कहा कि यह संस्था भारतीय तिरंगे की शान को बनाए रखने के देश-विदेश में जन-जागरूकता अभियान चला रही है ऐसे में इस सम्मान को लेना गौरव की बात है। इस संस्था के प्रमुख राजेश झा ने बताया कि विभिन्न छेत्रों में असाधारण कार्य करने वाले 30 विभूतियों को इस सम्मान से नवाजां गया।

भाजपा के दबाव से ही जनता को मिली बिजली बिलों से राहत : बिधूड़ी

नईदिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दिल्लीवासियों को बधाई दी है कि भाजपा के संघर्ष के बाद दिल्ली में बिजली की बढ़ी हुई दरों से उन्हें राहत मिल रही है। बिधूड़ी ने उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को धन्यवाद दिया है कि उनके प्रयासों से दिल्ली की जनता को यह बड़ी राहत मिली है। बिधूड़ी ने कहा कि पावर परचेज एडजस्टमेंट चार्ज के नाम पर आम आदमी पार्टी सरकार की मिलीभगत से बिजली कंपनियों ने भारी बोझ डाल दिया था। अब दिल्ली की जनता का बिजली का बिल 20 से 25 प्रतिशत तक कम हो जाएगा जो उन्हें नए साल का तोहफा माना जा सकता है। बिजली के बिल बढ़ने पर भाजपा लगातार मांग करती आ रही है कि जनता को इन अनावश्यक शुल्कों से छुटकारा दिलाया जाए। अब आकर डीईआरसी ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। बिधूड़ी ने कहा कि आतिशी सरकार बिजली की दरों में और भी ज्यादा वृद्धि कराना चाहती थी लेकिन भाजपा के विरोध से जो दबाव बना।

अंतर-राज्यीय वाहनचोरी सिंडिकेट का पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी जिला एएटीएस टीम ने एक अंतर्राज्यीय वाहनचोरी सिंडिकेट का पदार्फाश किया है। पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गिरोह के तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी भारी लोडिंग वाहनों को दिल्ली-एनसीआर इलाकों से चुराने के बाद उन्हें बुलंदशहर और फरीदाबाद में अपने नेटवर्क के माध्यम से आगे भेज देते थे। वहां वाहनों को तोड़कर उनके विभिन्न हिस्सों को अलग अलग स्क्रैप डीलरों को बेच दिया जाता था। पकड़े गये आरोपियों की पहचान बृज श्रीवास्तव, विक्रम व नरेंद्र के रूप में हुई है।

दिल्ली के कई हिस्सों में हुई तेज बारिश

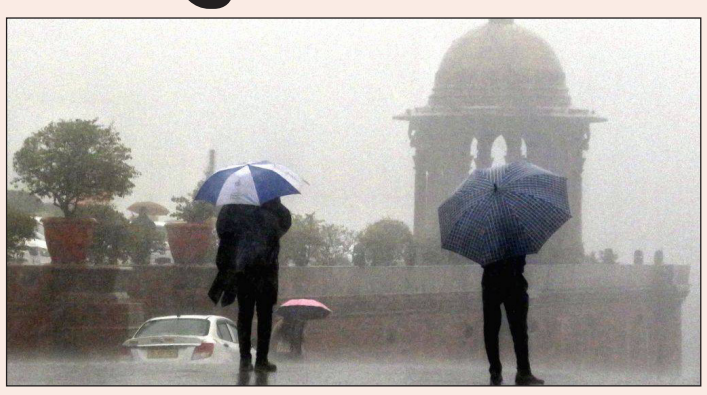

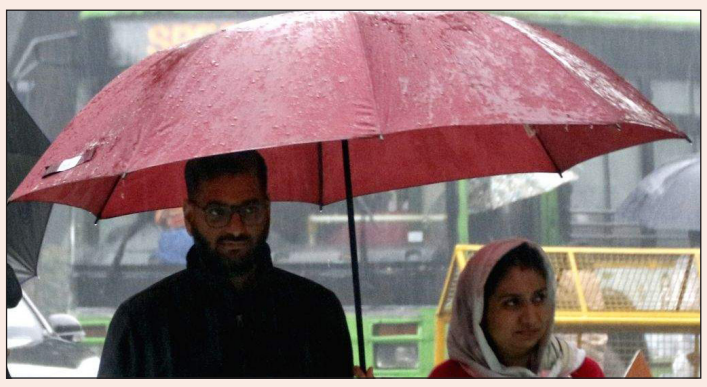

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार की सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग ने दिन के लिए अभी और अधिक बारिश होने का पूवार्नुमान व्यक्त किया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और पूर्वी हवाओं के साथ इसके संपर्क के कारण दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) सहित उत्तर-पश्चिम तथा मध्य भारत में हल्की से मध्यम बारिश एवं बादलों की गरज के साथ हल्की बारिश जारी है।

राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र, सफदरजंग स्थित वेधशाला ने रात ढाई बजे से सुबह साढ़े पांच बजे के बीच 1.8 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की और इसके बाद से सुबह साढ़े आठ बजे तक 7.3 मिमी बारिश दर्ज की गई।पालम मौसम केंद्र में 11.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि लोधी रोड में 6.8 मिमी और पूसा में 5.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन के लिए आमतौर पर बादल छाए रहने तथा हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री अधिक था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता 372 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई। बृहस्पतिवार शाम चार बजे 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 345 दर्ज किया गया। एक्यूआई को शून्य से 50 के बीच अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने दी पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निवास स्थान मोती लाल नेहरू मार्ग पर जाकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके निधन से हुई देश की क्षति की भरपाई नही की जा सकती। उनका जन्म पंजाब में 1932 में हुआ था। डॉ. मनमोहन सिंह जी ने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह बहुत बड़े आर्थिक विद्धान थे, उनकी सोच और नीतियों के लागू होने के कारण ही देश आज तक मजबूत स्थिति में है और इतना सक्षम है कि हर स्थिति और परिस्थितियों का सामना कर सकता है। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004-2014 तक प्रधानमंत्री रहते हुए देश की प्रगति और विकास के लिए ठोस और निर्णायक फैसले लिए जिसके चलते देश विश्व में अग्रिम पंक्तियों वाले देशों के साथ खड़ा है। श्री यादव ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के आर्थिक सलाहकार, रिजर्वबैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर, देश का वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए देश को उस समय संभाला जब पूरा विश्व आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा था तथा देश में आर्थिक आत्मविश्वास कायम किया। प्रधानमंत्री रहते हुए उनकी संयुक्त राष्ट्र अमेरिका से परमाणु डील ऐतिहासिक रही, जिसको घटक दलों के विरोध के बावजूद उन्होंने देशहित में निर्णायक फैसला लिया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने करोड़ों लोगों को गरीबी से उबार कर एक नए मध्यम वर्ग का सृजन किया, और आर्थिक समृद्धि लाए।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा माता गुजरी जी और साहिबजादा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह का शहीदी दिवस बहुत ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कमेटी के प्रबंध अधीन विभिन्न गुरुद्वारों में कीर्तन दरबार सजाए गए, जहां कीर्तन जत्थों ने गुरु की इलाही बाणी के रसभरे कीर्तन से संगत को आनंदित किया। मुख्य समारोह गुरुद्वारा माता सुंदर जी में हुआ।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और धर्म प्रचार प्रमुख जसप्रीत सिंह करमसर ने कहा कि माता गुजरी जी और छोटे साहिबजादों की सरहिंद में शहादत के साथ ही खालसा पंथ की नींव रखी गई और पंथ और अधिक मजबूत हुआ। उन्होंने कहा कि आज बारिश और आंधी की परवाह किए

बिना जिस तरह से संगतें गुरु साहिब के दर्शन के लिए पहुंची हैं, उससे पता चलता है कि संगतों में गुरु साहिब और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रति कितना प्रेम और श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने पंथ के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन उनके माथे पर शिकन तक नहीं आई। आज समय की आवश्यकता है कि गुरु साहिब द्वारा स्थापित खालसा पंथ को हम प्रहरी बनकर आगे बढ़ाएं। उन्होंने संगत को प्रेरित किया कि जो लोग सिख पंथ से दूर जा रहे हैं, उन्हें वापस सिखी स्वरूप में लाने का प्रण लें। अगर हम अपने परिवार और मोहल्ले में पांच-पांच व्यक्तियों को वापस सिखी में लाने का प्रयास करें, तो यह पंथ के लिए बड़ा योगदान होगा।

उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को फतेहगढ़ साहिब और चमकौर साहिब की पवित्र भूमि के दर्शन कराना चाहिए ताकि वे अपने विरसे से जुड़ सकें। साथ ही, हमें अपने घरों में और खालसा परिवार में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जब हम सच्चे दिल से किसी को प्रेरित करते हैं, तो गुरु साहिब स्वयं सफलता प्रदान करते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ की शुरूआत हो रही है। कमेटी ने फैसला किया है कि पूरे देश में यह दिवस मनाया जाएगा। जिन स्थानों पर गुरु तेग बहादुर जी ने चरण रखा, वहां के प्रबंधकों को बुलाकर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के बाद गुरुद्वारा माता सुंदर जी में भी बड़ा हॉल और छह मंजिला स्टाफ क्वार्टर तैयार किए जाएंगे। इस मौके पर कमेटी के अधिकारी, सदस्य, और बाबा बचन सिंह कार सेवा वाले साथी भी मौजूद थे।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि की अर्पित

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका की अगुवाई में कमेटी के अधिकारियों, सदस्यों और अन्य समर्थकों की टीम ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर उनके घर पहुंचकर उनके मृत शरीर पर फूल माला अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बातचीत करते हुए सरदार

हरमीत सिंह कालका ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का सदीवीन विच्छोड़ा देश के लिए एक बहुत बड़ा घाटा है। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की टीम और अन्य समर्थकों के साथ आज डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे हैं।

उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी सोच वाले और समर्पण भाव से काम करने वाले नेता थे, जिन्होंने भारत के इतिहास में अपनी विशिष्ट नेतृत्व शैली की छाप छोड़ी है। उनका सदीवीन विच्छोड़ा न केवल परिवार के लिए, बल्कि देश और दुनिया के लिए भी बहुत बड़ा घाटा है, जिसे कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता।

वार्षिक समारोह मे साधनहीन विद्यार्थियों की मदद

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। आज यहां प्यारेलाल भवन मे आयोजित वार्षिक समारोह मे साधनहीन विद्यार्थियों की मदद की गई। समारोह का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि धानुका एग्रीटेक लि. के एम. डी. महेन्द्र कुमार धानुका ने परिषद द्वारा गत 49 वर्षों से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि परिषद देश के अनेकों राज्यों मे दिव्यांग कैम्प लगाकर दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ व पैर आदि उपलब्ध कराकर प्रशंसनीय कार्य कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिषद के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन (मनोनीत निगम पार्षद) ने केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा का संदेश ह्यपढ़ेगा भारत बढ़ेगा भारतह्न साझा किया। उन्होंने कहा कि यह संदेश केवल शब्द नही बल्कि एक प्रेरणा है जो समाज को सशक्त बनाने और हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने का दिशा मे हमारा मार्गदर्शन करता है। इस अवसर पर 49वीं वार्षिक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि आज इस कार्यक्रम मे विभिन्न स्कूलों के 400 से अधिक साधनहीन छात्र-छात्राओं को जीवन पब्लिशिंग हाउस द्वारा जे.पी.एच. की सहायक पाठ्य पुस्तकें, धर्मपाल सत्यपाल चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से रजिस्टर व कापियां, पूजा-प्रियंका व सुधा गुप्ता परिवार की ओर से मिठाइयां वितरित की गईं। सभी के मनोरंजन हेतु अंतरराष्ट्रीय प्रसिद्ध जादूगर राज कुमार की टीम द्वारा मैजिक शो प्रदर्शित किया गया। समारोह मे ज्योतिषाचार्य मोती मेहता अभय जैन, परिषद के उपाध्यक्ष अशोक कुमार जैन, संगठन सचिव राकेश जैन, सहसचिव आलोक जैन, राम किशोर शर्मा, रविन्द्र कुमार जैन, अनिल जैन, राम औतार शर्मा आदि उपस्थित थे।

दो किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने गांजा तस्करी में शामिल एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला है कि वह महंगे और ब्रांडेड कपड़े पहनने के शौक को पूरा करने के लिए तस्करी का काम करता था। आरोपी की पहचान उत्तम नगर निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद रियान अंसारी के रूप में हुई है। इसके पास से पुलिस ने 2.4 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी को ओम विहार उत्तम नगर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बैठक अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में सरकारी स्कूलों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा और अस्पतालों में अच्छा इलाज दिल्लीवासियों के लिए निरंतर जारी रहेगा- इमरान हुसैन

मंत्री इमरान हुसैन ने स्ट्रीट लाइट लगाने और बिजली मीटर कनेक्शन के लंबित मामलों को लेकर बीएसईएस अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइटें लगाने, नए बिजली मीटर कनेक्शन और बीएसईएस से संबंधित जन शिकायतों के निवारण के संबंध में अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के दौरान मंत्री इमरान हुसैन ने नए बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया की समीक्षा की, जिसके लिए संबंधित दस्तावेज पहले ही मंत्री के कैंप कार्यालय में आयोजित बीएसईएस शिविरों के दौरान स्थानीय निवासियों द्वारा जमा किए जा चुके हैं। मंत्री ने बैठक में बताया कि बस्ती हरफूल सिंह, सदर बाजार कैंप कार्यालय और गली कासिम जान, बल्लीमारान कैंप कार्यालय में आयोजित बीएसईएस शिविरों के दौरान लगभग एक हजार (1000) आवेदन जमा किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी बीएसईएस से संबंधित अपनी शिकायतों जैसे नए मीटर कनेक्शन, बिजली के बिलों, मीटर लोड से सम्बंधित समस्याओं को लेकर कैंप कार्यालय में आते हैं, जिसे शीघ्रता से निपटाने की आवश्यकता है।

इस दौरान बीएसईएस अधिकारियों ने मंत्री को नए बिजली मीटर लगाने के लिए लंबित मामलों के शीघ्र निपटान के बारे में अवगत कराया और बताया कि जमा किये गए आवेदनों की जांच प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और आवेदकों का सत्यापन पहले ही किया जा चुका है। मंत्री ने बीएसईएस के अधिकारियों को स्थानीय निवासियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द नए बिजली मीटर लगाने की प्रक्रिया

में तेजी लाने का निर्देश दिया। खाद्य-आपूर्ति मंत्री ने कहा कि स्थानीय निवासियों की मांग को देखते हुए, बीएसईएस द्वारा बिजली से संबंधित शिकायतों को हल करने के लिए इस तरह के और शिविर आयोजित करने की आवश्यकता है, जिसके लिए खाद्य-आपूर्ति मंत्री ने बीएसईएस अधिकारियों को विशेष शिविर आयोजित के लिए तैयार रहने को कहा। बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र के निवासियों की आवश्यकता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन द्वारा विगत दिनों कैंप कार्यालय में बीएसईएस विशेष शिविरों का आयोजन किया गया जहां त्वरित बिजली कनेक्शन प्रदान करने के साथ ही बिजली बिलों से संबंधित प्रश्नों का निराकरण भी किया गया।इसके अलावा, मंत्री इमरान हुसैन ने बताया कि बल्लीमारान विधान सभा में लगभग 1500 स्ट्रीट लाइट लगाई जा रही हैं, जिससे इलाके के सभी डार्क स्पॉट खत्म हो जाएंगे।

बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में एमसीडी द्वारा 900 स्ट्रीट लाइट और बीएसईएस द्वारा 600 स्ट्रीट लाइट तेजी से लगाई जा रही हैं। मंत्री ने बीएसईएस अधिकारियों को बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में नई स्ट्रीट लाइट लगाने और खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक करने के लिए आर. डब्लू.ए/ स्थानीय निवासियों के परामर्श से ब्लैक स्पॉट की पहचान करने का भी निर्देश दिया। बीएसईएस को अपने दक्षता प्रबंधन और शिकायत निवारण प्रणाली में सुधार लाने के लिए भी कहा गया। इमरान हुसैन ने बताया कि हमारे जननेता अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, हाई मास्ट लाइट, कटरा में विकास कार्य, बिजली के तारों को सुवव्यस्थित करने, पानी की पाइपलाइन ,सीवर लाइन कार्य, बरात घर एवं कम्युनिटी सेंटर आदि कार्य लगातार कराए जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली के लोगों को मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पतालों में अच्छा इलाज, दिल्ली की महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा निरंतर जारी रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल से बाइक चुराने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। सिविल लाइंस पुलिस ने अस्पताल से बाइक चुराने वाले गिरोह के एक सदस्य को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी गुलाब सिंह के कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद की है। डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि ब्रह्मपुरी निवासी रिंकी अपने चाचा के साथ इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर आई थी। बाइक को ट्रॉमा सेंटर की पार्किंग में खड़ी कर वे अस्पताल के अंदर चले गए। जब वे वापस लौटे तो देखा कि बाइक गायब थी। इसके बाद पीड़ित ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता थे : आप

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (वेब वार्ता)। आम आदमी पार्टी (आप) ने अर्थशास्त्री और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आतिशी, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और सांसद संजय सिंह ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर कहा कि मैंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। वह एक शानदार अर्थशास्त्री थे। उन्होंने 1990 के दशक में भारत के आर्थिक सुधारों को दिशा दी और देश के इतिहास में एक अहम मोड़ पर उसकी दिशा तय की। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी नेतृत्व क्षमता शांति, ईमानदारी और देशवासियों के प्रति गहरी प्रतिबद्धता से परिपूर्ण थी। डॉ. सिंह के योगदान ने हमारे आर्थिक और राजनीतिक सिस्टम पर गहरी छाप छोड़ी है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

जमीअत ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसे देश के लिए बड़ी क्षति बताया है। मौलाना मदनी ने अपने शोक संदेश में कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने एक विख्यात अर्थशास्त्री, सक्षम राजनीतिज्ञ और प्रतिष्ठित नेता के रूप में देश के विकास और स्थिरता में बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की हैं। उनके नेतृत्व में देश में न केवल आर्थिक सुधारों की नींव रखी गई, बल्कि शांति, विकास और सभी के लिए न्याय की मजबूत परंपरा को बढ़ावा मिला।

अवैध शराब बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 2 नाबालिग समेत पांच लोगों को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिला एएटीएस की टीम ने अवैध शराब के निर्माण/पैकिंग के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 2 नाबालिग समेत पांच लोगों को पकड़ा है। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित, आशीष, और राम है। उत्तर पूर्वी जिला डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि इंस्पेक्टर योगेश वशिष्ठ की देखरेख में गठित एएटीएस टीम एएसआई सिद्धार्थ, एचसी कृष्ण, पवित्र, संदीप, कांस्टेबल मोनू और मुकेश ने अवैध शराब की सूचना विकसित करने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र में घूम रहे थे। टीम ने गामड़ी, भजनपुरा, दिल्ली के क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण/भंडारण/आपूर्ति की गुप्त सूचना विकसित की और इस विशेष अवैध गतिविधि के आधार की पहचान कर छापेमारी कर पुलिस ने 500 क्वार्टर (90 लीटर) अवैध शराब, बिना पैक की हालत में 320 लीटर अवैध शराब, शराब के पैक किए गए क्वार्टर/बोतलों पर चिपकाने के लिए 12,054 लेबल/स्टिकर, क्वार्टर/बोतलों में शराब पैक करने के लिए एक लोहे की मशीन, 800 खाली बोतलें, बोतलों के 4,700 ढक्कन, अवैध शराब के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली एक प्लास्टिक की पानी की टंकी, अवैध शराब की पैकिंग ले जाने के लिए 90 पेटी बरामद की हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कैग रिपोर्ट पेश न करने पर उपराज्यपाल को ज्ञापन सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार द्वारा कैग की 14 रिपोर्ट्स को विधानसभा के सदन पटल पर रखने में जानबूझकर देर किए जाने के मामले में दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। उपराज्यपाल को दिए ज्ञापन में विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली विधान सभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट्स को प्रस्तुत करने में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा की जा रही अनुचित देरी को लेकर अपनी कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने विपक्ष की लगातार मांग पर अभी तक इन रिपोर्ट्स को सदन पटल पर रखने के लिए विधानसभा का विशेष सत्र नहीं बुलाया है। गुप्ता ने उपराज्यपाल से अनुरोध किया है कि वे इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष को आवश्यक निर्देश दें ताकि इन रिपोर्ट्स को सदन में रखा जा सके। गुप्ता ने ज्ञापन में कहा है कि भाजपा विधायकों द्वारा दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और उपराज्यपाल के सम्मुख विभिन्न स्तरों पर लगातार और उचित अनुरोध किए जाने के बावजूद सरकार इन रिपोर्ट्स को सदन पटल पर प्रस्तुत नहीं कर रही है।

सर गंगा राम अस्पताल में युवक की हुई जीवन रक्षक सर्जरी

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। मानसिक स्वास्थ्य और सर्जिकल आपात स्थितियों के मिलेजुले पहलू को उजागर करते हुए, सर गंगा राम अस्पताल के डॉक्टरों ने एक 20 वर्षीय युवक का सफल इलाज किया, जिसने अपने पिता से झगड़े के बाद गुस्से में आकर एक शेविंग रेजर निगल लिया था। यह युवक अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से ग्रस्त था और उसने रेजर को दो हिस्सों में निगला था-ब्लेड होल्डर और हैंडल-जो उसकी जान के लिए खतरे का कारण बन गया। उसके पिता भी मानसिक बीमारी से पीड़ित हैं, जिससे परिवार की चुनौतियाँ और बढ़ गईं।स्कैन से पता चला कि ब्लेड होल्डर उसके पेट में फंसा हुआ था जबकि हैंडल बड़ी आंत में चला गया था। डॉक्टरों की एक टीम, जिसका नेतृत्व डॉ. तरुण मित्तल ने किया और जिसमें डॉ. अनमोल आहुजा, डॉ. श्रेष्ठ मंगलिक, डॉ. राकेश एस, डॉ. कार्तिक कृष्णा और डॉ. तनुश्री नहाता शामिल

थे, जिन्होंने दो-चरणों वाली सर्जरी की। पहले, लैपरोटोमी की गई और पेट को खोलकर ब्लेड को निकाला गया। फिर, बहुत सावधानी से उस हैंडल को, जो कोलन में पाया गया था, बाहर की ओर धकेला गया। सिग्मोइन्डोस्कोपी का उपयोग करके, हैंडल को निकाला गया। यह सटीक योजना और टीमवर्क का सामूहिक प्रयास था। यह एक विशेष मामला था, न केवल विदेशी शरीर की प्रकृति के कारण, बल्कि मानसिक पहलुओं के कारण भी। ऐसे मामलों का समाधान केवल अच्छे चिकित्सा उपचार से नहीं होता, बल्कि मरीज के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता की भी आवश्यकता होती है, ह्न डॉ. मित्तल ने कहा। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लिए शीघ्र सहायता प्राप्त करने और मानसिक बीमारी को लेकर समाज में व्याप्त कलंक को समाप्त करने के महत्व को भी रेखांकित किया। कई लोग डर या शर्म के कारण इलाज लेने में हिचकिचाते हैं, जिससे खतरनाक स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, डॉ. मित्तल ने कहा। युवक के क्रियाएँ गुस्से और भावनात्मक तनाव से उत्पन्न हुईं, जो मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और समर्थन की आवश्यकता को उजागर करता है। सर्जरी के बाद, युवक शारीरिक रूप से अच्छी तरह से ठीक हो गया। अब उसे उसके अवसाद और आत्महत्या के विचारों को संबोधित करने के लिए काउंसलिंग के लिए भेजा जा रहा है। उसका परिवार भी उसके पिता की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति के लिए समर्थन प्राप्त करने की योजना बना रहा है।रोगी के परिवार ने उसकी जान बचाने के लिए चिकित्सा टीम का आभार व्यक्त किया। हम डॉक्टरों का दिल से धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने तत्परता और देखभाल से उसका इलाज किया, उसकी माँ ने कहा। सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने कहा, मैं इस नाजुक सर्जरी के लिए सर्जिकल टीम की सराहना करता हूं। सर गंगा राम अस्पताल में हम समग्र दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध हैं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं हमारे लिए भी चिंता का विषय हैं, ऐसे व्यक्तियों की देखभाल के लिए विशेष प्रयास किए जाते हैं।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू करने के बारे में हाई कोर्ट के आदेशों का भाजपा ने किया स्वागत

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन यानि पीएम-अभीम योजना के अंतर्गत दिल्ली में मिलने वाले अस्पतालों, लैब्स और अन्य सुविधाएं मिलने का रास्ता खुल गया है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस बात के लिए आभार व्यक्त करते हैं कि दिल्ली में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने इस योजना के अंतर्गत 2406 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की थी। हालांकि, अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की सरकार की ओछी राजनीति के कारण दिल्ली को इस राशि का लाभ नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के दबाव में दिल्ली सरकार ने इस पर हस्ताक्षर किया।

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और बांसुरी स्वराज ने आज कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने आयुष्मान योजना के बारे में दिल्ली सरकार को साफ हिदायत दी है कि 5 जनवरी 2025 तक दिल्ली और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के बीच एमओयू साइन हो जाना चाहिए। चाहे आचार संहिता ही लागू क्यों ना हो। सांसद द्वय यहां प्रदेश पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन यानि पीएम-अभीम योजना के अंतर्गत दिल्ली में मिलने वाले अस्पतालों, लैब्स और अन्य सुविधाएं मिलने का रास्ता खुल गया है। हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस बात के लिए आभार व्यक्त करते हैं कि दिल्ली में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने इस योजना के अंतर्गत 2406 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की थी। हालांकि, अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी की सरकार की ओछी राजनीति के कारण दिल्ली को इस राशि का लाभ नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट के दबाव में दिल्ली सरकार ने इस पर हस्ताक्षर किया। बिधूड़ी ने आशा व्यक्त की है कि जिस तरह अब दिल्ली को पीएम-अभीम योजना के अंतर्गत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिलना संभव हो गया है, उसी तरह दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना भी शीघ्र लागू होगी। दिल्ली के लोग भी देश के बाकी राज्यों की तरह 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करा सकेंगे।

बांसुरी स्वराज ने कहा कि आयुष्मान भारत केन्द्र सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसके दो पहलू हैं, एक है झ्र आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जिसके तहत पांच लाख रुपये का मुफ्त इलाज परिवार को मिलता है। 29 अक्टूबर से हर 70 साल से बड़े बुजुर्गों को मुफ्त इलाज देने की बात कही गई है लेकिन दिल्ली में केजरीवाल ने यह लागू नहीं की है। बांसुरी स्वराज ने कहा कि आयुष्मान योजना का दूसरा पहलू है पीएम - अभीम योजना यानि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन, जिसकी घोषणा फरवरी 2021 में की गई थी और अक्टूबर 2021 में लांच की गई थी। इस योजना के तहत पैसा आवंटित किया जा रहा है ताकि हेल्थ स्ट्रक्चर में अपग्रेडेशन हो सके। दिल्ली के लिए 2406.77 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वयं संज्ञान लेते हुए 24 दिसम्बर को एक आदेश जारी किया था, जिसमें साफ लिखा हुआ है कि जब 33 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों ने एम. ओ.यू. साइन कर दिया है तो दिल्ली सरकार को क्या दिक्कत है और इसके लिए पांच जनवरी 2025 का समय निर्धारित किया गया है।सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी एवं बाँसुरी स्वराज ने दावा किया कि दिल्ली में शीघ्र भाजपा सरकार बनेगी, जो दिल्ली वालों को केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ देगी।

नुक्कड़ नाटक के जरिए ड्रग्स फ्री पश्चिमी दिल्ली का अभियान

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। नशे की लत कितनी बुरी है, किसी को लग जाए तो वह पैसे से और शरीर से कितना खराब हो जाता है। इन सब बातों के दुष्परिणाम को लेकर लोगों को जागरूक करने, उन्हें नशे से दूर रहने के लिए और अलर्ट करने में दिल्ली पुलिस की टीम लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में पश्चिमी जिला पुलिस ने भी ड्रग्स फ्री पश्चिमी दिल्ली अभियान शुरू किया। इसके तहत नुक्कड़ नाटक का सहारा लेकर लोगों को अलर्ट करना शुरू किया है।

पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि एक हजार से ज्यादा लोगों को शामिल करके जागरूक किया जा चुका है। अलग-अलग इलाकों में कम्युनिटी सेल की पुलिस टीम नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को जागरुक कर रही है। इसमें युवा और बुजुर्ग लोग भी शामिल हैं। इस अभियान को कारगर बनाने के लिए जिला की एडिशनल डीसीपी सृष्टि पांडे की देखरेख में पुलिस टीम लगातार काम कर रही है। नुक्कड़ नाटक के लिए अस्मिता थिएटर ग्रुप को पुलिस ने अपने साथ मिलाया है।

इस अभियान के तहत जनकपुरी के डिस्टिक सेंटर, विकासपुरी के रिलायंस मॉल, तिलक नगर, केशवपुर सब्जी मंडी, ख्याला के टंकी वाले झुग्गी एरिया में ड्रग्स के आदी लोगों को लेकर नुक्कड़ नाटक के जरिए अभियान चलाया। पुलिस का मानना है, कि इस तरह के अभियान से लोगों में ड्रग्स को लेकर जागरुकता आएगी कि इसकी लत कितनी बुरी है। इसका अंजाम कितना खतरनाक है। पुलिस का कहना है कि लगातार जगह को चिह्नित करके वहां पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जाता है।

अवैध शराब बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश, दो नाबालिग समेत पांच पकड़े

410 लीटर अवैध शराब, 800 खाली बोतलें, बोतलों के 4700 ढक्कन, पैकेजिंग मशीन, अल्कोहलमीटर, 12054 स्टिकर व पांच बोतल रसायन बरामद

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली, 27 दिसंबर (वेब वार्ता)। उत्तर पूर्वी जिला एएटीएस टीम ने मंगलवार को अवैध शराब बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। आरोपी भजनपुरा इलाके में फैक्टरी लगाकर अवैध शराब बनाने, पैकेजिंग करने से लेकर बाजार में उसे पहुंचाने तक का सारा काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राकेश पावरिया ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार कार्रवाई करते हुए दो नाबालिगों समेत पांच लोगों को पकड़ा है। पकड़े गये बालिग आरोपियों की पहचान 22 वर्षीय रोहित, 20 वर्षीय आशीष, 19 वर्षीय राम के रूप में हुई है। मौके से पुलिस ने 90 लीटर पैक शराब, 320 लीटर बनाकर रखी खुली शराब, बोतलों पर लगाने के लिए रखे 12, 054 लेबल व स्टीकर, एक लोहे की पैकिंग मशीन, 800 खाली बोतलें, बोतलों के 4700 ढक्कन, शराब बनाने में इस्तेमाल पांच बोतल रसायन, एल्कोहलमीटर समेत एक प्लास्टिक बीकर, शराब बनाने में इस्तेमाल पानी की टंकी और पैकिजिंग के लिए रखे 90 कार्टून बरामद किया है। पुलिस ने पकड़ा गया सारा सामान जब्त कर लिया है और पकड़े गये आरोपियों से उनके गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गत 23 दिसंबर की रात एएटीएस टीम को अवैध शराब की फैक्टरी के बारे में गुप्त सूचना मिली। पता चला कि गली संख्या 14, गामड़ी रोड, भजनपुरा में कुछ लोग अवैध शराब की फैक्टरी चला रहे हैं। फैक्टरी में शराब बनाने से लेकर उसकी पैकेजिंग और फिर उसे बाजार में पहुंचाने तक का सारा काम होता है। सूचना के बाद पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से फैक्टरी में छापा मारा और मौके दो नाबालिगों समेत पांच लोगों को दबोच लिया। पुलिस को फैक्टरी की जांच करने पर उक्त सारा सामान बरामद हुआ जिसे जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच झमाझम बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में सर्दी ने लोगों को कंपकंपाने पर मजबूर कर दिया है। लगातार गिरता पारा और बारिश की वजह से सुबह शाम ठिठुरन बढ़ गई है। वहीं, आज सुबह से हो रही बारिश ने सर्दी में और अधिक इजाफा कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में आज सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, मौसम विभाग ने बढ़ती ठंड के बीच लोगों के लिए सतर्क रहने को लेकर चेतावनी जारी है। बारिश के बाद लोगों को घने कोहरे और तापमान में गिरावट का सामना करना पड़ेगा। आने वाले दिनों में तापमान भी नीचे जा सकता है।

राष्ट्रीय राजधानी के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में वेधशाला ने सुबह 2:30 बजे से 5:30 बजे के बीच 1 ।8 मिमी बारिश दर्ज की, और उसके बाद सुबह 8:30 बजे तक 7 ।3 मिमी बारिश दर्ज की। पालम मौसम केंद्र ने 11 ।3 मिमी बारिश दर्ज की, इसके बाद लोधी रोड में 6 ।8 मिमी और पूसा में 5 ।5 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने का अनुमान लगाया है। आईएमडी के अनुसार राजधानी दिल्ली में कल बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान एक डिग्री सेल्सियस अधिक 8 ।2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 24 ।1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूसा में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम दर्ज किया गया। यहां न्यूनतम तापमान 7 ।1 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम पूवार्नुमान विभाग के अनुसार राजधानी दिल्ली में आज शुक्रवार की सुबह मध्यम कोहरा रह सकता है। घने बादल दिन भर छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश होगी। बारिश के साथ आंधी और बिजली कड़कड़ने की संभावना है। हवाओं की गति आंधी के दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। अधिकतम तापमान 20 और न्यूनतम 11 डिग्री तक रह सकता है।

पूवार्नुमान के अनुसार 27 और 28 दिसंबर को भी बारिश का अलर्ट है। हल्की से मध्यम बारिश होगी। कई जगहों पर मध्यम कोहरा रह सकता है। इसके बाद 29 दिसंबर को घना कोहरे की संभावना जताई गई है। हालांकि मौसम विभाग के डाटा पर नजर डालें तो 31 दिसंबर यानि साल के आखिरी दिन न्यूनतम तापमान तापमान 6 डिग्री तक नीचे जा सकता है। जबकि अधिकतम तापमान 22 डिग्री रहने का अनुमान है। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी के अनुसार राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह 7:30 बजे तक पहुंचने वाले गुणवत्ता सूचकांक 371 का बना हुआ है।

भाजपा बोली-हमारा संघर्ष रंग लाया, बिजली बिलों में पीपीएसी में मिलेगा 50 प्रतिशत से अधिक की कटौती का लाभ

प्रात: किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आज एक पत्रकार सम्मेलन में दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) के एक आदेश की प्रति जारी करते हुए दावा किया कि दिल्ली भाजपा का अप्रैल से चला आ रहा संघर्ष रंग लाया है। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार एवं प्राइवेट बिजली कम्पनियों की साठगांठ से बिजली बिलों में मनमाने तरीके से लगते आ रहे पावर परचेज अडजस्टमेंट चार्ज (पीपीएसी) में 50% से अधिक की कटौती की घोषणा दिल्ली के ऊर्जा सचिव ने की है।वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि हमने मई के लोकसभा चुनाव से पूर्व ही दिल्ली वालों पर डाले जा रहे इस अनैतिक आर्थिक बोझ का मुद्दा उठाया था और चुनाव के बाद से संगठन एवं नवनिर्वाचित सांसद इस मुद्दे पर सक्रियता से काम कर रहे थे। भाजपा ने जुलाई में इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया और इसको लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को ज्ञापन भी दिया।

सचदेवा ने कहा कि दिसम्बर के प्रारम्भ में लघु भारती का एक प्रतिनिधिमंडल भाजपा नेताओं से मिला और उसके बाद हमने फिर उपराज्यपाल के समक्ष निजी बिजली कम्पनी बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड आदि द्वारा पीपीएसी और बढ़ाने की मांग का विरोध किया। भाजपा के दबाव के बाद आयोग को मामले का पारदर्शी विश्लेषण करना पड़ा, जिसके चलते संवैधनिक संस्था ने बीपीवाईएल की पीपीएसी और बढ़ाने की मांग को ना सिर्फ खारिज किया बल्कि घटाया भी। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता एवं दिल्ली मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. अनिल गुप्ता के नेतृत्व में कल 32 औद्योगिक क्षेत्रों का एक प्रतिनिधिमंडल फिर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मिला, जहां उपराज्यपाल की उपस्थिति में दिल्ली के उर्जा सचिव ने अलग अलग कम्पनियों के बिजली बिलों में लगने वाले पीपीएसी में 50 से 60% तक की कटौती की घोषणा की।

बिना लाइसेंस के दवा बना रहे गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। ब्रांच ने बिना लाइसेंस के फर्जी नाम से प्रतिबंधित दवाएं बनाने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से बुधवार को करीब एक करोड़ रुपये की कीमत के अल्प्राजोलम के टैबलेट, कोडीन एवं ट्राइपोलिडिन क्लोराइड सीरप बरामद किया है।

स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में अवैध रूप से दवाएं बनाई जाती हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने बुधवार को परिसर में छापा मारा। पुलिस को अल्प्राजोलम के 1.8 लाख टैबलेट, कोडीन एवं ट्राइपोलिडिन क्लोराइड के नौ हजार सीरप बरामद किया गया। मामले में पुलिस ने सादिक, सलमान और गुलजार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह के पास निर्माण के लिए जरूरी लाइसेंस भी नहीं था। उन्होंने किराए पर जगह लेकर यह काम शुरू किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरोह का सरगना सादिक है। उसने जयपुर के एक इंस्टीट्यूट से बी फार्मा की पढ़ाई की है।

वार्ड ब्वॉय ने अस्पताल की पांचवीं मंजिल से कूदकर जान दी

नई दिल्ली। तिगड़ी थाना इलाके में स्थित जामिया हमदर्द अस्पताल की पांचवीं मंजिल से कूदकर शुक्रवार तड़के वार्ड ब्वॉय ने अपनी जान दे दी। वह अस्पताल के स्टाफ क्वार्टर में अकेले रहता था। पुलिस ने उसके परिजनों को मौत की सूचना दी है। वारदात स्थल से पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि शुक्रवार तड़के करीब 1.21 बजे तिगड़ी पुलिस को जमिया हमदर्द अस्पताल से मामले की सूचना मिली। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर जांच की तो वहां स्टाफ क्वार्टर, जामिया हमदर्द परिसर में रहने वाले 54 वर्षीय मुस्ताक अली मृत मिले। उनके परिवार के अन्य सदस्य उड़ीसा में रहते हैं। पूछताछ करने पर पता चला कि मुस्ताक अली को 23 दिसंबर को अस्पताल के ऑर्थोपेडिक वार्ड में पैर टूटने की वजह से भर्ती कराया गया था।

घोषणा जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति का महत्वपूर्ण फैसला, नए सदस्यता अभियान की घोषणा, एक लाख स्थानीय इकाइयां बनाने का लक्ष्य

मस्जिदों, पूजास्थल और वक्फ की सुरक्षा के लिए हर प्रकार से संघर्ष करने की घोषणा

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण सभा नई दिल्ली में आईटीओ स्थित जमीअत मुख्यालय के मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें देश की वर्तमान सांप्रदायिक स्थिति संभल सहित देश के विभिन्न हिस्सों में मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाईयों और पूजास्थल अधिनियम और वक्फ संशोधन विधेयक जैसे ज्वलंत मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई और महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके साथ ही नए कार्यकाल के लिए जमीअत उलमा-ए-हिंद के नए सदस्य बनाने की भी घोषणा की गई। सभा में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नोमानी समेत देशभर से जमीअत उलमा-ए-हिंद कार्यकारिणी समिति के सदस्यों और विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और देश में अलग-अलग क्षेत्रों में होने वाली घटनाओं और समस्याओं पर प्रकाश डाला और रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय भाषण में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि देश की मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है। नफरत के बढ़ते हुए माहौल ने न सिर्फ कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा किया है, बल्कि सामाजिक सौहार्द को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा, मीडिया द्वारा लगाए जा रहे आरोपों ने आग में घी डालने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें व्यवस्थित तरीके से काम करना होगा ताकि न केवल इन खतरों का सामना किया जा सके बल्कि अपने बुनियादी

संवैधानिक अधिकारों की भी प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सके। मौलाना मदनी ने कहा कि हम हमेशा से इस बात के पक्षधर रहे हैं कि सांप्रदायिकता का जवाब साम्प्रदायिकता से नहीं दिया जा सकता है। लेकिन, समाज में फैलाई जाने वाली गलतफहमियों का उचित और तर्कसंगत जवाब देना भी समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। मौलाना मदनी ने कहा कि मुस्लिम समुदाय को चाहिए कि वह अपने चरित्र और आचरण द्वारा न केवल अपनों के दरमियान एकता पैदा करे बल्कि देशवासियों के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने का प्रयास करे। कार्यकारिणी समिति ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में जमीअत उलमा-ए-हिंद के नए कार्यकाल 2024-27 के लिए सदस्य बनाने और चुनाव की भी घोषणा की। इसलिए यह निर्णय लिया गया कि सर्कुलर जारी होने की तारीख से लेकर 1 अप्रैल 2025 तक सदस्य बनाने की प्रक्रिया चलेगी। 1 अप्रैल से 31 मई 2025 तक स्थानीय और जिला इकाइयों के चुनाव होंगे और 1 जून से 30 जून 2025 तक प्रदेश इकाइयों के चुनाव होंगे। इस विषय पर प्रकाश डालते हुए जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीअत एक संवैधानिक और लोकतांत्रिक संगठन है। तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा होने के बाद नए कार्यकाल के चुनाव से पूर्व पूरे देश में सदस्य बनाने की प्रक्रिया की जाती है और फिर स्थानीय इकाइयों से लेकर प्रदेश स्तर की इकाइयों का चुनाव होता है। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष ने विशेष रूप इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक सदस्यता अभियान होना चाहिए, संख्या बढ़ाने के लिए किसी भी तरह की गलत आचरण या गलत बयान स्वीकार्य नहीं होगा। इसके साथ ही चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरा ध्यान में रखा जाना चाहिए। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद का कार्यकाल पूरा हो चुका है। पिछले कार्यकाल में हमारी 6800 स्थानीय इकाइयां थीं। इस बार पूरे देश में अधिक से अधिक इकाइयां बनाने का लक्ष्य है। कार्यकारिणी समिति की सभा ने जमीअत उलमा-ए-हिंद की गतिविधियों और दायरे के विस्तार के लिए सक्रिय सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। कार्यकारिणी समिति की सभा ने विभिन्न परिस्थितियों की समीक्षा करने के बाद संभल में हुई दुखद घटना और देश के विभिन्न भागों में मस्जिदों और दरगाहों के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाईयों और पूजास्थल अधिनियम और वक्फ संशोधन विधेयक पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा गया कि इस संबंध में सरकार को जल्द से जल्द न्यायालय में कड़ा रुख अपनाना चाहिए ताकि देश में संभल जैसी घटना न हो।

क्या हैं सुशासन के सही मायने : उट नायब सैनी ने अधिकारियों को बताय

प्रात : किरण संवाददाता

सुशासन दिवस के अवसर पर गुरुग्राम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को सुशासन का अर्थ समझाया। उन्होंने कहा कि सुशासन का अर्थ है संवेदनशीलता और पारदर्शिता। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-गवर्नेंस को अपनाते हुए सुशासन का सफर तय किया है। सुशासन के बलबूते ही प्रदेश का हर गांव लाल डोरा मुक्त हो चुका है। जनता के दर्द को समझना ही सुशासन की सफलता : नायब सिंह सैनी। सुशासन दिवस पर गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सभागार में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्यमंत्री सैनी ने भावनात्मक रूप से सुशासन का अर्थ समझाया। जागरण संवाददाता, गुरुग्राम। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस पर राज्य स्तरीय सुशासन दिवस समारोह गुरुग्राम विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भावनात्मक रूप से सुशासन का अर्थ अधिकारियों को बताया। उन्होंने कहा कि जिस भी कुर्सी पर हम बैठे हैं, वह मौका हमें ईश्वर ने दिया है कि हम अंत्योदय के उत्थान की सोचें। हमेशा ध्यान रखना है कि जब भी कोई व्यक्ति दफ्तर में आता है, हमसे मिलता है और अपनी समस्या रखता है तो उसे संवेदनशीलता से समझें। यही है सुशासन का सबसे बड़ा मंत्र। उसका दिया हुआ दरखास्त सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं है, बल्कि उसके दर्द का निचोड़ है। उस कागज के पीछे की कहानी को समझें। उनकी कहानी के पीछे के दर्द को समझना ही सुशासन की सफलता है। इस दिशा में हर दिन प्रयास करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने कई निर्णय लेकर जनता के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है। आज घर बैठे सुविधाओं का लाभ नागरिकों को मिल रहा है, यही सुशासन का सबसे बड़ा मंत्र है। उन्होंने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय व पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि यह दिन हम सभी को प्रेरणा देता है कि हम एक बेहतर और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करें। अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने विचारों, कर्मों और दूरदर्शिता से भारत को नई दिशा और पहचान दी। हमारी सरकार ने ई-गवर्नेंस को अपनाते हुए सुशासन का सफर तय भारत को विकसित और सशक्त बनाने के लिए सशक्त नीतियों की नींव रखी। इससे उस विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, जिसका संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया है। सुशासन के लिए सेवा की नीयत होनी चाहिए और नीतियां भी ऐसी होनी चाहिए कि उनमें भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश न हो। इन्हीं साफ नीयत और सही नीतियों के बलबूते हमारी सरकार सुशासन के इस अभियान में सफलता प्राप्त कर रही है। हमारी सरकार ने ई-गवर्नेंस को अपनाते हुए सुशासन का सफर तय किया है। जमीनों की रजिस्ट्री में गड़बड़ी को रोकने के लिए रजिस्ट्री के समय प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न विभागों, बोर्डों व निगमों आदि के अनापत्ति प्रमाण-पत्र ऑनलाइन जारी करने शुरू किए हैं। जमीनों के रिकॉर्ड में पारदर्शिता लाने के लिए पूरे प्रदेश में वैब-हैलरिस प्रणाली लागू की गई। ई-नीलामी और ई-रवाना स्कीम के माध्यम से खनन ठेकों में पारदर्शिता सुनिश्चित की।

हरियाणा में छात्रों के लिए गुड न्यूज! 15 जनवरी तक बंद रहेंगे सभी स्कूल; नायब सरकार का एलान

प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा में छात्रों के लिए एक अच्छी खबर है। नायब सरकार ने राज्य के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की घोषणा कर दी है। 1 जनवरी से 15 जनवरी तक सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद रहेंगे। इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी गई है। हालांकि बोर्ड कक्षाओं के छात्रों को प्रैक्टिकल के लिए स्कूल बुलाया जा सकता है। हरियाणा में सर्दियों की छुट्टियों का एलान हो चुका है सभी स्कूल 1 से 15 जनवरी तक बंद रहेंगे 10वीं और 12वीं के छात्रों को प्रैक्टिकल के लिए बुलाया जा सकता है डिजिटल डेस्क, पंचकूला। हरियाणा में नायब सरकार ने स्कूलों में छुट्टियों की घोषणा कर है। आगामी 15 जनवरी तक सभी प्राइवेट व सरकारी स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियों का एलान किया गया है। शिक्षा निदेशालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य के सभी स्कूल 1 जनवरी से 15 जनवरी तक बंद रहेंगे। 16 जनवरी, 2025 को सभी विद्यालयों में कक्षाएं शुरू होंगी। प्रदेश सरकार ने हरियाणा के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों में शीतकालीन छुट्टियां घोषित कर दी हैं। ये छुट्टियां आगामी 1 जनवरी से 15 जनवरी, 2025 तक रहेंगी। 16 जनवरी से खुलेंगे स्कूल निदेशालय की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी, मौलिक शिक्षा अधिकारियों और खंड शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिए गए हैं कि राज्य में पहली से 15 जनवरी तक स्कूलों में शीतकालीन अवकाश रहेगा। 16 जनवरी को विद्यालय पुनः खुलेंगे। अपने अधीनस्थ सभी विद्यालयों में आदेश की अनुपालना सुनिश्चित की जाए। हालांकि, विज्ञप्ति के नोट में इस बात को भी निर्देशित किया गया है

गुरु नानक पब्लिक स्कूल राजौरी गार्डन में गुरु गोबिंद सिंघ जी के साहिबजादों और माता गुजरी जी का शहीदी पर्व मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गुरु नानक पब्लिक स्कूल, राजौरी गार्डन के एच.ओ. एस. मैडम सरदानी मनप्रीत कौर जी के नेतृत्व में स्कूल में शहीदी पर्व मनाया गया। सुबह की प्रार्थना सभा की शुरूआत गुरुजी की इलाही वाणी द्वारा की गई । 12वीं कक्षा के छात्र हरमनजोत सिंह और अन्य छात्रों ने मित्र प्यारे नू हाल मुरीदा दा कहनाह्व शबद पढ़कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। 12वीं कक्षा की छात्रा जगमीत कौर ने अपने मधुर आवाज में कविता सुनाई। वाटा लम्बीयाँ ते रस्ता पहाड़ दा तुरे जादे गुरा दे लाल जीह्व इस कविता में उसे माहौल का वर्णन है जब गुरु गोबिंद सिंघ जी अपने परिवार को लेकर आनंदपुर साहिब का किला छोड़कर जाते हैं और सिरसा नदी पर उनका सारा परिवार और बाकी सिंघ भी बिछुड़ जाते हैं। छठी ए कक्षा के छात्र रतन दीप सिंह ने साहिबजादों और माता गुजरी जी की शहीदी से संबंधित एक कविता भी सुनाई। आज सुबह की सभा में सभी ने गुरु गोबिंद सिंघ जी के साहिबजादों व माता गुजरी जी को नमन किया। प्रिंसिपल मैडम और स्कूल की प्रबंधक कमेटी के सहयोग से सभी बच्चों को चार साहिबजादे फिल्म भी दिखाई गई। इस फिल्म के माध्यम से सभी बच्चों को इतिहास की एक दिल दहला देने वाली घटना को दिखाया गया कि किस तरह साहिबजादों को शहीद किया गया था। साहिब जादों ने शहीद होना मंजूर किया पर जबरदस्ती अपने धर्म को परिवर्तित नहीं होने दिया। फिल्म को दिखाने के बाद बच्चों से सिख इतिहास से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई ।बच्चों ने बहुत ही उत्साह और जोश से इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया ।जीतने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार भी दिए गए।उसके बाद सभी को दूध का लंगर भी छकाया गया । छात्रों ने जयकारे लगाकर अपने शहीदी साहिब जादों के प्रति समर्पित भाव प्रदर्शित किया ।

वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन कमल मॉडल स्कूल मोहन गार्डन में किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

10वें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के पुत्रों - साहिबजादा अजीत सिंह , जुझार सिंह , जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान पर आधारित कार्यकम में बहुत बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग सम्मिलित हुए । मोहन गार्डन गुरद्वारे से ग्रंथी जी समेत अन्य गुरुद्वारों से बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु उपस्थित हुए। वंदना इंटर नेशनल स्कूल द्वारका के विद्यार्थीयों ने सिख इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बहुत सुंदर औजपूर्ण कार्यकम प्रस्तुत किया । इस अवसर पर डॉक्टर वेद प्रकाश टंडन जी ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया । दिल्ली शिक्षक यूनिवर्सिटी के कुलपति ने भारत के गौरव शाली इतिहास एवं हमारी सांस्कृतिक विरासत पर अपने विचार व्यक्त किये । समारोह में दिल्ली विश्वविद्यालय से लेकर अन्य विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर भी शामिल हुए ।

डीएम की अध्यक्षता में संपन्न हुई राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा संबंधी बैठक

- ई केवाईसी में लाए सुधार, समय से हो खाद्यान्न का उठान
- डीएम ने दिए बैठक में अनुपस्थित रहे बाट माप अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए गोदामों से खाद्यान्न का उठान समय से कराने के लिए कहा। उन्होंने ई केवाईसी में जनपद की प्रदेश में 45वीं रैंक होने पर उसमें सुधार लाने के लिए कहा। उन्होंने रोस्टर अनुसार खाद्यान्न का वितरण कराने के लिए भी कहा। जिलाधिकारी ने बैठक में अनुपस्थित रहे बाट माप अधिकारी से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाट माप अधिकारी खाद्यान्न कांटों तथा गन्ना क्रय केंद्रों में लगाए गए कांटों का प्रमाणीकरण करें। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में होने वाली तहसील स्तर पर विपणन अधिकारी व अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ तथा ब्लॉक स्तरीय सतर्कता समिति की बैठकों के लिए सभी तहसीलों का रोस्टर बनाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी ठेकेदार शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें। ठीक प्रकार से कार्य ना करने वाले ठेकेदारों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानक अनुसार ही खाद्यान्न का वितरण कराया जाए तथा गोदामों से समय से खाद्यान्न का उठान सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि खाद्यान्न के उठान वाले वाहनों को तिरपाल से ढका जाए तथा किसी भी स्थिति में खराब खाद्यान्न का वितरण कार्ड धारकों को ना किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी शासन के मंशा के अनुरूप कार्य करें तथा मुख्य प्रदर्शन घटक (केपीआई) को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहित अन्य अधिकारी व ठेकेदार आदि मौजूद रहे।

ऐसा अर्थशास्त्री ना हुआ ना होगा : पम्मा

नई दिल्ली डॉ मनमोहन सिंह वित्त मंत्री रहे हो चाहे प्रधानमंत्री जब भी कोई समस्या होती थी तो हम उनको जाकर बताते थे। बड़े ही ध्यान से सुनते थे और जब भी उनसे मुलाकात होती थी तो ऐसा नहीं लगता था कि हम किसी प्रधानमंत्री से मिल रहे हैं। वह इतने प्यार और सरल से मिलते थे। आज हमने ऐसा नेता को दिया है जिसकी कमी पूरी करना बहुत ही मुश्किल है। ऐसा अर्थशास्त्री ना हुआ ना होगा विनम्र श्रद्धांजलि

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

कार्य न करने वाले सीएचओ को हटाए

- समय से कराए टीकाकरण, प्रगति में लाए सुधार
- रात्रि में सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करें एसीएमओ
- अनुपस्थित 42 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर करें कार्यवाही, जनवरी में कराए आशा सम्मेलन

प्रात : किरण संवाददाता

बदायूँ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रगति में सुधार लाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि टीकाकरण को समय से कराया जाए। उन्होंने ठीक प्रकार से कार्य न करने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को हटाने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने बैठक में डॉक्यूमेंटेशन को समय से करने तथा निरीक्षण को बढ़ाने के लिए कहा वहीं उन्होंने अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारियों व अन्य वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों को रात में सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने कहा कि अनटाइड फंड का समय से व सही प्रकार से सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनवरी 2025 में आशाओं का सम्मेलन कराने के लिए कहा वहीं विलेज हेल्थ न्यूट्रिशन डे (वीएचएनडी) पर अनुपस्थित रही 42 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि सैम (सीवर एक्यूट मलनूट्रिशन) बच्चों को निर्धारित दवा अवश्य दी जाए। उन्होंने जिला टास्क फोर्स की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पेटा, एमआर व अन्य टीकाकरण को समय से करने के लिए कहा तथा टीकाकरण में अपेक्षित सुधार व वृद्धि करने के लिए कहा। मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार ने कहा कि जैम पोर्टल पर निविदा देने के लिए 26 नवंबर का नया शासनादेश आया है। उसी के अनुरूप सभी विभाग कार्य करें। उन्होंने कार्यों में परस्पर समन्वय से अपेक्षित सुधार करने के लिए भी कहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रामेश्वर मिश्रा ने बताया कि आभा कार्यों में जनपद मंडल में द्वितीय स्थान पर है तथा संस्थागत सरकारी प्रसवों में मंडल में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि अभी तक 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 5670 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में परिवार नियोजन कार्यक्रम, विलेज हेल्थ न्यूट्रिशन डे, टीबी अभियान, आरसीएच पोर्टल, ई संजीवनी आदि विभिन्न कार्यक्रमों व बिंदुओं पर चर्चा की गई व आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला पुरुष अस्पताल डॉ कप्तान सिंह सहित अन्य अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी,उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के एमओआईसी, अन्य चिकित्सा अधिकारी व विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद में गैंगस्टर हरेंद्र खड़खड़ी गिरफ्तार, दंपती आत्महत्या मामले में चल रहा था फरार

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद, । साहिबाबाद के शालीमार गार्डन के एक्सटेंशन-2 निवासी दंपती पंकज गुप्ता व रीना गुप्ता की आत्महत्या के मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी हिस्ट्रीशीटर व गैंगस्टर के आरोपी हरेंद्र खड़खड़ी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हिस्ट्रीशीटर ने महीनों पहले दंपती और उनके व्यापारिक साझेदारों से अलग होने की बात कही है। साथ ही साझेदारों के कहने पर दंपती पर बार-बार रुपये देने का दबाव बनाने की बात स्वीकार की है। पुलिस की पूछताछ जारी है। 17 दिसंबर की रात कारोबारी पंकज गुप्ता ने पत्नी रीना गुप्ता के साथ आत्महत्या कर ली थी। दोनों के शव घर में फंदे पर लटके मिले थे। जीवनलीला समाप्त करने से पहले दंपती ने सुसाइड नोट लिखे थे। सुसाइड नोट में दंपती ने मकान मालिक समेत नौ लोगों पर कर्ज के रुपये मांगने के लिए अनावश्यक दबाव बनाने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने सभी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया। घटना के अगले ही दिन दो नामजद आरोपी धैर्य नेगी और श्याम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। तीसरे आरोपी हिस्ट्रीशीटर हरेंद्र खड़खड़ी को भी गिरफ्तार कर लिया। एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल ने बताया कि आरोपी से जब पूछताछ की गई तो उसने धैर्य नेगी के कहने पर पंकज गुप्ता और रीना गुप्ता को बार-बार फोन करके रुपयों की मांग की और दबाव बनाया था। यहां तक कि आरोपी ने दंपती को डराने व धमकाने की बात भी स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि हरेंद्र खड़खड़ी के खिलाफ लोनी थाने में रंगदारी, हत्या, धमकी और गैंगस्टर एक्ट के आठ मामले दर्ज हैं। कविनगर थाने में हत्या के प्रयास का एक और गौतमबुद्धनगर थाने में भी हत्या का मुकदमा दर्ज है।

प्रशिक्षण समापन के अवसर पर प्रसार कार्यक्रम अधिकारी ने प्रतिभागियों को प्रमाण - पत्र भेंट किए

प्रात : किरण संवाददाता

आसफपुर - उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत चलाया जा रहा तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण बीते शुक्रवार को देर शाम संपन्न हुआ । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक राधेश्याम पाल व ममता ने समूह सखियों को खाद्य स्वास्थ्य पोषण संबंधी विस्तृत जानकारी दी । इसमें संभल जिले के विकास खंड बहजोई क्षेत्र की सोनिया , अनुष्का शर्मा , नसरीन , पूजा , ममता , पूनम , प्रिया शर्मा , रजनी शर्मा राजेश कुमारी , उर्मिला , मीनू व रेनू सहित लगभग 30 महिला समूह सखियों ने प्रतिभाग लिया । कार्यक्रम समापन के अवसर पर संस्थान के प्रसार कार्यक्रम अधिकारी संदीप कुमार अवस्थी व मुख्य प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों को एक एक प्रमाण पत्र व सामूहिक छायांकन प्रति भेंट कर सम्मानित किया । इस दौरान संस्थान के प्रसार कार्यक्रम अधिकारी संदीप कुमार अवस्थी , मुख्य प्रशिक्षक राधेश्याम पाल व सहायक प्रशिक्षिका ममता , प्रेमसागर यादव , अमित कुमार , आकाश कुमार , रामगोपाल कश्यप , बीरेंद्र कुमार कश्यप , नरदेव सिंह , राजेंद्र यादव , रामबहादुर , बनाब अली आदि मौजूद रहे । यह कार्यक्रम संस्थान के प्राचार्य अनुज कुमार श्रीवास्तव व प्रसार कार्यक्रम अधिकारी संदीप कुमार अवस्थी के निर्देशन में चलाया गया । यह जानकारी संस्थान के प्राचार्य अनुज कुमार श्रीवास्तव ने दी । यहां गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत समूह सखियों का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 दिसंबर 2024 से शुरू किया गया और कुल 9 बैचों में संपन्न कराया गया ।

छात्र के साथ मारपीट कर बदमाशों ने यूपीआई खाते से निकाली एक लाख की रकम

नोएडा, । ग्रेटर नोएडा के थाना नॉलेज पार्क में एक छात्र ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी ग्राइंडर डेटिंग एप के द्वारा एक लड़के से मुलाकात हुई। वह उसे कॉलेज के गेट पर लेने आया। उसे अपनी कार में बैठाकर वह एलजी गोल चक्कर की तरफ ले गया। पीड़ित के अनुसार उक्त युवक ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की तथा उसका यूपीआई नंबर लेकर उसके खाते से एक लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिया। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि एक युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह जीएल बजाज कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। पीड़ित के अनुसार वह समलैंगिक है। 7 दिसंबर वर्ष 2024 को उसने ग्राइंडर डेटिंग एप के द्वारा एक व्यक्ति से बातचीत की। वह उसी की उम्र का है। बातचीत में तय हुआ कि दोनों मिलेंगे। आरोपी उसे लेने के लिए कॉलेज के गेट नंबर-3 पर आया। वह उसे अपनी कार में बैठाकर ले गया। पीड़ित के अनुसार थोड़ी देर बाद तीन लोग और उसे मिले। सभी लोग उसे पुस्ता रोड के जंगल में ले गए, तथा रेलवे ट्रैक के पास ले जाकर उसके साथ मारपीट करने लगे। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उससे उसका यूपीआई पिन पूछ कर उसके खाते से जबरदस्ती धोखाधड़ी करते हुए एक लाख रुपए अलग-अलग खाते में ट्रांसफर करवा लिया। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसका फोन भी रिसेट कर दिया, तथा कहा कि यदि तुमने किसी से शिकायत की तो तुम्हारी हत्या कर देंगे। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

29 को कविनगर रामलीला मैदान में होगा श्रीश्याम महाकुंभ का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद, । श्याम परिवार मस्त मंडल द्वारा 29 दिसंबर को कविनगर रामलीला मैदान में श्री श्याम महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। प्रेसवार्ता में संस्था के संस्थापक शरद जैन ने बताया कि मंडल द्वारा 17 वर्ष से इसका आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है। सुबह साढ़े 12 बजे से समारोह का शुभारंभ होगा। भजन गायक संजय मित्तल, शुभम-रूपम, उमा लहरी, बंटू, नितिन मित्तल, श्रीकांत द्वारा बाबा के भजनों का संकीर्तन किया जाएगा। संस्थापक सुशील गुप्ता ने बताया कि बाबा श्याम का श्रृंगार मुख्य आर्कषण होगा तो वहीं श्रीकृष्ण क्षरा समुद्र से द्वारकाधीश को निकलते हुए दशार्या जाएगा। कोलकाता के 40 कलाकारों द्वारा 15 दिन से बाबा के लिए भवन का निर्माण किया जा रहा है। देशी-विदेशी फूलों से बाबा का श्रृंगार होगा। बाबा को 56 भोग का प्रसाद अर्पण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रूप के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कुमार कश्यप, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, भाजपा नेता संजीव गुप्ता, आदि नारायण शामिल होंगे। प्रेसवार्ता में दीप गुप्ता, अजय गुप्ता, मनोज गुप्ता, विकास पोद्दार, पुनीत, पराग पोदर, गौरव जैन, अनुराग गोयल, सचिन मित्तल, विनोद सिंघल, कपिल गुप्ता, विजय वाधवा, सचिन गोयल, सर्वेश सिंघल, अंकित गोयल, अरविंद बिंदल, सौरभ जायसवाल आदि मौजूद रहे।

हरियाणा में बदला मौसम का मिजाज, बूंदाबांदी शुरू; 16 जिलों में बारिश और ओले पड़ने को लेकर अलर्ट जारी

प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा में शुक्रवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। प्रदेश के 16 जिलों में बारिश के साथ ओलावृष्टि और तेज हवाओं का अनुमान है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं कई जिलों में बूंदाबांदी शुरू हो गई है। पिछले दिनों हुई हल्की बारिश से ठंड बढ़ गई थी। बालसमंद क्षेत्र सबसे ठंडा रहा। बारिश से फसलों को फायदा होगा। हरियाणा के 16 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी हुआ है। हरियाणा में बदला मौसम रात 12 बजे के बाद से बूंदाबांदी 16 जिलों में तेज बारिश को लेकर अलर्ट जारी जागरण संवाददाता, हिसार। प्रदेश में शुक्रवार से हवा बदल जाएंगी। इससे पूरे प्रदेश में वर्षा की संभावना हैं। प्रदेश के 16 जिलों में वर्षा के साथ ओलावृष्टि और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसको लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है। बालसमंद में 3.9 डिग्री पहुंचा तापमान वहीं, देर रात कई जिलों में बूंदाबांदी शुरू हो गई थी। पिछले दिनों 23 दिसंबर को भी प्रदेश में हल्की बूंदाबांदी हुई थी, जिससे दिन और रात के तापमान में अंतर कम होने से ठंड बढ़ गई थी। वहीं, वीरवार को हिसार का बालसमंद क्षेत्र 3.9 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। यह श्रीनगर में दूसरे दिन भी -7 डिग्री तक गिरा पारा; दो दिनों तक बारिश और बर्फबारी की संभावना

गन्ने की बुग्गी न तौलने पर किसान ने गोली चलाई

मोदीनगर, । मोदी शुगर मिल परिसर में गुरुवार रात ग्यारह बजे गन्नों से भरी बुग्गी तौलने से मना करने पर किसान ने तोल लिपिक पर फायरिंग कर दी। लिपिक ने ट्रक के पीछे छिपकर जान बचाई। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। गोविंदपुरी स्थित वैशाली कॉलोनी निवासी प्रविंद्र कुमार मोदी शुगर मिल में तौल लिपिक हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार रात को करीब 10:45 बजे मिल में कांटा नंबर छह पर तैनात था। शिफ्ट बदलने के चलते 20 मिनट तक तौल बंद हो गई। इसको लेकर मिल में गन्ना लेकर आए किसानों और शिफ्ट इंचार्ज के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि तीन से चार किसानों ने तौल केंद्र के अंदर आकर मारपीट कर दी और फोन कर साथी बुला लिए। रात ग्यारह बजे के आसपास एक किसान ने लिपिक पर फायर कर दिया। घटना के बाद लिपिकों ने तौल बंद कर हंगामा करते हुए सुरक्षा की मांग की। एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही। जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मिल के महाप्रबंधक पीआर डीडी कौशिक का कहना है कि इस तरह की हरकत किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं की जाएगी।

सख्ती से निपटो, जीवन दांव पर है , डल्लेवाल की सेहत को लेकर बढ़ी सुप्रीम कोर्ट की चिंता; सरकार को दिए ये आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई है। डल्लेवाल किसानों के लिए एमएसपी सहित 13 मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। कोर्ट ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने का निर्देश दिया है। सरकार को 28 दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता डल्लेवाल की सेहत को लेकर आज सुनवाई की (जागरण फोटो) डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता दे पंजाब सरकारः सुप्रीम कोर्ट किसान नेता की स्थिति पर जताई चिंता, कहा- मामले को गंभीरता से ले सरकार कोर्ट ने कहा- आज दाखिल करें अनुपालन रिपोर्ट, सीएस व डीजीपी वर्चुअली जुड़े पीटीआई, चंडीगढ़। न्यूनतम समर्थन मूल्य सहित 13 मांगों पर अड़े किसानों के लिए अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चिंता व्यक्त की और पंजाब सरकार को उन्हें चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। जस्टिस सूर्यकांत एवं जस्टिस सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ ने डल्लेवाल को चिकित्सा सहायता देने के आदेश का अनुपालन नहीं करने के लिए पंजाब के मुख्य सचिव (सीएस) एवं पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के विरुद्ध दायर अवमानना याचिका पर पंजाब सरकार को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा कि अगर वहां कानून-व्यवस्था की समस्या है तो आपको सख्ती से निपटना होगा। किसी का जीवन दांव पर है। आपको इसे गंभीरता से लेना होगा। चिकित्सा सहायता देनी होगी और धारणा यह है कि आप आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। 28 दिसंबर तक रिपोर्ट दाखिल करने के दिए निर्देश शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार को 28 दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया, तभी पीठ मामले पर दोबारा सुनवाई करेगी और इस दौरान पंजाब के सीएस एवं डीजीपी को वर्चुअली उपस्थित रहने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिं ने कहा कि डल्लेवाल को अस्पताल शिफ्ट करने के वास्ते समझाने के लिए डीजीपी के साथ आठ कैबिनेट मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदर्शनस्थल पर गया था, लेकिन किसानों ने इसका विरोध किया।

भारतीय राजनीति के नीलकंठ थे डॉ. मनमोहन सिंह

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह अपनी जीवन यात्रा पूरी कर अनंत यात्रा पर निकल गए। डॉ. मनमोहन सिंह देश के 13 वें प्रधानमंत्री थे और दस साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति मेरा मन हमेशा से श्रद्धा से भरा रहा ,क्योंकि सही अर्थों में वे देश के मौन सेवक थे। मौन ही उनका आभूषण था और मौन ही उनका हथियार भी था। देश और दुनिया ने उन्हें कभी चीखते-चिल्लाते न सदन में देखा और न किसी रैली में। एक पत्रकार के रूप में मुझे डॉ. मनमोहन सिंह से मिलने का अवसर आज से कोई तीन दशक पहले तब मिला था जब वे देश के वित्त मंत्री थे।ग्वालियर के सांसद और केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय माधव राव सिंधिया उन्हें लेकर ग्वालियर आये थे । उन्होंने बरई गांव में ग्रामीण हाट जैसी एक परियोजना का उद्घाटन किया था। उन्हें पहली बार मप्र चैंबर आफ कामर्स के सभागार में सुनने का मौका मिला था। विद्वत्ता उनके सम्भाषण से ही नहीं बल्कि उनके स्वभाव और आचरण से टपकती थी। वे एक खास लय में मुस्कराते थे। वे विनोदी भी थे लेकिन उनका विनोद भी शालीनता की चाशनी में लिपटा रहता था। देश का सौभाग्य रहा कि उसे डॉ. मनमोहन सिंह जैसे विद्वान अर्थशास्त्री का नेतृत्व मिला। कोई माने या न माने लेकिन देश और दुनिया की तारीख में डॉ. मनमोहन सिंह भारत में आर्थिक सुधारों के जनक रहे। मुझे लगता है कि वे राजनीति के लिए बने ही नहीं थे ,लेकिन उनका प्रारब्ध उन्हें राजनीति में खींच लाया। कांग्रेस ने उनकी योग्यता को पहचाना और देश हित में उन्हें राजनीतिक मंच पर सबसे शीर्ष पद पर खड़ा कर दिया ,अन्यथा वे तो एक अध्यापक थे ,राजनीति से उनका कोई लेना-देना था ही नहीं। देश के विभाजन की विभीषिका पर आज जो लोग लम्बे-चौड़े भाषण देते हैं उन्हें शायद ये पता भी नहीं होगा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने इस त्रासदी को अपने बचपन में ही भुगता था,लेकिन वे इससे टूटे नहीं ,बिखरे नहीं। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे पीएच. डी.करने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। डॉ. सिंह ने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। वे केवल प्राध्यापक ही नहीं बल्कि लेखक भी थे।उनकी पुस्तक ह्य इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ ह्यह्व भारत की अन्तमुर्खी व्यापार नीति की पहली प्रामाणिक आलोचना मानी जाती है। डॉ.मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर अपनी पहचान बनाई और ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और वे दो बार जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। उनकी विद्वत्ता को पहचानकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उन्हें आर्थिक सलाहकार बनाया ।बाद में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंहराव ने मनमोहन सिंह को 1991में वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंप दिया। उस वक्त डॉ.मनमोहन सिंह संसद के किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे। उन्हें उसी साल असम से राज्यसभा के लिए चुना गया।सही अर्थों में भारत को विश्वगुरु बनाने की नींव डॉ. मनमोहन सिंह ने ही रखी। उन्होंने ही भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का मार्ग प्रशस्त किया। भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व बाजार के साथ जोड़ने का श्रेय डॉ. मनमोहन सिंह को ही है। भारत की अर्थव्यवस्था जब घुटनों के बल चल रही थी,और प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव को भयंकर आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा रहा था। आज का सत्ता पक्ष तब विपक्ष में था और उन्हें नए आर्थिक प्रयोग से सावधान कर रहा था। लेकिन मात्र दो वर्ष बाद ही डॉ. मनमोहन सिंह की सूझबूझ से आलोचकों के मुँह बंद हो गए। उदारीकरण के बेहतरीन परिणाम भारतीय अर्थव्यवस्था में नजर आने लगे। मजे की बात ये है कि डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने का सपना कभी नहीं देखा। उनके नाम पर कांग्रेस ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा ,किन्तु वे न केवल एक बार प्रधानमंत्री बने बल्कि लगातार दो बार प्रधानमंत्री बने।

महान अर्थशास्त्री असरदार सरदार डॉ मनमोहन सिंह

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन हो गया है, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सहित पूरे देश सहित पूरी दुनिया के उनके शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है। डॉ मनमोहन सिंह का जाना भारतीय राजनीति में एक बड़ा नुकसान है। डॉ साहब जब आप पीएम थे तब मुल्क आपके साथ न्याय नहीं कर सका, आपको वो इज्जत नहीं दे सका जिसके आप हकदार थे। 2014 में एक इंटरव्यू में आपने कहा था, मेरा पूरा विश्वास है कि मौजूदा मीडिया और संसद में मौजूद विपक्षी पार्टियों की तुलना में इतिहास मेरे प्रति ज्यादा दयालु होगा मुझे लगता है इतिहास आपके साथ न्याय करेगा। अलविदा डॉ साहब ये मुल्क आपको डिजर्व नहीं करता था। डॉ मनमोहन सिंह दो बार प्रधानमंत्री जरूर बने लेकिन वे कभी भी खुद को राजनेता नहीं मानते थे, पार्टी के आदेश पर जीवन में सिर्फ.एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े, लेकिन हार गए। मनमोहन सिंह को बहुत अच्छी तरह से पता था कि उनका राजनीतिक जनाधार नहीं है। उन्होंने कहा था, राजनेता बनना अच्छी बात है, लेकिन लोकतंत्र में राजनेता बनने के लिए आपको पहले चुनाव जीतना पड़ता है, और मैं चुनाव नहीं जीत सकता इसलिए मैं खुद को नेता नहीं मानता। फि र उन्होंने चुनाव से तौबा कर ली। डॉ मनमोहन सिंह ने एक दशक अधिक समय तक अभूतपूर्व बढ़ोतरी और विकास का नेतृत्व किया। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, भारत ने अपने इतिहास में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर देखी, जो औसतन 7.7% रही और लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी, 1971 में डॉ. मनमोहन सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। उन्होंने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गर्वनर थे। उनके कार्यकाल के दौरान बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित व्यापक कानूनी सुधार किए गए और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में एक नया अध्याय जोड़ा गया और शहरी बैंक विभाग की स्थापना की गई। आरबीआई में अपने कार्यकाल के बाद, उन्होंने वित्त मंत्री नियुक्त होने से पहले कई पदों पर काम किया। वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय था कि उन्होंने भारत में उदारीकरण और व्यापक सुधारों की शुरूआत की। डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। भारत में इन वर्षों को उनके व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाता है। अर्थशास्त्र के जानकार कहते हैं कि डॉ मनमोहन सिंह अगर 1991 में वित्तमंत्री नहीं बने होते तो शायद भारत कभी भी आर्थिक आपातकाल से बाहर नहीं आता। बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने आर्थिक दर को जो आयाम दिया जिसके कारण आज भी भारत को फायदा होता है। वित्तमंत्री, प्रधानमंत्री आएंगे, जाएंगे लेकिन मनमोहन सिंह जी जैसा अर्थशास्त्र का जानकार उनके जैसा विद्वान शायद ही इस मुल्क को मिले इसलिए ही डॉक्टर मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्र का आर्किटेक्ट कहा जाता है। डॉ मनमोहन सिंह जी को अब तक के भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बेहतर वित्तमंत्री के रूप में याद रखा जाएगा। वहीं प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। आरटीआई, मनरेगा, फूड सिक्योरिटी बिल, परमाणु समझौता जैसे महान सुधारों के लिए याद किया जाएगा। दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है। हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैं। पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे। ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दशार्ता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिले।

फुटपाथों और सड़कों पर अतिक्रमण, चलना हुआ मुश्किल

आजकल हम देखते हैं कि बड़ी संख्या में स्ट्रीट वेंडर्स ने व्यस्त बाजार के पास नो-वेंडिंग जोन में स्टॉल लगा रखे हैं। इनके लिए नो-वेंडिंग जोन की स्थापना सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए की जा सकती है। हालाँकि, इनमें से कई विक्रेता अपने परिवार, जिसमें बुजुर्ग माता-पिता और स्कूल जाने वाले बच्चे शामिल हैं, को पालने के लिए पूरी तरह से अपनी कमाई पर निर्भर हैं। हालांकि इनके लिए स्थानीय दुकानदारों के संघ शिकायतें भी दर्ज करवाते हैं कि विक्रेता भीड़भाड़ पैदा कर रहे हैं और उनके व्यवसाय को अनुचित रूप से प्रभावित कर रहे हैं। लेकिन विक्रेताओं की आर्थिक कमजोरी को समझते हुए इसके लिए मानवीय समाधान जरूरी है।

प्रियंका सौरभ
लेखिका

मुख्य बाजारों, चौक-चौराहों, गलियों में दुकानदारों और रेहड़ी-फड़ी वालों की ओर से किया गया अतिक्रमण दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। परिणामस्वरूप शहर के बाजारों में वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्ट्रीट वेंडर्स, जो अपने जीवनयापन के लिए अपने व्यापार पर निर्भर हैं, ने हर एक व्यस्त बाजार के पास निर्दिष्ट नो-वेंडिंग जोन पर अतिक्रमण कर लिया है, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और स्थानीय दुकानदारों की ओर से शिकायतें आ रही हैं। सार्वजनिक व्यवस्था, निष्पक्ष व्यावसायिक प्रथाओं और विक्रेताओं की आर्थिक कमजोरी के बीच संतुलन बनाना एक नैतिक और प्रशासनिक चुनौती है। स्ट्रीट वेंडर दुनिया भर की शहरी अर्थव्यवस्थाओं का एक अभिन्न अंग हैं, जो सार्वजनिक स्थानों पर कई तरह की वस्तुओं और सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करते हैं। भले ही स्ट्रीट वेंडर्स को अनौपचारिक माना जाता है, लेकिन वे शहरी अर्थव्यवस्थाओं में महत्त्वपूर्ण योगदानकर्ता हैं। इस 21वीं सदी में ज्यादातर लोग स्ट्रीट वेंडर हैं। अनौपचारिक अर्थव्यवस्था निगरानी अध्ययन ने उन तरीकों का खुलासा किया है, जिनसे स्ट्रीट वेंडर अपने समुदायों को मजबूत बना रहे हैं: स्ट्रीट वेंडिंग रोजगार सृजन, उत्पादन और आय सर्जन में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। स्ट्रीट वेंडर्स को कार्यस्थल पर जनता, पुलिस कर्मियों, राजनेताओं और स्थानीय उपद्रवियों से कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति जीवनयापन के लिए वेंडिंग पर निर्भर हैं। विक्रेताओं द्वारा की गई प्रतिस्पर्धा और भीड़भाड़ के कारण नुकसान का दावा करना उनकी मजबूरी है। व्यस्त बाजार में यातायात का सुचारू प्रवाह और सार्वजनिक सुरक्षा की आवश्यकता भी जरूरी है। विक्रेताओं के लिए मानवीय और टिकाऊ समाधान की वकालत सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और न्यायसंगत शासन सुनिश्चित करने का कार्य है। स्ट्रीट वेंडर अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वेंडिंग पर निर्भर हैं। हालाँकि, उनकी उपस्थिति से भीड़भाड़ होती है और सार्वजनिक व्यवस्था बाधित होती है। ट्रैफि क प्रवाह और सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखते हुए उनकी आजीविका की रक्षा के लिए एक संतुलन की आवश्यकता है। दुकानदार विक्रेताओं को उनकी कम लागत और अनौपचारिक संचालन के कारण अनुचित प्रतिस्पर्धा के रूप में देखते हैं। हालाँकि, विक्रेता अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से सम्बंधित होते हैं। समाधान में समानता की रक्षा करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि दुकानदारों के हितों को अनुचित रूप से नुकसान न पहुँचाया जाए। जबकि आर्थिक विकास एक संपन्न शहर के लिए महत्त्वपूर्ण है, सामाजिक कल्याण नीतियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्ट्रीट वेंडर जैसे कमजोर समूहों को असंगत कठिनाई का सामना न करना पड़े। निष्पक्ष और न्यायपूर्ण नीतियों में आर्थिक विकास और हाशिए पर पडे समुदायों के कल्याण दोनों को एकीकृत किया जाना चाहिए। कई विक्रेता अपने परिवारों के लिए कमाने वाले होते हैं, जो बुजुर्ग आश्रितों और स्कूल जाने वाले बच्चों का भरण-पोषण करते हैं। बिना किसी विकल्प के उन्हें विस्थापित करने से उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियाँ खराब हो सकती हैं, जिससे निर्णय लेने में करुणा आवश्यक हो जाती है। निर्णय पारदर्शी और समावेशी होने चाहिए, जिसमें सभी हितधारकों की चिंताओं का समाधान हो। किसी भी समूह को बाहर रखने से अशांति फैल सकती है और प्रशासन की निष्पक्ष रूप से शासन करने की क्षमता पर भरोसा कम हो सकता है। शहरों की आबादी समय के साथ लगातार बढ़ती जा रही है। इसके चलते वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है और रोजगार के लिए लोगों का बाहर आने का सिलसिला भी बढ़ता जा रहा है लेकिन शहरों में इन समस्याओं का निदान करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर जो पहल होनी चाहिए थी, वह नहीं हो पाई है। अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान के बाद शहरों में पार्किंग और रेडी-फड़ी जोन बनाए जाने की बात सामने आती है, लेकिन वह आज तक जमीन पर दिखाई नहीं देती है। लिहाजा ऐसी समस्याओं का बना रहना स्वाभाविक है। इसके स्थायी समाधान के लिए नो-वेंडिंग जोन में समय-आधारित वेंडिंग शेड्यूल लागू करें ताकि ट्रैफि क प्रवाह को बनाए रखते हुए गैर-पीक घंटों के दौरान विक्रेताओं को अनुमति दी जा सके। सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए पीक घंटों के दौरान निगरानी बढ़ाएँ। स्वच्छता और पीने के पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं के साथ एक निर्दिष्ट वेंडिंग जोन विकसित करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि विक्रेताओं के पास काम करने के लिए एक स्थायी स्थान हो। विक्रेताओं की संख्या को विनियमित करने और भीड़भाड़ को रोकने के लिए एक लाइसेंसिंग प्रणाली शुरू करें। यह दृष्टिकोण विक्रेताओं और दुकानदारों की तत्काल जरूरतों को सम्बोधित करता है और साथ ही भविष्य के लिए एक स्थायी ढाँचा तैयार करता है। यह सार्वजनिक व्यवस्था, आर्थिक निष्पक्षता और दयालु शासन को संतुलित करता है, यह सुनिश्चित करता है कि सभी हितधारकों को सुना और समर्थन दिया जाए। स्ट्रीट वेंडर्स, दुकानदारों और जनता की जरूरतों को सम्बोधित करने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो आर्थिक और सामाजिक कल्याण दोनों पर ध्यान केंद्रित करता है।

सभी देशों में अपनी-अपनी परंपराओं के साथ मनाया जाता है नववर्ष

देखा जाय तो अब हर धर्म के लोग, जन्म दिन हो या कोई अन्य उत्सव, केक जरूर काटते हैं और केक कैसे काटते हैं! पहले केक पर मोमबत्ती लगाते है, फिर उसे जलाते हैं, फिर उस मोमबत्ती को खुद फूंक कर बुझा देते हैं और तब केक काटते है। जबकि यह संस्कृति, सनातन संस्कृति के बिल्कुल विपरीत है। क्योंकि सनातन संस्कृति में यदि दीपक जलाया जाए और यदि वह दीपक बुझ जाए, तो इसे अपसगुन माना जाता है और किसी अनजानी अनहोनी होने की ओर इशारा समझा जाता है। लेकिन आज सनातन समाज, अब दीपक जलाने में नहीं, बल्कि उसे बुझाने में अपनी खुशी का पर्याय मानने लगा है। सनातन संस्कृति में ज्योति और प्रकाश का एक खास महत्व होता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

नववर्ष की खुशी अलग-अलग देशों में अलग अलग तरीकों से सभी धर्मों में और सभी देशों में अपनी-अपनी परंपराओं के साथ मनाया जाता है। भारत एक ऐसा देश है, जहां अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग समय में अलग अलग तरिकों से अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ नववर्ष का उत्सव मनाया जाता है। दुनिया के अधिकतर देश पहली जनवरी को नववर्ष मनाते हैं। पहली जनवरी को नववर्ष मनाने के पीछे हजारों साल पुरानी कहानी है। पांच सौ साल पहले अधिकतर ईसाई बाहुल्य देशों में 25 मार्च और 25 दिसंबर को नया साल मनाया जाता था। पहली बार 45 ईसा पूर्व रोमन राजा जूलियस सीजर ने पहली जनवरी से नया साल मनाने की शुरूआत की थी। भारत में हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा से हिन्दू नववर्ष का प्रारंभ माना जाता है। इसलिए चैत्र महीने की पहली तारीख यानि चैत्र प्रतिपदा को नया साल मनाया जाता है। इस संबंध में ऐसी मान्यता है कि भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी। इसी दिन से विक्रम संवत के नए साल की शुरूआत भी होता है। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार यह तिथि अप्रैल महीने में आती है। कैलेंडर नववर्ष के आगमन में कई लोग जश्न मनाने की तैयारी करते हैं, तो कई लोग भ्रमणादि की प्लानिंग। वहीं, कुछ लोग नये साल सही ढ़ंग से बीते उसके लिए ग्रह गोचर की जानकारी जानने में हो जाते हैं वयस्थ। वैसे तो 01ली जनवरी को कैलेंडर नववर्ष के रूप में जाना जाता है और इसके लिए सभी लोग 31 दिसम्बर की रात से ही नये वर्ष के आगमन की खुशी मनाने लगते हैं। नववर्ष पर भविष्यवाणी करने वाले विशेषज्ञ ग्रह गोचर की चाल और उससे होने वाले नुकसान और फायदे बताने लगते हैं। इसके साथ ही नुकसान करने वाली ग्रह गोचर को शांत करने के लिए उपाय भी बताते हैं। कुछ विशेषज्ञों ने तो देश, राज्य, देश के प्रधानमंत्री, पार्टियों के संबंध में भी भविष्यवाणी करने लग जाते हैं। जूलियस सीजर ने खगोलविदों के सहयोग से पृथ्वी को सूर्य के चक्कर लगाने की गणना की तो पाया कि पृथ्वी को सूर्य के चक्कर लगाने में 365 दिन और छह घंटे लगते हैं। इसलिए सीजर ने रोमन कैलेंडर को 365 दिन का बनाया था। सीजर ने हर चार साल बाद फरवरी के महीने को 29 दिन का किया जिससे हर चार साल में बढ़ने वाला एक दिन भी शामिल (एडजस्ट) हो सके, इसलिए 46 ईसा पूर्व रोम के शासक जूलियस सीजर गणनाओं के आधार पर कैलेंडर जारी किया जिसमें 12 महीने थे। इस कैलेंडर का नाम जूलियन कैलेंडर रखा गया था। भारत के अन्य राज्यों में उगाडी-तेलगू न्यू ईयर, गुड़ी पड़वा, बैसाखी-पंजाबी न्यू ईयर, पुथंडु-तमिल न्यू ईयर, बोहाग बिहू-असामी न्यू ईयर, बंगाली नववर्ष, गुजराती नववर्ष, विषु- मलयालम नववर्ष, नवरेह- कश्मीरी नववर्ष, हिजरी- इस्लामिक नववर्ष मनाया जाता है। गुड़ी पड़वा (मराठी-पाड़वा) के दिन हिन्दू नव संवत्सरारम्भ माना जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुड़ी पड़वा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। इस दिन हिन्दू नववर्ष का आरम्भ होता है। ह्यगुड़ीह्व का अर्थ ह्यविजय पताकाह्व होता है। कहते हैं शालिवाहन ने मिट्टी के सैनिकों की सेना से प्रभावी शत्रुओं (शक) का पराभाव किया। इस प्रकार विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। ह्ययुगप् और ह्यआदिप् शब्दों की संधि से बना है ह्ययुगादिप्। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में ह्यउगादिप् और महाराष्ट्र में यह पर्व ह्यगुड़ी पड़वाह्व के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चैत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर को इटली, फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल ने 1582 में अपना लिया था, जबकि जर्मनी के कैथोलिक राज्यों यथा स्विट्जरलैंड और हॉलैंड ने 1583 में, पोलैंड ने 1586 में, हंगरी ने 1587 में, जर्मनी एवं नीदरलैंड के प्रोटेस्टेंट प्रदेश और डेनमार्क ने 1700 में, ब्रिटिश साम्राज्य ने 1752 में, चीन ने 1912 में, रूस ने 1917 में और जापान ने 1972 में इस कैलेंडर को अपनाया था। वर्ष 1752 में भारत पर ब्रिटेन का राज था, इसलिए भारत ने भी इस कैलेंडर को 1752 में ही अपनाया था। ग्रेगोरियन कैलेंडर को अंग्रेजी कैलेंडर के नाम से भी जाना जाता है। हिन्दू नववर्ष चैत्र के महीने के शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि (प्रतिपदा) को सृष्टि का आरंभ हुआ था। हमारा नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को शुरू होता है इस दिन ग्रह और नक्षत्र में परिवर्तन होता है। हिन्दी महीने की शुरूआत इसी दिन से होती है। चैत्र मास का वैदिक नाम है-मधु मास। मधु मास अर्थात आनंद बांटता वसंत का महीना। मान्यता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। इसलिए इस तिथि को ह्यनवसंवत्सरह्य भी कहते हैं। भगवान विष्णु जी का प्रथम अवतार भी इसी दिन हुआ था। चैत्र नवरात्र की शुरूआत इसी दिन से होती है। कैलेंडर नववर्ष (नये साल) के अवसर पर प्रत्येक वर्ष लगभग सभी जगह पर 31 दिसम्बर की आधी रात को जश्न मनाया जाता है। अब तो लगभग सभी धर्म के लोग आधी रात को केक काट कर नववर्ष के आगमन की खुशियां मनाते हैं, केक काटने से पहले सभी बत्तियों को बुझा कर पूरी तरह अंधेरा कर देते है और फिर, अचानक एकसाथ सभी बिजली की स्विच को ऑन कर रोशनी करते हुए सभी लोग चीखने लगते हैं ह्ललंस्त्रस्त्र८ ठी६ ीं१ह्व, ह्ललंस्त्रस्त्र८ ठी६ ीं१ह्व, ह्ललंस्त्रस्त्र८ ठी६ ीं१ह्व। उसके बाद कैलेंडर नववर्ष मनाने वाले लोग जहां शराबबंदी नही है वहां शराब की बोतलें खुलती है और न जाने कितने जीवों की हत्या कर बनाया गया भोजन परोसा जाता है, पटाखे या आतिशबाजी करते हैं। इस प्रकार नये साल (01 जनवरी) के आगमन का स्वागत किया जाता है। सनातन धर्म से यदि इसे देखा जाय तो नये साल का स्वागत हम लोग 31 दिसम्बर की आधी रात (12 बजे) को अंधेरा करके मनाते है; भले ही उसके बाद पटाखे या आतिशबाजी करते हैं। लेकिन नये साल का प्रवेश से कुछ पल पहले पूरी तरह अंधकार किया जाता है। शायद यही वजह है कि हमलोग कही न कही, अंधेरे में भटक गए हैं। हमें सही राह नहीं मिल रहा है। जबकि हमलोग प्रकाश को, ज्ञानपुंज कहते है और अंधकार को अज्ञान। लेकिन आज हम लोग अज्ञानता को ही जाने-अनजाने में गले लगा रहे हैं। आज हमलोग आधुनिक युग के नाम पर कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। अब देखा जाय तो उत्सव छोटा हो या बड़ा, हर उत्सव में केक काटने की एक परंपरा बनने लगा है। जबकि सनातन संस्कृति में केक क्या? कुछ भी काटकर खुशी मनाना वर्जित माना गया है।

देशभक्त, महान अर्थशास्त्री एवं सादगीपूर्ण राजनेता मनमोहन सिंह

राकेश अचल

देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का विदा होना एक भावुक क्षण है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद डॉ. मनमोहन सिंह उन प्रधानमंत्रियों में से दूसरे हैं जो लगातार एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे। डॉ मनमोहन सिंह जन्मजात राजनीतिज्ञ नहीं थे। वे मूलतः अर्थशास्त्री थे और उनकी यही विशेषता राजनीति में कांग्रेस के और देश के काम आयी। डॉ मनमोहन सिंह जनता के सामने लच्छेदार भाषण नहीं दे सकते थे, इसलिए वे कभी लोकसभा का चुनाव नहीं जीते। उन्हें कांग्रेस ने हमेशा राज्यसभा भेजकर राजनीति में टिकाये रखा। आप यूं भी कह सकते हैं कि कांग्रेस डॉ. मनमोहन सिंह की वजह से सत्ता में बनी रही। लगातार तीन दशक तक देश की सेवा करने वाले डॉ. मनमोहन सिंह ने 2अप्रैल 2024 को राज्यसभा के साथ ही देश की सक्रिय राजनीति से भी विदाई ले ली थी। डॉ. सिंह की उम्र अभी 92 साल थी। मैंने अपने पत्रकारिता के लम्बे कार्यकाल में डॉ. मनमोहन सिंह जैसा दूसरा कोई नेता नहीं देखा। मैं उनसे एक वित्त मंत्री के रूप में भी मिला और एक प्रधानमंत्री के रूप में भी। दोनों भूमिकाओं में वे केवल और केवल डॉ. मनमोहन सिंह ही रहे। उनके चेहरे पर सदैव एक स्निग्ध मुस्कान मौजूद रही। उनके संवाद में स्वर सधे हुए रह। न कोई उतार न कोई चढ़ाव, न कोई नाटकीयता और न कोई बुनावट। वे स्थितप्रज्ञ राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने अपने ऊपर कटु से कटु प्रहार सहे किन्तु कभी विचलित नहीं हुये। उनका विचलन उनकी आँखों में ही झलकता रह गया। उत्तेजना उनकी राजनीति का अंग कभी नहीं बन पायी। भले ही उन्हें उत्तेजित और अपमानित करने की कोशिश विपक्ष ने की हो या उनके अपने दल के नेताओं ने। विपक्ष ने डॉ.मनमोहन सिंह के बारे में संसद के बाहर और भीतर क्या कुछ नहीं कहा? कांग्रेस के नेता राहुल गाँधी ने डॉ.मनमोहन सिंह के सामने क्या कुछ उच्छश्रृंखलता नहीं की? लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह खामोश रहे। विपक्ष उन्हें डॉ. मौन सिंह कहकर अपमानित करता रहा किन्तु उनका काम हमेशा बोलता रहा। मुझे लगता है कि मौन ही डॉ. मनमोहन सिंह की असली ताकत थी। आज के नेताओं को उनके स्वभाव और आचरण से सीखना चाहिए। लेकिन डॉ.मनमोहन सिंह बनकर काम करना, देशसेवा करना आसान काम नहीं। गाल बजाना और मौन रहना दो अलग-अलग विधाएँ हैं। डॉ.मनमोहन सिंह के बारे में गूगल देव मुझसे ज्यादा सूचनाएँ रखते हैं, लेकिन मैं अपनी जानकारी और अनुभव से कहता हूँ कि डॉ मनमोहन सिंह होना आसान नहीं। डॉ. मनमोहन सिंह देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनकी उपाधियों को किसी अदालत में चुनौती नहीं दी गयी। अभिजात्य परिवार में जन्में डॉक्टर मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की उपाधि हासिल की। डॉ. सिंह ने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तमुर्खी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। राजनीति में प्रवेश करने से पहले वे अर्थशास्त्री ही बने रहे। डॉ॰ सिंह अर्थशास्त्र के यशस्वी अध्यापक रहे। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने डॉ. सिंह की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। डॉ.मनमोहन सिंह अपनी प्रतिभा के बल पर ही भारतीय रिजर्व बैंक के 15 वें गवर्नर बनाये गए। उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में देश की अविस्मरणीय सेवा की। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ. सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे।

मोदी जी ने दुनिया भर के संकट कंटक के दौरान भी भारत की चमक और धमक मजबूत की : मुख्तार अब्बास नकवी

●सूबे के 27 के चुनाव में समाजवादी सुल्तान अखिलेश और सामंती सूरमा राहुल चारों खाने चित्त होंगे

●योगी सरकार में दंगाई की ठुकाई, बलवाइयों की कुटाई और बाहुबलियों की हो रही विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

प्रयागराज,। संगम नगरी आए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के रिवाज को समावेशी सशक्तिकरण के मिजाज से ध्वस्त किया है। आज दुनिया भर के संकट कंटक के दौरान भी भारत की धाक धमक मजबूत की है। हिन्दुस्तान की धमक को धूमिल करने की धूर्तता करने वाले धूल धूसरित हुए हैं। सर्किट हाउस पहुंचे मुख्तार अब्बास नकवी ने पत्रकारों से कहा कि सनातन संस्कार संस्कृति के खिलाफ साजिशी सिंडिकेट के सामंती संक्रमण से समाज को सावधान रहना होगा। क्योंकि छद्म सेकुलर सिंडिकेट साम्प्रदायिक फसाद में सियासी मफाद ढूंढता है। उन्होंने कहा कि दावों की बकैती और धावों के बवंडर की अपराधिक प्रतिस्पर्धा की बजाय कुछ विदेशी आक्रमणकारियों की क्रिमिनल कम्युनल, क्रूर करतूत के कलंक का सुधार अपराधिक उन्माद से नहीं

बल्कि आपसी संवाद से ही किया जा सकता है। आज हर भारतीयों को गर्व है कि मोदी जी को दुनिया वैश्विक संकट के संकट मोचक के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में दंगाइयों की ठुकाई, बलवाइयों की कुटाई और बाहुबलियों की विदाई के जरिए समाज के सुरक्षा सौहार्द की भलाई की प्रतिबद्धता है। यह बात इन बलवाइयों, बाहुबलियों, बकैतों की चोट पर चीख निकाल रहे सामंती सुल्तानों की सोच समझ से बाहर है। नकवी ने कहा कि महत्वाकांक्षाओं के मझदार में फंसे कांग्रेस-सपा गठबंधन में जितने छेद हैं उससे ज्यादा उसमें महत्वाकांक्षी मतभेद हैं। छेद को रफू करने, मतभेद को रफू चक्कर करने में चुनाव में भी निपटते जा रहे हैं और गठबंधन के गुरु घंटालों का गुरुर भी सिमटता जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि समाजवादी सुल्तान और सामंती सूरमा 27 के चुनाव में भी चारों खाने चित्त होंगे और जनता सम्प्रदाय ध्रुवीकरण के छल को समावेशी सशक्तिकरण के बल से छूमंतर करेगी। क्योंकि जनमानस को सामंती सियासत के रिवाज पर नहीं बल्कि समावेशी सुशासन के मिजाज पर यकीन है।

काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा

वाराणसी,। प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आशुतोष राणा ने गुरुवार को काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत रुद्राभिषेक कर भगवान शिव से आशीर्वाद प्राप्त किया।अभिनेता आशुतोष राणा ने बाबा विश्वनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए कहा कि काशी का आध्यात्मिक वातावरण मन को शांति और ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ह्यह स्थान आस्था, शक्ति और सकारात्मकता का केंद्र है। यहां आकर आत्मिक शांति का अनुभव होता है ह्व मंदिर प्रबंधन ने उनका स्वागत किया और धाम के विकास कार्यों और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। दर्शन के बाद उन्होंने काशी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व की सराहना की।आशुतोष राणा के आगमन से उनके प्रशंसकों में उत्साह का माहौल रहा। मंदिर परिसर में उपस्थित लोगों ने उनके साथ तस्वीरें लीं और उनके साथ समय बिताया।

फर्जी वेबसाइट बनाकर महाकुंभ के लिए बुकिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

प्रातः किरण संवाददाता

प्रयागराज,। महाकुंभ में कॉटेज, टेंट, होटल आदि की बुकिंग के लिए फर्जी वेबसाइट बनाकर साइबर ठगी करने वाले गिरोह का प्रयागराज पुलिस ने शुक्रवार को भंडाफोड़ करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (नगर) अभिषेक भारती ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से तीन लैपटॉप, छह एंड्रायड फोन और छह एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। भारती ने कहा कि पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने कॉटेज, टेंट, होटल आदि की बुकिंग के लिए महाकुंभ से मिलते-जुलते नामों से विभिन्न फर्जी वेबसाइट बनाईं और उनके माध्यम से वे ठहरने की उत्तम व्यवस्था, वीआईपी स्नान और दर्शन आदि विभिन्न प्रकार के आकर्षक प्रलोभन देकर तीर्थयात्रियों से साइबर ठगी कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि गिरफ्तार लोगों की पहचान बिहार के नालंदा निवासी पंकज कुमार (35), वाराणसी के चौबेपुर निवासी यश चौबे (20), वाराणसी के चौबेपुर निवासी अंकित कुमार गुप्ता (24) और आजमगढ़ के लसड़ा खुर्द निवासी अमन कुमार (29) के रूप में हुई है।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ पर लटका मिला लापता स्कूली छात्र का शव

हसनपुर।गुरुवार दोपहर घर से लापता कक्षा चार के छात्र का शव देर रात वन में कीकर के पेड़ पर लटका मिला। मामला थाना आदमपुर के इमरतपुर के मजरा शेरगढ़ का है। बालक के माता-पिता हरियाणा में मजदूरी करने गए हुए थे। बालक भाई बहनों के साथ घर पर था, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। सूचना पर सीओ ने मौका मुआयना किया है। पुलिस स्कूली छात्र की मौत की वजह जनाने में जुट गई।

गन्ने के ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक की मौत

स्योहारा।आये दिन होने वाले सड़क हादसों के बीच आज फिर बाइक सवार की जान एक गन्ने से भरे ट्रक की टक्कर से चली गई। मुरादाबाद मार्ग स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने मिल में जा रहे एक एक गन्ने से भरे ट्रक ने एक बाइक सवार को कुचल दिया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई. जबकि ट्रक चालक ट्रक को छोड़ फरार हो गया,मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर मृतक की शिनाख्त शुरू कर दी लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो पाई थी।

शिविर में पौधरोपण के प्रति किया जागरूक

अमरोहा।सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर में रासेयो इकाई के सात दिवसीय शिविर का पांचवां दिन शुक्रवार को पर्यावरण एवं जल संरक्षण दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम अधिकारी सुदेश कुमार ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। वहीं गांव सलामतपुर में स्वंयसेवकों ने पौधरोपण कर इसके महत्व को समझाया। निबंध प्रतियोगिता के जरिए पौधरोपण की महत्ता पर विचार रखे। इस दौरान पीतम सिंह, संदीप सिंह, दीक्षा सिंह, अर्चना, जगदीश आदि रहे।

भाकिसं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

अमरोहा। भारतीय किसान संघ पदाधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को लेकर कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर विरोध जताया। अपनी मांगों के संबंध में जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। जल्द सभी समस्याओं का समाधान कराए जाने की वकालत की। संगठन जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता शुक्रवार दोपहर कलक्ट्रेट पहुंचे। आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही से घरेलू मीटरों से गलत बिल निकाला जा रहा है। फाल्ट ठीक करने के नाम पर अवैध वसूली की जाती है। विभागीय इस मनमानी पर तत्काल अंकुश लगाए जाने की मांग की। गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल घोषित किए जाने व छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाने की मांग भी की। इस दौरान आलोक चौहान, सुखदेव शर्मा, विशाल कुमार, अनुज चौहान, धर्मपाल सिंह चौहान, ओमवीर सिंह, सुनील कुमार, महिपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सौ करोड़ से हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित होगा चरखारी

महोबा, । मिनी वृंदावन के नाम से मशहूर चरखारी को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। पर्यटन और सांस्कृतिक विभाग के द्वारा यहां के कृष्ण मंदिरों और ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जिससे जनपद में पर्यटन बढ़ेगा और बुंदेलों को रोजगार भी मिलेगा।बुंदेलखंड के चरखारी में रियासतकाल में बने भगवान श्रीकृष्ण के 108 मंदिरों और यहां की सुंदरता का प्रजेंटेशन लखनऊ में आयोजित हुए हेरिटेज इनक्लेव में किया गया था। जहां चरखारी को हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने का फैसला लिया गया।

खाटू श्याम जी का संकीर्तन का आयोजन, झूम उठे भक्त

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री धार्मिक सेवा समिति सुबोध नगर द्वारा सफला एकादशी पर गुरुवार को देर सायं शिव वाटिका शिव मंदिर के सामने सुबोध नगर में द्वितीय खाटू श्याम जी का संकीर्तन का आयोजन किया गया। पंडाल में मंच पर खाटू श्याम बाबा की आकर्षक झांकी सजाकर भव्य दरबार लगाया गया था। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई।

रामपुर से आये मिस्ठी म्यूजिकल ग्रुप वैष्णवी एंड पार्टी के रिंकू खेड़ा, सनी वमवम, निधि चंचल और मनोज मृदुल, भजन गायक कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक सुंदर भजनों का गायन किया गया। दीनानाथ मेरी बात छानी कोनी तेरे से, कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है, भर दे रे श्याम झोली भर दे, दिल में है तू श्याम की जरा ज्योति जला के देख, किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, साथी हमारा कौन बनेगा आदि भजनों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया। भजन कलाकारों द्वारा भजनों की रंगारंग प्रस्तुति के दौरान पूरा प्रांगण श्याम के रंग में डूबा नजर आया। भजनों पर पंडाल में बैठे सभी श्रद्धालु भक्त झूमते नजर आए। इस अवसर पर छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया और पंडाल में बैठे श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा की गई और गुलाब का इत्र छिड़का गया। अंत में खाटू श्याम बाबा की आरती के बाद प्रसाद बांटा गया।

इस मौके पर रोहित अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, समीर खंडेलवाल, प्रियंका खंडेलवाल, मनीष मल्होत्रा, मानसी मल्होत्रा, राजकमल यादव, सौरभ वशिष्ठ, अंजली गुप्ता, विजय गुप्ता, पूजा शर्मा, साधना गुप्ता, जितेंद्र सक्सेना, मानसी शर्मा, पंकज प्रजापति सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अवध शुगर एंड एनर्जी मिल ने लगाया निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

●सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर करना चाहिए सहयोग : चौधरी सुखवीर सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा। बिरला ग्रुप की जानी मानी अवध शुगर एंड एनर्जी की लिमटेड स्योहारा इकाई द्वारा गुरुवार को एक निःशुल्क नेत्र (आंखों) का चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सीएल गुप्ता इंस्टीट्यूट मुरादाबाद के अनुभवी चिकित्सों द्वारा अपनी सेवा देते हुए मरीजों को देखा गया। शिविर की जानकारी देते हुए यूनिट के अधिशासी अध्यक्ष चौ. सुखवीर सिंह ने बताया कि की हमारी स्थानीय इकाई द्वारा इस तरह के समाज हित मे सामाजिक आयोजन होते रहते हैं जिसके चलते गुरुवार को भी इस निःशुल्क नेत्र कैंप का आयोजन हुआ। जिसमें मुरादाबाद से आये प्रशिक्षित एवं कुशल डॉक्टरों द्वारा आंखों की समस्या से ग्रसित लगभग 162 मरीजों को देखा गया और उन्हें निःशुल्क दवा एवं चश्मा आदि उपलब्ध कराया।

महाप्रबंधक सुखवीर सिंह ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के कैंपों का आयोजन कर आमजन को राहत पहुंचाने का काम निरंतर जारी रहेगा। आपको बताते चलें कि बिरला शुगर मिल समय-समय पर इस तरह के अनेक रूप से सामाजिक कार्य करती रहती है जिसमे वृक्षारोपण करना, सर्दियों में गरीब, बेसहारा लोगो को कंबल बांटना, निःशुल्क चिकित्सा कैंप लगवाना आदि समाजिक कार्य शामिल है। इस अवसर पर शुगर मिल के अधिशासी उपाध्यक्ष अशोक मित्तल,अधिशासी उपाध्यक्ष फाइनेंस मुकेश मिश्रा, एच.आर.विवेक श्रीवास्तव, राजेश शर्मा एडवोकेट आदि सहित अनेक कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

स्योहारा मे परिंदा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन आज लगवाएगा निशुल्क चिकित्सा कैंप

निशुल्क चिकित्सा कैंप का उठा लाभः फराह परवीन

स्योहारा। नगर में परिंदा वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा 28 दिसंबर (आज) एक निशुल्क चिकित्सा कैंप का आयोजन करने जा रहा है। परिंदा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्षा फरहा परवीन ने जानकारी देते हुए बताया कि परिंदा वेलफेयर फाउंडेशन के सौजन्य से तीर्थांकर महावीर अस्पताल का फ्री चेकअप कैम्प 28 दिसम्बर सुबह 11:30 बजे परिंदा सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के कार्यालय पर निशुल्क लगाया जाएगा। चिकित्सा कैम्प में हड्डी, खासी, जुखाम, डेंगू बुखार ,नाक, कान, गला,स्त्री रोग, बाल रोग आदि रोगों का निःशुल्क परामर्श तथा बी.पी.,शुगर का फ्री चेकअप कैम्प तीर्थांकर महावीर अस्पताल के कुशल डाक्टरो द्वारा रोगियो का परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि उपरोक्त बीमारियों से सम्बंधित लोग परिंदा सोशल वेल्फेयर फाउंडेशन के दफ्तर पर पहुँचकर तीर्थंकर महावीर अस्पताल द्वारा फ्री चेकअप कैम्प का फायदा उठाए।

यूपी एनसीसी निदेशालय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की याद में चलाएगा साइकिल अभियान

लखनऊ, । भारतीय गणतंत्र के 75वें वर्ष में यूपी एनसीसी निदेशालय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 की याद में और उसमें शहीद सैनिकों और नागरिकों के बलिदान को श्रद्धांजलि देने के लिए साइकिल अभियान चलाएगा। अभियान का शीर्षक ह्यसंग्राम 1857ह्ल है। इसका उद्देश्य अमृत काल में राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान देने के लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ ह्यसमर से समृद्धि की ओरह्ल का संदेश देना है। यह जानकारी शुक्रवार को प्रेसवार्ता में छावनी स्थित सूर्या ऑडिटोरिम में यूपी एनसीसी निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल विक्रम कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि साइकिल अभियान 1 जनवरी 2025 को मेरठ से शुरू होगा, जो बरेली, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर, झांसी, ग्वालियर, आगरा और मथुरा समेत 1857 संग्राम के सभी प्रमुख युद्धक्षेत्रों और महत्वपूर्ण स्थानों से होते हुए 27 जनवरी को नई दिल्ली में समाप्त होगा। आगरा एनसीसी समूह के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर एनएस चरग के नेतृत्व में अभियान दल में यूपी एनसीसी निदेशालय की पांच बालिका कैडेट समेत 15 एनसीसी कैडेट शामिल हैं। दल 17 साइकिलिंग दिनों में कुल 2 हजार किमी की दूरी तय करेगा। 4 जनवरी को मध्य कमान के जीओसी-इन-सी द्वारा लखनऊ में दल को हरी झंडी दिखाई जाएगी और 5 जनवरी को राजभवन से यूपी के राज्यपाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। अभियान अंततः नई दिल्ली में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2025 की पीएम रैली में समाप्त होगा।

चित्रकार जुहैब खान ने कोयले से चित्र बनाकर मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

अमरोहा, । उत्तर प्रदेश के अमरोहा में चित्रकार जुहैब खान ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर कोयले से उनकी तस्वीर बनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जुबैर समसामयिक घटनाओं पर आधारित अपनी चित्रकारी को लेकर चर्चा में रहते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री की तस्वीर बनाने पर उन्होंने कहा कि आज एक बुरी खबर आई कि पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह हमारे बीच नहीं रहे। यह देश के लिए अपूरणीय क्षति है। देश के विकास में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। खासकर आर्थिक क्षेत्र में जिस तरह का योगदान मनमोहन सिंह ने दिया, वह अमूल्य है। इसी संबंध में मैंने कोयले से छह फीट का एक चित्र तैयार कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को 92 साल की उम्र में मनमोहन सिंह का निधन हो गया। लंबे

समय उम्र संबंधी बीमारियों का उनका उपचार चल रहा था। गुरुवार शाम घर पर अचेत होने के बाद उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया जहां रात 9.51 बजे उनका निधन हो गया। उनके निधन से देश में शोक की लहर है। केंद्र सरकार ने उनके निधन पर सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इसके अलावा, अलग-अलग राज्यों की सरकारों ने भी अपने यहां शोक घोषित किया है। मनमोहन सिंह 1998 से 2004 तक राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। साल 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली जीत के बाद उन्होंने देश के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने यूपीए-1 और 2 में प्रधानमंत्री का पद संभाला था। उन्होंने पहली बार 22 मई 2004 और दूसरी बार 22 मई 2009 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। डॉ. मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पश्चिमी पंजाब के गाह में हुआ था, जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। उनके पिता का नाम गुरमुख सिंह और मां का नाम अमृत कौर था। उन्होंने साल 1958 में गुरशरण कौर से शादी की थी। उनकी तीन बेटियां भी हैं, जिनके नाम उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह हैं।

संभल की जामा मस्जिद के निकट बन रही पुलिस चौकी

संभल, । उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी बनाई जाएगी। इसके लिए पुलिस विभाग ने शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद जामा मस्जिद के निकट खाली पड़े मैदान में पैमाइश कर चूने से मार्किंग की। संभल के एएसपी श्रीश चन्द्र ने बताया कि आसपास के इलाके को देखते हुए यहां पर एक स्थायी पुलिस चौकी बन रही है। जिससे पुलिस बल आसानी से रह सके और यहां सुरक्षा व्यवस्था में कार्य कर सके। इस परिसर की संवेदनशीलता और सुरक्षा को देखते हुए यहां पर एक पुलिस चौकी जरूरी थी। इसी कारण चौकी का निर्माण किया जाएगा। इसके पहले जब पुलिस फोर्स मस्जिद के बाहर पहुंची तो मस्जिद कमेटी और आसपास के लोग अपनी जमीनों के कागजात लेकर उनके पास पहुंचे। पुलिस ने बताया कि कागजात की जांच की जाएगी। पुलिस टीम ने उस जगह की नाप की है, जहां चौकी का निर्माण किया जाना है। जिस जगह पर चौकी का निर्माण किया जाएगा, उस जगह को चूना डालकर चिह्नित किया गया है। संभल में 24 नवंबर को हिंसा हुई थी। इसके बाद से यहां पर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। हिंसा के बाद पुलिस प्रशासन एहतियाती कदम उठा रहा है। संभल में तमाम पुलिस फोर्स तैनात की गई है। इसके अलावा धर्मगुरुओं के साथ भी संवाद किया गया है। बता दें कि संभल के कई इलाकों में खुदाई की जा रही है। इस दौरान धार्मिक मान्यताओं से जुड़े कई प्रतीक चिन्ह और अवशेष मिले हैं। दूसरी तरफ फिरोजपुर गांव स्थित फिरोजपुर किले के बाहर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने का काम ग्रामीणों ने खुद ही शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने फिरोजपुर किले के प्रवेश द्वार पर किए गए अवैध निर्माण को हटा दिया है। इससे पहले प्रशासन ने पुरातत्व विभाग के अधिकारियों के साथ फिरोजपुर किले के अंदर का सर्वेक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान गेट पर मौजूद अवैध निर्माण हटाने को लेकर चेतावनी भी दी थी। इसके बाद स्थानीय लोगों ने खुद ही अवैध अतिक्रमण हटा लिया।

महिला से एंड्रायड फोन छीनकर फरार हुए बाइक सवार बदमाश, जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी, । मिजार्मुराद क्षेत्र के खजूरी जमुना मार्ग पर बेटी के साथ पैदल जा रही महिला का मोबाइल बाइक सवार बदमाशों ने छीन लिया। इसके बाद खजूरी चौकी की तरफ रवाना हो गए। महिला के पति ने मिजार्मुराद थाने पहुंच अज्ञात बाइक सवार बदमाश के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है। खजूरी (मिजार्मुराद) गांव निवासी राम प्रकाश की पत्नी सरोजा यादव अपनी 13 वर्षीय बेटी निधि के साथ खजुरी बाजार से जमुना मार्ग से पैदल ही अपने घर की तरफ जा रही थीं। अर्जुन प्रसाद महिला महाविद्यालय के समीप बाइक सवार दो नकाबपोस बदमाशों ने महिला के हाथ से झपट्टा मार एंड्रॉइड मोबाइल छीन लिया। इसके बाद खजूरी पुलिस चौकी की तरफ भाग निकले। पीड़ित महिला ने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन बदमाश इतनी तेजी से भागे कि उन्हें पकड़ पाना संभव नहीं हो सका। देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र के लोग दहशत में है। पुलिस का कहना है की जांच हो रही है। जल्द ही बदमाशों को पकड़ा जाएगा।

बीएचयू बाल सर्जरी विभाग ने खतरनाक विल्स ट्यूमर से पीड़ित बच्चे को दिया नया जीवन

वाराणसी, । काशी हिन्दू विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस) के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में खतरनाक विल्स ट्यूमर से पीड़ित बिहार गोपालगंज निवासी एक 10 वर्षीय का सफल सर्जरी कर उसे एक नया जीवन मिला है।लगभग दस घंटे तक चली जटिल सर्जरी में ट्यूमर निकलने के बाद बच्चा तेजी से स्वास्थ्य लाभ कर रहा है। इस क्षेत्र में अपनी तरह का यह पहला मामला है जिसे चिकित्सकों ने सफलता पूर्वक सर्जरी की। इसी प्रकार का मामला केवल एसजीपीआई लखनऊ में बाल रोगियों में दर्ज किया गया था। संस्थान के बाल सर्जरी विभाग के प्रो.वैभव पांडेय के नेतृत्व में उनकी टीम प्रो. रुचिरा के साथ ही प्रोफेसर अरविंद पांडेय, प्रोफेसर सिद्धार्थ लाखोटिया (कार्डियोथोरेसिक सर्जरी), डॉ. प्रतिभा राय (कार्डियोलॉजी), और डॉ. आरबी सिंह, डॉ. संजीव (एनेस्थिसियोलॉजी), डॉ.भानुमती कोशिक, डॉ.सेठ कच्छप को यह सफलता मिली है। सफलता इस मायने में भी गरीब आदमी के लिए खास है कि इस इलाज का खर्च पॉच लाख रुपए से अधिक आता है। लेकिन बीएचयू बाल सर्जरी विभाग में इसका खर्च महज 25 हजार रुपए आया। प्रो.वैभव पांडेय के अनुसार पीड़ित बालक को पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में लाया गया। जांच में विल्स ट्यूमर का पता चला था, जिसमें ट्यूमर थ्रोम्बस निचली वेना कावा (आईवीसी) से होते हुए दाहिने एट्रियम तक फैला हुआ था। कीमोथेरेपी से आंशिक सुधार के बाद मामले को अंतिम शल्य चिकित्सा की तैयारी की गई। प्रो.वैभव के अनुसार सर्जरी में पहले बच्चे के किडनी को निकाला गया। इसके बाद नस में फैले टयूमर को भी निकाला गया। सर्जरी बहुत जटिल थी, ऐसा इसलिए कि आईवीसी नस जो कि पैर की नस, मुख्य नस, लीवर की नस से लेकर हार्ट तक जाता था। इस वजह से मरीज को बाईपास पर लेना पड़ा।

मां काली का मंदिर खोलने के लिए चला हस्ताक्षर अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

जौनपुर, । गोमती नदी पर बने शाहीपुल के नीचे काली माता मंदिर होने के दावे को लेकर हिंदूवादी संगठनों द्वारा कोतवाली परिसर का घेराव करते हुए मंदिर को खोलने की मांग की गई थी। वहीं अब यह मामला काफी तेजी से मंदिर खोलने को लेकर जोर पकड़ लिया है ।भारी संख्या में हिंदू मंदिर को पूरा खोलने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को इसको लेकर महाराज अम्बुजानंद ने शहर से लेकर गांव तक हस्ताक्षर अभियान चलाया है।जिसमें भारी संख्या में स्थानीय लोगों के साथ-साथ शहर में आने जाने वाले लोग भी इस अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर कर रहे हैं वही इस अभियान को बल देने के लिए विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष विमल सिंह ने सभी हिंदू भाइयों से इस मुहिम में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने की अपील की है। उनका कहना है कि यहां एक विशाल मां काली का मंदिर है जो काफी समय पहले मुगलों के समय बंद कर दिया गया था ,फिर खोला गया था। पुनः नदी में पानी भरने के कारण कुछ लोगों के वहां डूबने से घटना हुई थी। इस कारण मंदिर बंद कर दिया गया था, अब वहां पर अच्छे ढंग से गोमती नदी के तट का घाट बनकर तैयार हो गया

है ऐसे में पुनः मां काली के मंदिर को खोल देना चाहिए जिससे हम लोग पूजा अर्चना कर सके यदि प्रशासन इस पर ध्यान नहीं देता है तो हम इससे बड़ा आंदोलन चलाएंगे। वही इस मामले में इस पूरे अभियान के अग्रणी अम्बुजानंद महाराज ने मंदिर की दीवार न खोलने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी देते हुए कहा कि मां काली का मंदिर वहां स्थापित है। हम सनातनियों के लिए यह जरूरी है कि मंदिर को पुनः खोला जाए और वहां पूजा-अर्चना की जाए इस मामले को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन दिया गया है,जिसमें उन्होंने कुछ समय मांगा था यह बताया गया कि मामला पुरातत्व विभाग व पीडब्ल्यूडी के हाथ में है जो वाराणसी से संबद्ध है। यदि यहां बात नहीं बनती है तो हम लोग वाराणसी में भी मुलाकात करेंगे ।

प्रदेश के 128 केन्द्रों पर परीक्षाएं शुरू, कारागार में भी बंदियों ने दी परीक्षा

प्रयागराज, । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की सत्र दिसम्बर 2024 की परीक्षाएं शुक्रवार को पूरे प्रदेश के 128 केन्द्रों में शांतिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हुईं। प्रदेश के पांच कारागारों में भी बन्दियों ने परीक्षा दी। शुक्रवार को परीक्षा नियंत्रक कर्नल विनय कुमार ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थित त्रिवेणी सामुदायिक केंद्र स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा परीक्षा सम्बंधी सभी व्यवस्थाएं देखीं। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में पारदर्शिता के साथ परीक्षा प्रारम्भ हुई, जो 25 जनवरी तक चलेगी। जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रथम चरण में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा तथा शोध पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

वाराणसी: पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को कांग्रेसजनों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि, सरकार से की भारत रत्न देने की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी, । पूर्व प्रधानमंत्री और प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसजनों ने मैदागिन स्थित पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। जिला और महानगर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने उनकी महान शख्सियत को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेसजनों ने सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से डॉ. मनमोहन सिंह को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की। वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनके निधन से न केवल भारतीय राजनीति बल्कि वैश्विक स्तर पर भी एक अपूरणीय क्षति हुई है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह देश के सच्चे सपूत, सरल स्वभाव और ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। उनके कार्यकाल में भारत ने आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक पहचान बनाई। वित्त मंत्री के रूप में

आर्थिक उदारीकरण जैसे बड़े सुधार और प्रधानमंत्री के रूप में अधिकार आधारित राजनीति की शुरूआत उनके उल्लेखनीय योगदान हैं। जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने कार्यों से भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था में अद्वितीय योगदान दिया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में मनरेगा, परमाणु समझौता और शिक्षा एवं सूचना के अधिकार जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए। उनकी सादगी, सेवा भावना और ईमानदारी हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेंगी। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल और महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने किया। सभा का संचालन सतनाम सिंह और डॉ. राजेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। श्रद्धांजलि सभा में सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित थे, जिनमें प्रजानाथ शर्मा, गुलशन अली, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, अशोक सिंह, अनुराधा यादव, पीयूष श्रीवास्तव, और रामजी गुप्ता सहित अन्य कार्यकताओं ने नम आंखों से डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेसजनों ने डॉ. मनमोहन सिंह के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी स्मृतियां हमेशा जीवंत रहेंगी।

संक्षिप्त खबरें

चोरी का वाहन खरीदने का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में चोरी के वाहन खरीदने के आरोपी को अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस चौकी संजय कालोनी फरीदाबाद में दी अपनी शिकायत में ऋषि कुमार वासी सेक्टर- 23 ने बताया कि उसने 25/26 दिसंबर की रात को अपने ऑटो को अपने घर के बाहर खड़ा किया था, जो सुबह वहां से गायब मिला। जिसके संबंध में थाना मुजेसर में मामला दर्ज किया गया है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को चोरी के ऑटो सहित सेक्टर-56 एरिया से गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने ऑटो को किसी अनजान व्यक्ति से सेक्टर-55 एरिया से 10 हजार रुपए में खरीदा था। आपराधिक रिकॉर्ड चेक करने पर पाया गया कि आरोपी पर एक मामला अवैध हथियार का भी दर्ज है। पूछताछ के बाद आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। चोरी करने वाले की तलाश की जा रही है।

नशे के 160 इंजेक्शनों सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में नशे के इंजेक्शन उपलब्ध कराने वाले आरोपी को अपराध शाखा सेक्टर 65 की टीम ने गिरफ्तार किया है। 24 दिसंबर को आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू को सेक्टर 65/64 चौक के पास से 160 पेंटाजोसिन इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया था, जिसका मामला थाना आदर्श नगर में दर्ज किया गया था। आरोपी जितेंद्र उर्फ जीतू से पूछताछ में सामने आया कि वह नशे के इंजेक्शन होडल पलवल में नरेश उर्फ ललतेश से 60 प्रति इंजेक्शन के हिसाब से खरीद कर लाया था। अपराध शाखा टीम ने मामले में आगे कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेश उर्फ ललतेश को होडल रोहता पट्टी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि उसने नशे के 160 इंजेक्शन 9200 रुपए में बेच दिए थे। आरोपी परचून की दुकान का काम करता है। आरोपी को मामले में अधिक पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

ऑनलाइन ठगी मामले में 15 लोग गिरफ्तार

फरीदाबाद, । फरीदाबाद जिले में सेंट्रल साइबर क्राइम की टीम ने लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले 15 ठगों को नोएडा से गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक सभी आरोपी जामताड़ा इलाके के रहने वाले हैं, जिन्होंने अब तक लगभग करोड़ रुपए की ठगी की है। ठगों ने अलग-अलग तरीके से लोगों को शिकार बनाते हुए करोड़ों रूपए की चपत लगाई है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद पुलिस द्वारा आरोपियों का मेडिकल परीक्षण करवाया जाएगा, तत्पश्चात उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पलवल में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा लापता

पलवल, । पलवल में घर से कॉलेज में युवती संदिग्ध हालात में लापता हो गई। वह न तो कॉलेज पहुंची और न ही देर शाम तक घर लौटी। पुलिस ने युवती के पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही छात्रा का सुराग लगाकर उसके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। होडल थाना प्रभारी यशबीर सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी के निवासी पिता ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी 20 वर्षीय बेटी कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष में पढ़ाई करती है। 26 दिसंबर को रोजाना की तरह सुबह घर से कॉलेज के लिए गई थी, लेकिन जब देर शाम तक घर नहीं पहुंची तो उन्हें चिंता होने लगी। उन्होंने इस बारे में कॉलेज में पता किया तो उसकी बेटी सुबह से कॉलेज नहीं पहुंची और न ही घर वापस आई। उन्होंने इसके बाद छात्रा की अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लग सका तो उन्होंने इसकी शिकायत होडल थाना पुलिस को की। होडल थाना पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि टीम गठित कर छात्रा की तलाश शुरू कर दी है, जल्द ही छात्रा का सुराग लगाकर उसके परिजनों के हवाले कर दिया जाएगा।

सीएम योगी का बड़ा निर्देश : गृह विभाग की 50 करोड़ से अधिक की हर परियोजना का होगा थर्ड पार्टी ऑडिट

प्रात: किरण, संवाददाता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग की 50 करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाओं का तकनीकी संस्थान से थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि सचिव के स्तर से परियोजनाओं की साप्ताहिक व अपर मुख्य सचिव के स्तर से पाक्षिक समीक्षा की जाए। अनुबंध की शर्तें न मानने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं। गुरुवार को अपने आवास पर पुलिस विभाग के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। सूचना विभाग करना होगा भौतिक सत्यापन, शासन से होगी निर्माण परियोजनाओं की मॉनिटरिंग अनुबंध की शर्तों का अनुपालन न करने वाले ठेकेदारों को किया जाएगा ब्लैक लिस्ट राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग की 50 करोड़ रुपये से अधिक की सभी परियोजनाओं का तकनीकी संस्थान से थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सचिव के स्तर से परियोजनाओं की साप्ताहिक व अपर मुख्य सचिव के स्तर से पाक्षिक समीक्षा की जाए। साथ ही यह निर्देश भी दिए हैं कि कार्य की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संबंधित जिला, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों की भी होगी। अनुबंध की शर्तें न मानने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए हैं। कार्यदायी संस्थाओं में इंजीनियरों की कमी के चलते उन्होंने तकनीकी संस्थानों से या सेवानिवृत्त हो चुके अनुभवी इंजीनियरों की सेवाएं लेने की सहमति भी दी है। निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक गुरुवार को अपनी सरकारी आवास पर गृह विभाग की निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि परियोजनाओं का भौतिक सत्यापन भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों में निर्माणाधीन पुलिस लाइन, ट्रांजिट हास्टल अथवा प्रशिक्षण संस्थानों से जुड़े आवासीय व अनावासीय भवनों के निर्माण कार्यों के भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट के साथ संबंधित फोटो भी जमा होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य प्रारंभ होने के बाद परियोजना की डिजाइन में शासन से अनुमोदन के बिना किसी प्रकार का बदलाव न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बहुमंजिला इमारतों में अनिवार्य रूप से लिफ्ट लगाई जाए, और उसके संचालन के लिए कार्पस फंड बनाया जाए। अब तक जारी बजट की जोनवार समीक्षा निर्माण कार्यों के लिए अब तक जारी बजट की जोनवार समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फील्ड में ड्यूटी देने वाले पुलिसकर्मियों के निवास के लिए अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि संभल, हापुड़, चंदौली, औरैया, अमरोहा, शामली सहित नौ जिलों में अब तक स्थायी पुलिस लाइन नहीं हैं, इनका निर्माण कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीगढ़ पुलिस लाइन में ट्रांजिट हास्टल चार ब्लाक (जी 12) का निर्माण कार्य अप्रैल 2025 तक पूरा कर लें। इसी तरह, उन्नाव में निर्माणाधीन राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय और लखनऊ में वीरांगना ऊदादेवी महिला पुलिस बटालियन के आवासीय व अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा की 1वीं वाहिनी विशेष सुरक्षा बल, लखनऊ, अमेठी पुलिस लाइन, पीएसी महिला वाहिनी बदायूं, पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय मुरादाबाद और पीटीएस मेरठ गोरखपुर व सीतापुर की क्षमता दोगुनी की जाए। उन्होंने गौतमबुद्ध नगर में 49वीं वाहिनी पीएसी बटालियन, शामली में एक नई पीएसी वाहिनी की स्थापना, अयोध्या में विधि विज्ञान प्रयोगशाला, आवासीय पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मेरठ, आवासीय पीएसी महिला वाहिनी बदायूं तथा गोरखपुर में महिला पीएसी वाहिनी की स्थापना के लिए आवासीय व अनावासीय भवनों का निर्माण तय समय सीमा के भीतर पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

मोबाइल चोरी कर पैसे ट्रांसफर करने वाले गिरोह का आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । रेकी करने के बाद घर में घुसकर मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह के एक बदमाश को फेज दो थाने की पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। चोरी के मोबाइल से आरोपी रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर कर लेता था। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के पूर्वा मेधनीपुर निवासी कमल मांझी के रूप में हुई है। उसके दो साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि कमल और उसके साथियों का एक संगठित गिरोह है। गिरोह के सदस्य रेकी करने के बाद घरों में घुसकर मोबाइल चोरी करते हैं। कुछ समय पहले कमल और उसके साथियों ने थानाक्षेत्र स्थित एक घर से दंपती का मोबाइल चुराया था। वारदात के कुछ ही मिनट बाद कमल ने चोरी के मोबाइल से एक लाख चार हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। मामला प्रकाश में आने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गईं। पुलिस ने उस खाते को ट्रैक किया जिसमें आरोपियों ने रकम ट्रांसफर की थी। इसके बाद खाते में मौजूद 97 हजार रुपये को फ्रीज कराया गया। कमल मांझी लंबे समय से इस मामले में फरार चल रहा था। मुखबिर से मिली सूचना पर उसकी गिरफ्तारी दिल्ली से हुई। चोरी के मोबाइल को गिरोह के सदस्य राहगीरों को सस्ते दाम में बेच देते थे। चोरी के मोबाइल को आरोपियों से खरीदने वाले कुछ दुकानदारों के बारे में भी पुलिस को जानकारी मिली है। गिरफ्त में आए आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ एनसीआर क्षेत्र में घूम-फिरकर घरों की रेकी करता है और रात को मौका पाकर मोबाइल चोरी कर लेता है। साइबर संबंधी जानकारी के चलते आरोपी आसानी से मोबाइल हैक करके खातो में पैसे ट्रांसफर कर लेते थे। जब चोरी के कई मोबाइल एकत्र हो जाते हैं तो आरोपी उसे बेचने सुदूर राज्यों में भी चले जाते हैं। गिरफ्त में आए आरोपी का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है।

नोएडा के नामी सेक्टर में लगा बिजली के ट्रांसफॉर्मर से तेल चोरी

नोएडा, । जपनद गौतमबुद्ध नगर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के ट्रांसफॉर्मरों से तेल चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। ताजा मामला नोएडा के सेक्टर-51 डी-194 के पास लगे ट्रांसफार्मर का सामने आया है। इस बिजली के ट्रांसफॉर्मरों से दूसरी दफा तेल चोरी हुआ। इससे बिजली आपूर्ति पर असर पड़ा है। सेक्टर के लोगों को कई घंटे बिजली की समस्या से जूझना पड़ा। हालांकि शिकायत मिलने पर बिजली विभाग के अधिकारियों ने दूसरे ट्रांसफॉर्मरों से सेक्टर की बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से चालू कर दी है। सेक्टर-51 आरडब्ल्यूए के महासचिव संजीव कुमार ने बताया कि बिजली के ट्रांसफार्मर से तेल चुराने वाला शहर में कोई चोरों का गिरोह सक्रिय हैं। यह गिरोह ट्रांसफार्मर से तेल चुराने के साथ-साथ उसमें लगी कीमती धातु भी चुरा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि यह चोरों का कोई गिरोह है, जो तकनीकी रूप से बिजली सप्लाई के मैकेनिज्म के भी जानकार हैं।

ये चोर चलती लाइन में यह कारगुजारी कर डालते हैं।

उन्होंने बताया कि दोबारा डी 194 के सामने लगे ट्रांसफार्मर का तेल चोरी होने के मामले की शिकायत एसडीओ और जेई से की गई है।

उन्होंने बताया एसडीओ और जेई ने कहा है कि पहले तेल चोरी की संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी, उसके उपरांत ही स्टोर से तेल प्राप्त होगा और ट्रांसफार्मर में डाला जाएगा।

वहीं लगातार हो रही चोरियों को रोक पाना पुलिस के लिए चुनौती बनी है।

लव जिहाद और लडकी के आत्मदाह मामले में दो आरोपियों को अग्रिम जमान

गाजियाबाद, । तकरीबन 15 दिन पहले एक युवती की आत्मदाह के बाद हुई मौत के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी फराज अतर के परिवार के दो सदस्यों को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी है। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के चौहान बांगर निवासी फराज अतर ने उनकी बेटी को प्रेमजाल में फंसा कर लंबे समय तक शोषण किया। युवती के पिता ने बताया कि फराज ने खुद को अविवाहित बताया और कई झूठे वादे किए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि फराज ने उनकी बेटी को ड्रग्स देकर शारीरिक शोषण किया और जबरन इस्लामिक रीति-रिवाज अपनाने का दबाव बनाया। 30 वर्षीय युवती ने आत्महत्या से एक दिन पहले, 10 दिसंबर को अपने पिता से कहा था कि फराज उसे धोखा दे रहा है। उसने बताया कि फराज उसे ड्रग्स देकर रेप करता था और यातनाएं देता था। युवती ने आरोप लगाया कि फराज ने उससे जबरदस्ती पैसे भी ऐंठे। इन सबके कारण वह मानसिक रूप से टूट चुकी थी और परेशान होकर उसने 11 दिसंबर को आत्मदाह कर लिया। पिता ने कविनगर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मुख्य आरोपी फराज अतर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया, लेकिन आरोपी के परिवार के अन्य सदस्यों—भाई कासिफ, मां माहे तलत और बहन सना के खिलाफ भी मामला दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। युवती के पिता ने कहा कि उनकी बेटी की जान चली गई, लेकिन न्याय की लड़ाई अभी बाकी है। उन्होंने पुलिस और न्यायालय से ठोस कदम उठाने की अपील की। उनका कहना है कि आरोपी और उनके परिवार के सदस्य उन्हें धमका सकते हैं और गवाही बदलने के लिए दबाव डाल सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने आरोपी परिवार के दो सदस्यों को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी है। इससे पीड़ित परिवार में चिंता और बढ़ गई है। पिता ने सवाल उठाया कि क्या हमारी बेटियां ऐसे ही मरती रहेंगी और क्या हमें भी मजबूर होकर कोई कठोर कदम उठाना पड़ेगा।

नोएडा डीएम ने ली अफसरों की मीटिंग : एक महीने के काम की रिपोर्ट मांगी, कमी मिलने पर लगाई फटकार

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट में ॑निपुण भारत मिशन॑ के तहत जिला स्तरीय टास्क फोर्स और जिला अनुश्रवण समिति की मासिक बैठक हुई। इस बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने पावर प्रेजेंटेशन के जरिए शिक्षा विभाग द्वारा अब तक किए गए काम की प्रगति की जानकारी जिलाधिकारी को दी। डीएम ने अधिकारियों के निर्देश भी दिए। अधिकारियों को दिए निर्देश डीएम ने निपुण भारत मिशन के तहत सरकारी विद्यालयों के परिसर के कायाकल्प और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के लिए बैठक की। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद के सभी विद्यालयों के कायाकल्प को सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी जोर दिया कि यह कार्य तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। इसके अलावा, जिन विद्यालयों में कायाकल्प कार्य प्रगति पर हैं। उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ताकि काम में किसी भी तरह की कमी न रह सके। विद्यालयों के निरीक्षण पर जताई नाराजगी इसके अलावा, जिलाधिकारी ने जिला टास्क फोर्स द्वारा विद्यालयों के निरीक्षण की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर निरीक्षण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को यूनिफॉर्म, जूते और मोजे के लिए डीबीटी के माध्यम से धनराशि प्रदान की जाती है। इसके लिए अध्यापकों को यह मॉनिटरिंग करनी चाहिए कि बच्चों ने यह सामान खरीदा है या नहीं। डीएम ने निर्देश दिया कि अधिकारी शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाएं और सुनिश्चित करें कि शिक्षा से संबंधित योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पात्र छात्रों को मिले। बैठक में ये सभी रहे मौजूद जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मील की गुणवत्ता तय मानकों के अनुरूप हो और छात्रों को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएं। उन्होंने विद्यालयों में शिक्षा और अन्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। बैठक का सफल संचालन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने किया। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, डायट प्राचार्य राज सिंह यादव, यमुना और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी, शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री डीपी यादव बोले- महात्मा गांधी और डॉ.राममनोहर लोहिया जैसा कोई नहीं

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । पूर्व मंत्री डीपी यादव ने सामाजिक न्याय को मजबूत लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त बताते हुए कहा कि महात्मा गांधी और डॉ.राममनोहर लोहिया जैसे महान नेताओं ने इस विचारधारा को सदैव प्राथमिकता दी। नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में एक बैठक के दौरान यादव ने कहा, समाज में व्याप्त असमानताओं और भिन्नताओं को दूर किए बिना लोकतंत्र को सशक्त नहीं बनाया जा सकता। सामाजिक न्याय का सिद्धांत सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव पर चर्चा यह बयान उस समय दिया गया जब सामाजिक न्याय फोरम के वरिष्ठ वकील और पदाधिकारी यादव से मिलने पहुंचे। इस अवसर पर फोरम ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। जिसमें डीपी यादव को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाएगा। सामाजिक न्याय फोरम के प्रयासों की सराहना फोरम के प्रतिनिधियों ने बताया कि वे आगामी चुनाव में समाज को सही दिशा देने और असमानता को खत्म करने के लिए अपने प्रत्याशी उतारने की योजना बना रहे हैं। इस पहल में डीपी यादव के समर्थन और मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फोरम के प्रमुख सदस्य महेंद्र सिंह आर्य और नरेंद्र चौधरी ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में सुधार करना और समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करना है। सभी वर्गों को साथ लेकर चलना आवश्यक : डीपी यादव फोरम के प्रयासों की सराहना करते हुए यादव ने कहा, समाज का असली मतलब सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में है। जब समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए ईमानदारी से काम होता है तो इससे लोकतंत्र मजबूत होता है।॑ उन्होंने फोरम की योजनाओं को समाज में समानता और समरसता लाने के प्रयासों के रूप में सकारात्मक कदम बताया। लोकतंत्र को सशक्त करने का मार्ग इस बैठक में यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय का प्रसार केवल राजनीतिक एजेंडा नहीं है, बल्कि यह समाज के हर व्यक्ति को गरिमा और अधिकार प्रदान करने का माध्यम है। उन्होंने आगे कहा, सामाजिक न्याय के बिना लोकतंत्र अधूरा है। यह पहल समाज के कमजोर वर्गों को एक नया मंच और नई पहचान देने का कार्य करेगी।

पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर मुख्य सचिव ने की समीक्षा

गाजियाबाद, । 29 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गाजियाबाद दौरा प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नमो भारत ट्रेन में साबिबाद रेलवे स्टेशनसे सफर कर दिल्ली आनंद विहार तक जाएंगे। जहां वह इस आगे के प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाएं। पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसी से लेकर स्थानीय कमिश्नरेट पुलिस भी तैयारियों में जुटी है। इसी कड़ी में आज उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए मेरठ मंडल की आयुक्त सेल्वा कुमारी जे, डीएम इन्द्र विक्रम सिंह, सीडीओ अभिनव गोपाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कार्यक्रम में सम्बंध में प्रोग्राम स्थल की तैयारियों, हिंडन एयरपोर्ट से स्टेशन तक के रूट आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही कड़े निर्देश दिए कि सुरक्षा को लेकर कोई कोताही न बरती जाएं। करीब एक घंटे तक चली वीडियो कांफ्रेसिंग में प्रशासनिक अधिकारियों की डयूटी आदि को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के उपरांत मंडलायुक्त ने डीएम कक्ष में चल रहे निर्माण कार्य का अवलोकन किया व मुख्यालय का भी निरीक्षण किया। इसके बाद मंडलायुक्त ने पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर वहां सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने एयरपोर्ट से साहिबाबाद स्टेशन तक के पीएम के काफिले का रूट मार्ग परखा। सडकों की मरम्मत, सौंदर्यीकरण कार्य, सफाई व्यवस्था को लेकर भी कड़े निर्देश दिए। पीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों की डयूटी भी निर्धारित की गई हैं। बैठक में नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, एडीएम सिटी गंभीर सिंह, एडीएम एलए विवेक मिश्र, एसडीएम अरूण दीक्षित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

फरीदाबाद में आठ वर्षीय बच्ची से किराएदार ने किया रेप का प्रयास

फरीदाबाद, । फरीदाबाद में आठ साल की मासूम बच्ची के साथ 55 वर्षीय किराएदार ने अकेला पाकर रेप करने की कोशिश की। बच्ची ने अपनी आप बीती मामा को बताई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना गुरुवार रात डबुआ कॉलोनी इलाके की है। आरोपी की पहचान उदय के नाम से हुई है पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि बच्ची अपने नाना के घर पर थी। आरोपी उदय उसी के नाना के मकान के ऊपर किराए पर रहता है। जब बच्ची नीचे आई, तो बच्ची के मामा ने डरी सहमी बच्ची से पूछा तब उसने बताया कि अंकल ने उसे गलत तरीके से पकड़ा और गलत काम करने की कोशिश की है, जिसके बाद बच्ची के मामा ने किराएदार की पिटाई की और पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मौके कर पहुंची पुलिस ने आरोपी किराएदार को हिरासत में लेकर बच्ची का बादशाह खान सिविल अस्पताल में बीती रात मेडिकल करवाया जहां से बच्ची को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पलवल पुलिस ने नष्ट की अवैध रूप से पकड़ी शराब

पलवल, । पलवल पुलिस ने अलग-अलग केसों में बरामद शराब को नष्ट कर दिया। डीएसपी हथीन सुरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि जिले के विभिन्न थानों में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वालों व दूसरे स्थानों पर ले जाने वाली पकड़ी गई शराब को नष्ट किया गया है। अवैध शराब को नष्ट करने के लिए बनाई टीम के इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, मलखान सिंह, एक्साइज इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह की देखरेख में नष्ट किया गया। उन्होंने बताया कि एसपी ने सभी प्रबंधक थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि जिस भी थाना का माल मुकदमा पेंडिंग है, उन सभी का कोर्ट के माध्यम से निपटारा करवा कर माल मुकदमे को नष्ट करवाया जाए, ताकि थानों की साफ-सफाई को भी दुरुस्त करवाया जा सके। इसी कड़ी में गदपुरी एवं हथीन द्वारा आबकारी अधिनियम के तहत पकड़ी गई कुल 86 मुकदमों में पकड़ी गई देसी व अंग्रेजी शराब के 1197 बोतल, 596 आधे, 6501 पव्वे व बीयर की 814 बोतलों को अशोका डिस्ट्रिलीज हथीन में क्षतिग्रस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि ये निर्णय पुलिस कर्मचारियों की स्वास्थ्य को देखते हुए लिया गया है। पुरानी शराब के कारण मालखाना में बदबू हो जाती है। मालखाना से अन्य माल मुकदमा निकालने में भी परेशानी होती है।

फर्जी वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, वॉट्सएप कॉल कर हड़पे 13 लाख

पलवल, । पलवल जिले में वॉट्सएप पर वीडियो कॉल कर महिला के साथ फर्जी अश्लील वीडियो बनाकर एक युवक को ब्लैकमेल कर करीब 13 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। 13 लाख रुपए देने के तीन दिन बाद उसके पास एक व्यक्ति ने पुलिस अधिकारी बनकर फोन किया और कहा कि जिस लड़की की अश्लील वीडियो तेरे साथ है, उसने आत्महत्या कर ली है। समझौता कराने के नाम पर और पैसों की मांग की। जिसकी शिकायत उसने साइबर क्राइम के पोर्टल पर की, तो साइबर क्राइम थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी नवीन कुमार ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि शहर थाना क्षेत्र के रहने वाले विपिन नामक एक युवक ने पोर्टल पर दी अपनी शिकायत में कहा कि उसके वॉट्सएप पर एक वीडियो कॉल आई। जिस पर एक महिला उससे बात करने लगी और उक्त महिला ने उसकी फर्जी के खिलाफ उसके साथ एक फर्जी अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वॉट्सएप पर कई नंबरों से कॉल आने लगी और उसे बदनाम करने का भय दिखाकर डरा-धमका कर उससे 13 लाख रुपए हड़प लिए। उसके तीन दिन बाद फिर उसके पास एक फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि वह पुलिस अधिकारी बोल रहा है, जिस लड़की के साथ तेरी अश्लील वीडियो है, उस लड़की ने आत्महत्या कर ली है। उस व्यक्ति ने मोबाइल पर कुछ फर्जी फोटो भी भेजे, ताकि वह डर जाए। उसने इसकी शिकायत साइबर क्राइम थाने के पोर्टल पर कर दी। आरोपी के पैसे न भेजने पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की धमकी दी। जिसके आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शराब ठेके का ताला तोड़कर कैश चोरी

ग्रेटर नोएडा, । सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के गुलिस्तानपुर गांव में स्थित एक शराब ठेके का ताला तोड़कर कैश चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। ठेका संचालक ने इसकी शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रानोली लतीफपुर गांव के रहने वाले कपिल बंसल ने पुलिस से शिकायत की है। कपिल बंसल ने पुलिस को बताया कि गुलिस्तानपुर गांव में उनका अंग्रेजी शराब का ठेका है। कपिल ने बताया कि वह मंगलवार की रात दुकान का ताला लगाकर अपने घर चले गए थे। अगले दिन सुबह दुकान पर पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ था। शटर खोलकर अंदर जाकर देखा तो गल्ले में रखा कैश चोरी हो गया। पीड़ित ने इसकी शिकायत तुरंत पुलिस से की। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की, लेकिन चोरों का कोई पता नहीं चला। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि ठेका संचालक की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस दुकान के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देख रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

45 वर्षीय व्यक्ति 5 साल की बच्ची के साथ मिटाना चाहता था हवस, पुलिस ने भेजा जेल

ग्रेटर नोएडा, । जिले में 5 वर्षीय बच्ची के साथ रेप की कोशिश करने वाले आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। अगर मौका मिल जाता तो 43 साल का व्यक्ति 5 साल की बच्ची के साथ हैवानियत की वारदात को अंजाम दे देता। ग्रेटर नोएडा की दनकौर थाना पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है। जांच में पुलिस को पता चला है कि आरोपी व्यक्ति चॉकलेट के बहाने वारदात को अंजाम देना चाहता था। आरोपी व्यक्ति चॉकलेट देने की लालच देकर अपने साथ बच्ची को ले गया था, लेकिन बच्ची के शोर मचाने पर लोग मौके पर पहुंचे। जिसके बाद भीड़ ने आरोपी के साथ मारपीट कर दी। पिटाई के बाद आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी की पहचान जलसिंह उर्फ लीली के रूप में हुई है। आरोपी और पीड़िता पड़ोस में रहते है। आरोपी का पहले से पीड़ित बच्ची के घर आना-जाना है। बच्ची को खेलते समय अकेला पाकर उसको चॉकलेट खिलाने का लालच दिया और अपने साथ किसी अन्य घर में ले गया। फिलहाल आरोपी जेल पहुंच गया है।

राथन के इंटरनेशनल खिलाड़ी के साथ दबंगों ने की मारपीट

नोएडा, । थाना फेस-वन में एक इंटरनेशनल मैराथन के खिलाड़ी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-10 में अपनी गाड़ी साइड लगा रहा था, तभी पीछे से कुछ लोग आए, और उन्होंने तेज गति से हार्न बजाना शुरू कर दिया। इसी बीच तीन लोग कार से उतरकर आए तथा उसे गाली देने लगे। जब उसने विरोध किया तो उन्होंने कार से उतारकर पीटना शुरू कर दिया। आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। थाना फेस-वन के प्रभारी निरीक्षक अमित भड़ाना ने बताया कि विपिन कुमार पुत्र रामावतार सिंह निवासी जनपद कन्नौज उम्र 36 वर्ष ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह मैराथन के इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। पीड़ित के अनुसार 25 दिसंबर को वह सेक्टर-10 के डी-ब्लॉक स्थित एक कंपनी के बाहर अपनी गाड़ी साइड में लगा रहे थे। तभी कुछ लोग पीछे से कार में सवार होकर आए तथा बार-बार तेज गति से हार्न बजाने लगे। कार से तीन लोग उतरकर नीचे आए तथा उसे गाली देने लगे। जब उसने इस बात का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। इसी बीच मौके पर भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए।

सोनू सूद की फिल्म फतेह का रोमांटिक गाना 'रुआ रुआ' रिलीज

प्रात : किरण/ एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता-निर्देशक सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का रोमांटिक गाना 'रुआ रुआ' रिलीज हो गया है।

सोनू सूद की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म फतेह ने अपने दिल को छू लेने वाले रोमांटिक गाना 'रुआ रुआ' के रिलीज के साथ ही लोगों के दिलों को धड़का दिया है। हारून-गेविन की जोड़ी में रचित, स्टेबिन बेन और रूपाली मोघे का जोश से भरे अंदाज में गाया गया और मनदीप खुराना का लिखा गया यह नया गाना प्यार के उस सार को दर्शाता है जो सीमाओं से परे है। दिल को छू लेने वाले इस गाने के रिलीज से पहले सोनू सूद ने स्टेबिन बेन के साथ मिलकर आईआईटी बॉम्बे का दौरा किया। स्टेबिन ने जब छात्रों के लिए लाइव 'रुआ रुआ' गाया तो भीड़ खुशी से झूम उठी और वे मंत्रमुग्ध हो गए। सोनू सूद ने साझा किया: रजहां फतेह एक ऐसे

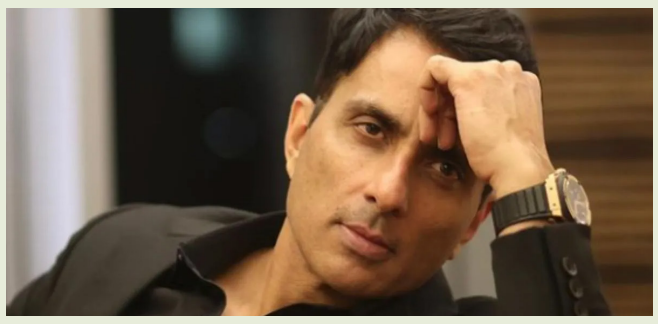

व्यक्ति की कहानी है जिसका अतीत अंधकारमय और वर्तमान खूनी है, वहीं 'रुआ रुआ' में प्रेम की कोमलता और सार है। यह गीत वातावरण को रोमांस से भर देता है, और मुझे उम्मीद है कि 'रुआ रुआ' उन सभी के लिए एक विशेष गान बन जाएगा जो प्रेम की शक्ति में विश्वास करते हैं। स्टेबिन बेन ने कहा, फतेह के लिए 'रुआ रुआ' गाना वास्तव में अवास्तविक था। यह एक ऐसा गीत है जो हर उस व्यक्ति के साथ जुड़ता है जो प्यार में पड़ा है। मेरा मानना है कि यह श्रोताओं के साथ एक कच्चा, भावनात्मक जुड़ाव बनाएगा, जो वास्तव में जादुई है। अब जब ट्रैक रिलीज हो गया है, तो मैं यह सुनने के लिए उत्सुक हूं कि श्रोता इसके बारे में क्या सोचते हैं।रूपाली मोघे ने कहा,स्टेबिन के साथ फतेह के प्रेम गीत को गाना सम्मान की बात थी। 'रुआ रुआ' रोमांस का जश्न मनाता है और यह हमारे बीच सबसे मजबूत लोगों को भी कमजोर बना देता है। मैं श्रोताओं के लिए रोमांचित हूँ कि वे इस गीत में हमारे द्वारा डाली गई गहरी भावनाओं का अनुभव करें। शक्ति सागर प्रोडक्शंस की सोनाली सूद और जी स्टूडियो के उमेश केआर बंसल निर्मित और अजय धामा सह-निर्मित और सोनू सूद निर्देशित फिल्म फतेह साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक एक्शन कहानी है जो 10 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह की भी अहम भूमिका है।

संक्षिप्त खबरें

सीआईडी का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करते हैं आदित्य श्रीवास्तव

मुंबई। लोकप्रिय सीरियल सीआईडी में सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत का किरदार निभाने वाले आदित्य श्रीवास्तव का कहना है कि वह सीआईडी का हिस्सा बनकर गर्व महसूस करते हैं। क्लासिक क्राइम ड्रामा सीआईडी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर वापस आ गया है, जिससे कई लोगों की बीते जमाने की यादें ताजा हो गई हैं। यह शो, जिसने दो दशकों से अधिक समय तक दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है, अब हर शनिवार और रविवार रात 10 बजे चैनल पर प्रसारित हो रहा है। शो के साथ ही इसकी प्रसिद्ध तिकड़ी, शिवाजी साटम, आदित्य श्रीवास्तव, और दयानंद शेट्टी वापस आ गए हैं, जो एसीपी प्रद्युमन और सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत और दया की भूमिकाएं दोबारा निभा रहे हैं, जिससे उनके फैंस बेहद खुश हैं। आदित्य श्रीवास्तव ने बताया,सीआईडी की विरासत कुछ ऐसी है जिस पर मुझे बेहद गर्व है। यह देखने का अनुभव बेहद सुखद है कि सीआईडी ने दर्शकों के साथ एक अनोखा रिश्ता बना लिया है। शो का प्रभाव केवल उन मामलों तक सीमित नहीं है जो हमने सुलझाए हैं, बल्कि यह किरदारों, उनके आपसी संबंधों, और दर्शकों से कनेक्ट करने के हमारे तरीके के बारे में है। इतने सालों से, सीआईडी एक घरेलू नाम बन गया है, इसके प्रतिष्ठित किरदार और उनके यादगार डायलॉग दर्शकों के मन में बस गए हैं। यही सांस्कृतिक छाप इस शो की असल ताकत को दर्शाती है।इतने लंबे अंतराल के बाद सीआईडी को स्क्रीन पर वापस देखना हम सभी के लिए एक भावुक पल था, जैसे कि किसी पुराने दोस्त से फिर से मिलने पर जो एहसास होता है बिल्कुल वैसा ही। जब पहला एपिसोड प्रसारित हुआ, तो मैं यह सोचने से खुद को रोक नहीं पाया कि शो कितना विकसित हो गया है, लेकिन इसके साथ ही यह अपनी जड़ों से भी जुड़ा हुआ है।

शालिनी पांडे ने 'डब्बा कार्टेल' के लिए डबिंग शुरू की

मुंबई। अभिनेत्री शालिनी पांडे ने वेबसीरीज डब्बा कार्टेल के लिए डबिंग शुरू कर दी है। शालिनी पांडे ने फिल्म महाराज में किशोरी के रूप में अपने प्रदर्शन के लिए इस साल व्यापक प्रशंसा हासिल की। इसके बाद फैंस और दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह आगे क्या रोमांचक लेकर आएंगी। हाल ही में एक सरप्राइज में, शालिनी ने फैंस और दर्शकों को डबिंग स्टूडियो से एक तस्वीर के साथ बताया है कि उन्होंने अपनी अगली बहुप्रतीक्षित डब्बा कार्टेल के लिए डबिंग शुरू कर दी है। शालिनी पांडे ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर तस्वीर को एक कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें लिखा है, स्ट्रेंजली लाइक टू डब नाउ एंड दिस वन इज स्पेशल डब्बाकार्टेल।इस फोटो ने दर्शकों को अपनी पसंदीदा शालिनी पांडे को स्क्रीन पर बिल्कुल नए अवतार में देखने के लिए उत्साहित कर दिया है।

साजिद नाडियाडवाला ने सिकंदर का पोस्टर रिलीज कर सलमान खान के फैंस को दिया तोहफा

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म सिकंदर का पोस्टर रिलीज कर सलमान खान के फैंस को तोहफा दिया है। सलमान खान स्टारर सिकंदर का पहला लुक सामने आ गया है। साजिद नाडियाडवाला की अगली फिल्म सिकंदर का फर्स्ट पोस्टर सलमान खान के जन्मदिन के अवसर पर जारी कर दिया गया है। निदेशक ए.आर. मुरुगडोस, जो अपनी शानदार फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म में सलमान खान को एक नए और अलग अवतार में पेश करने के लिए तैयार हैं।

मनमोहन सिंह के निधन पर फिल्मी सितारों ने जताया दुख

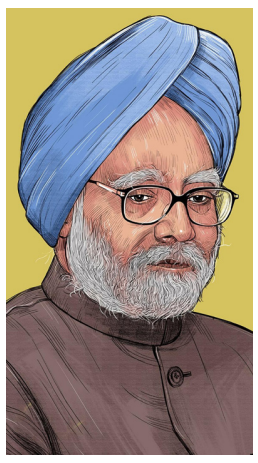

प्रात : किरण/ एजेंसी

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर फिल्म जगत की तमाम हस्तियों ने शोक जताया। सनी देओल, कपिल शर्मा, दिलजीत दोसांझ, मेगा स्टार चिरंजीवी समेत अन्य सितारों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

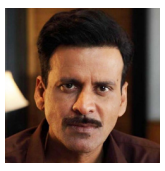

हमारे पूर्व प्रधानमंत्री के निधन से दुखी हूं। एक राजनेता जिसका हमारे देश के विकास के हर पहलू में योगदान रहा, हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना।

-मनोज बाजपेयी

भारत के आर्थिक उदारीकरण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दूरदर्शी नेता डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ। देश के विकास में उनकी बुद्धिमत्ता, ईमानदारी और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

-सनी देओल

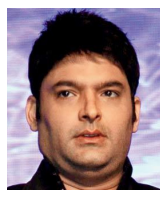

भारत ने आज अपने बेहतरीन नेताओं में से एक को खो दिया। भारत के आर्थिक सुधारों के निमार्ता और ईमानदारी और विनम्रता के प्रतीक डॉक्टर मनमोहन सिंह अपने पीछे प्रगति और उम्मीद की विरासत छोड़ गए हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, समर्पण और दूरदर्शिता ने हमारे देश को बदल दिया। शांति डॉ. सिंह। आपके योगदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। वाहेगुरु।

-कपिल शर्मा

एक विद्वान-राजनेता, भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार, उनकी बुद्धि और विनम्रता ने हमारे राष्ट्र के ताने-बाने पर एक अमिट छाप छोड़ी। डॉक्टर मनमोहन सिंह जी की आत्मा को शांति मिले। सतनाम वाहे गुरु।

-निमरत कौर

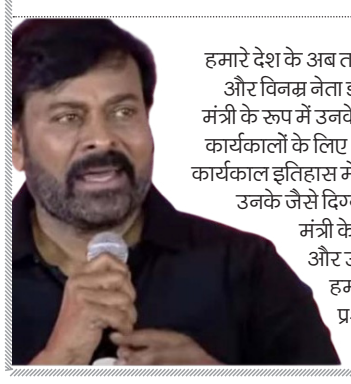

हमारे देश के अब तक के सबसे महान राजनेताओं में से एक, शालीन, मृदुभाषी और विनम्र नेता डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के निधन से गहरा दुख हुआ! वित्त मंत्री के रूप में उनके दूरदर्शी और परिवर्तनकारी योगदान और फिर लगातार दो कार्यकालों के लिए भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में उनका अत्यधिक सफल कार्यकाल इतिहास में अंकित रहेगा। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे उनके जैसे दिग्गज के कार्यकाल के दौरान संसद सदस्य और पर्यटन राज्य मंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला। मैं उनके साथ बातचीत और उनसे मिली प्रेरणा और ज्ञान को हमेशा संजोकर रखूंगा। यह हमारे देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके परिवार और उनके प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-चिरंजीवी

डॉक्टर मनमोहन सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं। भारत के लिए उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

-संजय दत्त

डॉक्टर मनमोहन सिंह जी का निधन एक युग का अंत है। भारत के आर्थिक सुधारों के निमार्ता के रूप में सार्वजनिक सेवा के प्रति उनके समर्पण ने आधुनिक भारत को आकार दिया है। उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ओम शांति।

-मधुर भंडारकर

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन से गहरा दुख हुआ, जिनके गरिमामय नेतृत्व और भारत के आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका ने देश को बदल दिया। उनकी बुद्धिमत्ता और ईमानदारी को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।

-रणदीप हुड्डा

आज हमने भारत के सबसे बेहतरीन प्रधानमंत्रियों में से एक को खो दिया। वह व्यक्ति जिसने भारत की आर्थिक वृद्धि को गति दी। वह गरिमा और विनम्रता का प्रतीक था। हम हमेशा उनकी विरासत के ऋणी रहेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। धन्यवाद मनमोहन सिंह जी।

-रितेश देशमुख

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की दुखद खबर मिली। मैं भगवान श्रीराम से प्रार्थना करता हूं कि पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। ओम शांति मनमोहन सिंह।

-रवि किशन

ईमानदार, महान अर्थशास्त्री और बहुत विनम्र व्यक्ति थे डॉ मनमोहन सिंह : अनुपम खेर

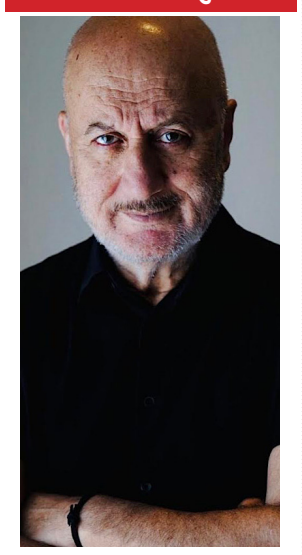

पूर्व पीएम के निधन पर खेर दुखी हैं। अपना कष्ट उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से साझा किया। उन्हें विनम्र अर्थशास्त्री और ईमानदार व्यक्ति बताया। अभिनेता कहते नजर आए, मैं अभी देश से बाहर हूं और मुझे यह दुखद खबर मिली। मैंने उनके जीवन के साथ लगभग डेढ़ साल गुजारा है, जब कोई अभिनेता किसी किरदार को निभाता है तो उस शख्स के बाहरी चीजों को लेकर तो अध्ययन करता ही है, साथ ही वह उस शख्स के अंदर भी झांकता है। मनमोहन सिंह एक कमाल की शख्सियत थे।

वीडियो संदेश के साथ खेर ने लंबा चौड़ा टेक्स्ट लिखा। जिसमें उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ! फिल्म द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर के लिए एक साल से ज्यादा समय तक उनके जीवन का अध्ययन करने के बाद, मुझे लगा कि मैंने उनके साथ वाकई बहुत समय बिताया है। वह स्वभाव से एक अच्छे इंसान थे। वह पूरी तरह से ईमानदार, महान अर्थशास्त्री और बहुत विनम्र व्यक्ति थे। कुछ लोग कह सकते हैं कि वे एक चतुर राजनीतिज्ञ नहीं थे! उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ओम शांति।

किसी भी फिल्म या किसी सत्य घटना से इंस्पायर नहीं है लव इज फॉरएवर : राहुल बी कुमार

प्रात : किरण/ एजेंसी

मुंबई। अभिनेता राहुल बी कुमार का कहना है कि उनकी आने वाली हॉरर फिल्म लव इज फॉरएवर किसी भी फिल्म या किसी सत्य घटना से इंस्पायर नहीं है।

राहुल बी कुमार इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म लव इज फॉरएवर को लेकर चर्चा में हैं।राहुल बी कुमार ने बताया,लव इज फॉरएवर किसी भी फिल्म या किसी सत्य घटना से इंस्पायर नहीं है। यह पूरी तरह से काल्पनिक फिल्म है।फिल्म देखने के बाद दर्शकों को शाहरुख खान की डर और नाना पाटेकर की फिल्म अग्नि साक्षी की याद आएगी, लेकिन यह फिल्म उससे काफी अलग है।इस फिल्म में मेरी बहुत ही अहम भूमिका है। इसमें मेरी कॉलेज स्टूडेंट की भूमिका है। जिस लड़की को पसंद करता हूं उसी से शादी हो जाती है। उसके बाद उसके जीवन में क्या-क्या घटित होता है। यह फिल्म देखने के बाद पता चलेगा। यह अब बनी हॉरर फिल्मों से काफी अलग है।

राहुल बी कुमार ने बताया, इस फिल्म में काम करने का बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। यह उस तरह की हॉरर फिल्म नहीं है, जिस तरह की हॉरर फिल्में महेश भट्ट बनाते हैं।

27 दिसंबर को दिखाई जाएगी फिल्म काटेरा

प्रात : किरण/एजेंसी

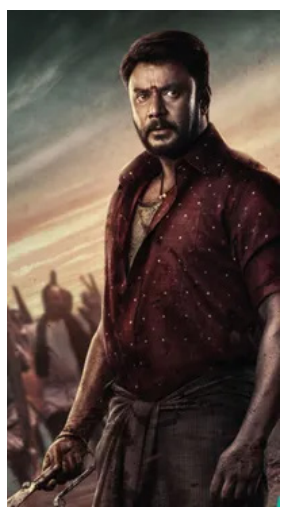

मुंबई। फिल्म काटेरा जी सिनेमा पर 27 दिसंबर को दिखाई जाएगी। जी सिनेमा लेकर आ रहा है एक ऐसी फिल्म, जो साहस, संघर्ष और उम्मीद की अनोखी दास्तान बयां करती है। निर्देशक तरुण सुधीर की पेशकश काटेरा, जिसमें सुपरस्टार दर्शन, खूबसूरत आराधना राम, और दमदार विलेन जगपति बाबू अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। फिल्म काटेरा की कहानी एक साधारण लोहार काटेरा की है , जो लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनता है। वो अत्याचारी जमींदार देवराय के खिलाफ डटकर खड़ा होता है। काटेरा किसानों को उनकी जमीन का हक दिलाने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी अत्याचार और न्याय के बीच की लड़ाई दिखाती है। इसमें अन्याय सहने वालों की ताकत और सत्ता के घमंड का संघर्ष है, जो हौसले और पक्के इरादों की मिसाल बन जाता है।

दर्शन का दमदार अभिनय काटेरा के किरदार को दमदार बना देता है, जो उनकी ताकत और संवेदनशीलता दोनों को दिखाता है। वहीं, जगपति बाबू अपने खतरनाक किरदार में हर सीन में रोमांच और तनाव बढ़ा देते हैं। इस फिल्म में आपको देखने को मिलेंगे शानदार डायलॉग्स, जबर्दस्त एक्शन, जज्बातों का सैलाब और लाजवाब सिनेमैटोग्राफी, जो इसे एक यादगार अनुभव बनाते हैं। फिल्म काटेरा, शुक्रवार 27 दिसंबर को रात 8 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर दिखाई जाएगी।

टला सलमान खान की सिकंदर का टीजर

प्रात : किरण/ एजेंसी

मुंबई। सलमान खान के 59वें जन्मदिन के मौके पर शुक्रवार को रिलीज होने वाला सिकंदर का टीजर अब टल गया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है।

एआर मुरुगादॉस के निर्देशन में तैयार एक्शन-थ्रिलर अब 28 दिसंबर को सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर ऑनलाइन प्रीमियर के लिए तैयार है। यह जानकारी नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के आधिकारिक एक्स हैंडल द्वारा दी गई।

नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के अनुसार, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन के मद्देनजर, हमें यह घोषणा करते हुए खेद है कि सिकंदर के टीजर की रिलीज को टाल दिया गया है। अब यह 28 दिसंबर की सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर सामने आएगा।

साजिद नाडियाडवाला ने आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर का हाल ही में सोशल मीडिया पर फर्स्ट लुक पोस्टर जारी किया था।

साजिद नाडियाडवाला ने फिल्म का निर्माण किया है। वहीं, एआर मुरुगादॉस ने निर्देशन किया है। सलमान खान की फिल्म को एक्शन, ड्रामा और इमोशन का मिश्रण बताया जा रहा है। शुक्रवार को केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की, जिनका 26 दिसंबर को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गृह मंत्रालय ने 1 जनवरी, 2025 तक पूरे भारत में सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। पूर्व प्रधानमंत्री का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

हैप्पी बर्थडे

बॉलीवुड में सुल्तान सलमान खान का आज भी चलता है सिक्का, पहली ही फिल्म मैंने प्यार किया के लिए मिला था नेशनल अवॉर्ड

59 वर्ष के हुये बॉलीवुड दबंग सलमान खान

प्रात : किरण/ एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता सलमान खान आज 59 वर्ष के हो गये। 27 दिसंबर 1965 को मुंबई में जन्में सलमान खान का मूल नाम अब्दुल राशिद सलीम सलमान खान है और उनके पिता सलीम खान फिल्म इंडस्ट्री के जानेमाने पटकथा एवं संवाद लेखक हैं। सलमान ने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1988 में प्रदर्शित फिल्म बीवी हो तो ऐसी से की।इस फिल्म में उन्होंने छोटी सी भूमिका निभायी थी।वर्ष 1989 में सलमान को राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म मैंने प्यार काम में काम करने का अवसर मिला। युवा प्रेम कथा पर आधारित इस फिल्म में सलमान और भाग्यश्री की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी फिल्म मैंने प्यार किया सुपरहिट साबित हुई। इस फिल्म के लिये सलमान को फिल्म फेयर का सर्वश्रेष्ठ मेल डेब्यू अभिनेता का भी पुरस्कार मिला।

फिल्म मैंने प्यार किया की सफलता के बाद सलमान खान दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने में कुछ हद तक सफल हो गये।वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म सनम बेवफा सलमान खान के करियर की अहम फिल्मों में शुमार की जाती है। इसी वर्ष सलमान की फिल्म साजन प्रदर्शित हुयी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी माधुरी दीक्षित के साथ काफी पसंद की गयी। इस फिल्म में सलमान ने रोमांटिक के साथ ही भावपूर्ण अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वर्ष 1994 में राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म अंदाज अपना अपना में सलमान खान के अभिनय का नया रंग देखने को मिला। इस फिल्म के पहले उनके बारे में यह बात की जाती थी कि वह केवल रूमानी भूमिका ही निभा सकते हैं लेकिन सलमान ने आमिर खान के साथ मिलकर अपने हास्य अभिनय से दर्शकों को लोटपोट कर दिया। वर्ष 1994 में ही सलमान को एक बार फिर से राजश्री प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म हम आपके है कौन में काम करने का अवसर मिला। पारिवारिक पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म में उनकी जोड़ी माधुरी दीक्षित के साथ एक बार फिर से काफी पसंद की गयी। फिल्म ने सफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये और ऑल टाइम ग्रेटेस्ट हिट्स में शुमार हो गयी।

वर्ष 1997 में प्रदर्शित फिल्म जुड़वा में सलमान ने दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। वर्ष 1998 में उन्होंने अपने भाई सोहेल खान के निर्देशन में बनी फिल्म ..प्यार किया तो डरना क्या..में काम किया। इस फिल्म में सलमान खान के अपोजिट काजोल थी। यह फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई।

परिवार संग दिखे सलमान 'भाईजान'

अभिनेता ने परिजनों के बीच अपना जन्मदिन मनाया। इस जश्न से जुड़ी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। सलमान खान के फैनक्लब ने सोशल मीडिया पर तस्वीरों को साझा किया, जिसमें से एक में सलमान खान केक काटते हुए नजर आए। दूसरी तस्वीर में सलमान अपने बॉडीगार्ड शेरा के साथ पोज देते दिखे। वहीं, वीडियो में उनके बहनोई आयुष शर्मा और अभिनेता की खास दोस्त यूलिया वंतूर भी जश्न में दिखीं।

संक्षिप्त खबरें

रुपया आठ पैसे की गिरावट के साथ 85.35 पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में आठ पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 85.35 पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार महीने तथा साल के अंत में भुगतान दायित्वों के लिए आयातकों द्वारा डॉलर की बढ़ती मांग से डॉलर को मजबूती मिली जिससे स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू बाजारों से सकारात्मक संकेतों ने भारतीय मुद्रा की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 85.31 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद 85.35 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.27 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 107.93 पर रहा।

अडानी कोचीन शिपयार्ड से 450 करोड़ रुपये में लेगा आठ रस्सा पोत

नई दिल्ली। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने शुक्रवार को कहा कि उसने सरकारी विनिर्माण कंपनी कोचीन शिपयार्ड को कुल 450 करोड़ रुपये के आठ टग (रस्सा जहाज) के ऑर्डर दिए हैं। टग या रस्सा पोत बंदरगाहों पर बड़े जहाजों को खींच कर लाने-निकालने के काम आते हैं। एपीएसईजेड ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह पहल स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देकर और समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाकर सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप है। अडाणी समूह बंदरगाह परिचालन के कारोबार में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा परिचालक है। कंपनी के अनुसार उसे इन रस्सा जहाजों की डिलीवरी अगले साल दिसंबर से शुरू होने और मई 2028 तक जारी रहने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा है कि कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड से पोत खरीद के लिए यह सहयोग भारत में समुद्री बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है और हमारे देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) में उसके विश्वास को प्रदर्शित करता है। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं का लाभ उठाकर, जो विश्व स्तरीय हैं, हमारा लक्ष्य मेक इन इंडिया पहल में योगदान करना है, जबकि यह सुनिश्चित करना है कि हमारे संचालन सुरक्षा और दक्षता के अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हैं।

एनबीसीसी को मिले 368.75 करोड़ रुपये के ठेके

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक वाणिज्यिक परिसर बनाने के लिए 300 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसे वाराणसी में जवाहरलाल नेहरू कमर्शियल कॉम्प्लेक्स (जेएलएनसीसी) को आत्मनिर्भर मॉडल पर विकसित करने के लिए 300 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी को यह ठेका वाराणसी विकास प्राधिकरण से मिला है। एनबीसीसी को मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निर्माण के लिए 24.38 करोड़ रुपये का ठेका भी मिला है। इसमें उत्तराखंड में आईआईटी रुड़की, आंतरिक ईआई, सी, अग्निशमन, फायर अलार्म, लिफ्ट, ऑडियो विजुअल सिस्टम, सीसीटीवी और बीएमएस स्थापना तथा विकास कार्य शामिल हैं।

सराफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सराफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 250 से 280 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये से लेकर 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,400 रुपये से सराफा बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत

लेकर 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 71,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शेयर बाजार में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ल। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आज शुरूआती कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में तेजी नजर आ रही है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। पहले 20 मिनट के कारोबार में मामूली उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने तेजी पकड़ ली। शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.69 प्रतिशत और निफ्टी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे

पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज ऑटो, टाटा मोटर्स, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, इंडसइंड बैंक और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 2.52 प्रतिशत से लेकर 1.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर अडाणी पोर्ट्स, एचसीएल

टेक्नोलॉजी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, टीसीएस और कोल इंडिया के शेयर 0.26 प्रतिशत से लेकर 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,308 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,530 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 778 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 5 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 135.14 अंक की मजबूती के साथ 78,607.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के बाद कुछ देर तक इस सूचकांक की चाल में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 79,038.27 अंक तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 544.27 अंक की मजबूती के साथ 79,016.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 51.20 अंक की छलांग लगा कर 23,801.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के कुछ देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब ये सूचकांक उछल कर 23,931.90 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 176.95 अंक की मजबूती के साथ 23,927.15 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 0.39 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 78,472.48 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 22.55 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,750.20 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सांकेतिक गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। वहीं एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 6,037.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.02 प्रतिशत टूट कर 20,027.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 43,257.35 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। एशियाई बाजारों में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल ये सूचकांक 1.45 प्रतिशत टूट कर 2,394.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,056.45 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 158 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,022 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,771.13 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 40,235.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,121.80 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,320.72 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,400.47 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 3,407.89 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बोइंग और एयरबस को टक्कर दे रही एंब्रेयर

जल्द ही दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट कंपनी होगी

प्रात: किरण, एजेंसी

लंदन। अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान कजाखस्तान में हादसे का शिकार हुआ। इसमें 38 यात्रियों की मौत हुई, जबकि 29 लोग घायल हो गए। यह विमान बाकू से रूस के ग्रोज्नी जा रहा था। विमान में कुल 62 यात्री और पांच क्रू मेंबर चालक दल के सदस्य थे। विमान के पक्षियों के झुंड से टकराने के कारण पायलट को एमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। इस दौरान विमान में आग लग गई और वह दो टुकड़ों में टूट गया। विमान से दो बच्चों सहित 29 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कजाखस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ अजरबैजान एयरलाइंस का विमान एंब्रेयर कंपनी का था। यह कंपनी का ईआरजे-190 विमान था जो 11 साल पुराना था। जब भी एयरक्राफ्ट बनाने वाली कंपनियों की चर्चा होती हैं, तब सबके जेहन में बोइंग और एयरबस का नाम आता है। बोइंग अमेरिका की कंपनी है, जबकि एयरबस यूरोपीय। लेकिन हाल के वर्षों में ब्राजील की एक कंपनी ने बोइंग और एयरबस से लोहा ले रही है। इस कंपनी का नाम एंब्रेयर है। हाल के वर्षों में बोइंग के विमानों के साथ कई तरह की समस्याएं

आई हैं। इस कारण एंब्रेयर को अपना मार्केट बढ़ाने का मौका मिला है।

बताया जा रहा हैं कि जल्दी ही यह बोइंग को पछाड़कर दुनिया की दूसरी बड़ी एयरक्राफ्ट मेकर कंपनी बनेगी। इसकी वजह यह है कि अमेरिका की कई बड़ी एयरलाइन कंपनियां भी अब एंब्रेयर के विमान खरीद रही है। इतना ही नहीं सिंगापुर एयरलाइन सहित दुनियाभर की कई एयरलाइंस भी एंब्रेयर के विमानों पर दांव लगा रही हैं। भारतीय वायु सेना को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की आपूर्ति के लिए एंब्रेयर ने इस साल फरवरी में महिंद्रा से हाथ मिलाया था। अभी भारतीय एयरलाइन कंपनियों, चार्टर्ड कंपनियों और डिफेंस फोर्सेज के पास 44 एंब्रेयर विमान हैं। कंपनी भारत में मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए मोदी सरकार और दिग्गज कंपनियों से बातचीत कर रही है। इसकी वजह यह है कि देश में अगले कुछ वर्षों में विमानों को मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है।

भारत में दूरसंचार, पे-टीवी सर्विस का रेवेन्यू 2029 में 50.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना: रिपोर्ट

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मोबाइल डेटा और फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सेगमेंट की बदौलत भारत में दूरसंचार और पे-टीवी सर्विस का रेवेन्यू 2024 में 44.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2029 में 50.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। ग्लोबल डाटा की ह्यइंडिया टेलीकॉम ऑपरेटर्स कंट्री इंटेलिजेंस रिपोर्टह्ण के अनुसार, मोबाइल वॉयस सर्विस एआरपीयू में लगातार कमी के कारण पूर्वानुमान अवधि के दौरान मोबाइल वॉयस सर्विस रेवेन्यू में गिरावट आएगी, क्योंकि यूजर्स तेजी से ओटीटी कम्युनिकेशन प्लेटफार्मों की ओर रुख कर रहे हैं। ग्लोबल डाटा के दूरसंचार विश्लेषक श्रीकांत वैद्य ने कहा, ह्णभारत में ग्राहक आधार के हिसाब से 4जी सबसे लीडिंग मोबाइल टेक्नोलॉजी है, जो 2024 में रजिस्टर्ड कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन का 68.9 प्रतिशत है।

हालांकि, 2029 में यह हिस्सा घटकर 32.1 प्रतिशत रह जाने की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण हाई-स्पीड 5जी सर्विस की ओर ग्राहकों

का पलायन है। दूसरी ओर, मोबाइल डेटा सर्विस रेवेन्यू पूवार्नुमान अवधि में 5.5 प्रतिशत की सीएजीआर पर बढ़ना जारी रखेगा, जो स्मार्टफोन अपनाने में निरंतर वृद्धि, मोबाइल इंटरनेट सब्सक्रिप्शन में वृद्धि और मोबाइल डेटा सर्विस की बढ़ती खपत से जुड़ा होगा। दूसरी ओर, वैद्य के अनुसार, 5डी सेवाओं का 2024 में कुल मोबाइल सब्सक्रिप्शन में 15 प्रतिशत हिस्सा होगा, जो 2029 में बढ़कर 61.8 प्रतिशत हो जाएगा, जो मोबाइल ऑपरेटरों द्वारा चल रहे 5जी नेटवर्क विस्तार से जुड़ा है। उदाहरण के लिए, एयरटेल का 5जी नेटवर्क सितंबर 2024 तक 140,000 गांवों तक पहुंच गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सर्विस रेवेन्यू 2024-29 की अवधि में 6.2 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है, जो कि फिक्स्ड ब्रॉडबैंड सब्सक्रिप्शन में लगातार वृद्धि के अनुरूप है, खासकर एफटीटीएच/बी एक्सेस लाइनों पर। वैद्य ने कहा, ह्लदेश भर में फाइबर नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने के सरकार के प्रयासों के पीछे हाईर स्पीड फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग और बढ़ती उपलब्धता पूवार्नुमानित अवधि में फाइबर ब्रॉडबैंड सर्विस को अपनाने को बढ़ावा देगी। उदाहरण के लिए, देश भर के ग्रामीण क्षेत्रों में फाइबर ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 650 बिलियन रुपये (7.8 बिलियन डॉलर) की लागत वाले भारतनेट के तीसरे चरण की शुरूआत निकट भविष्य में होने की उम्मीद है।

मनमोहन सिंह ने वृद्धि को हरित लक्ष्यों के साथ जोड़ा

नई दिल्ली। आधुनिक भारत के आर्थिक सुधारों के जनक के रूप में पहचाने जाने वाले मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री के रूप में अपने एक दशक लंबे कार्यकाल (2004-2014) के दौरान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु कार्रवाई की भी वकालत की। भारत ने उनके नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना शुरू की, जनजातीय समुदायों के अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) पारित किया तथा त्वरित कानूनी कार्रवाई के जरिये पर्यावरण की रक्षा के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की स्थापना की। सदियों से भारत के आदिवासी समुदायों को अपनी जमीन के बारे में फैसलों से दूर रखा जाता रहा है। सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की पहली सरकार ने इस कहानी को बदला। उनकी सरकार ने 2006 में वन अधिकार अधिनियम पारित किया, जिसके तहत वनों का नियंत्रण उन लोगों को सौंप दिया गया जो वहां रहते थे तथा उनकी रक्षा करते थे। सिंह ने जुलाई 2008 में सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे आदिवासियों को वन भूमि पर उनके अधिकार प्रदान करने के लिए तेजी से कार्य करें। उन्होंने एक पत्र में लिखा था, यह सुनिश्चित करना मुख्य रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि हमारे देश की आबादी के एक बहुत ही कमजोर वर्ग को अंततः उस भूमि पर अपने मूल अधिकार मिलें जो ऐतिहासिक रूप से उनके कब्जे में रही है। मनमोहन सिंह सरकार ने 2008 में ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए आठ सूत्री रणनीति जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) प्रस्तुत की। एनएपीसीसी के आठ प्रमुख मिशनों में राष्ट्रीय सौर मिशन शामिल है, जिसने देश को वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा नेता के रूप में उभरने के लिए आधार तैयार किया। देश को हरित भारत मिशन दिया जो जैव विविधता में सुधार, बंजर भूमि को बहाल करने तथा जलवायु लचीलापन बढ़ाने पर केंद्रित है।

सिंह ने जलवायु न्याय की पुरजोर वकालत की। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के वाशिंगटन कार्यालय में 23 नवंबर को अपने भाषण में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अनुचित कार्बन पाबंदियों को स्वीकार नहीं करेगा। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में भारत ने पर्यावरण न्याय में तेजी लाने के लिए 2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की स्थापना की। विनम्र, विद्वान, मृदुभाषी और आम सहमति बनाने वाले सिंह का बृहस्पतिवार को देर रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। कांग्रेस नेता 2004-2014 तक 10 वर्षों के लिए देश के प्रधानमंत्री रहे। उससे पहले वित्त मंत्री के रूप में उन्होंने देश के आर्थिक ढांचे को स्थापित करने में मदद की। वह वैश्विक वित्तीय तथा आर्थिक क्षेत्रों में एक बड़ा नाम थे।

हीरो फ्यूचर एनर्जीज ने कर्नाटक में 29 मेगावाट की सौर परियोजना शुरू की

नई दिल्ली। हीरो फ्यूचर एनर्जीज (एचएफई) ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में 29 मेगावाट की सौर परियोजना शुरू की है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सौर परियोजना से सालाना 3.3 करोड़ यूनिट हरित ऊर्जा उत्पन्न होने की उम्मीद है। इससे कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में 31,624 टन की कमी आएगी। कंपनी ने कहा कि यह ह्यखुली पहुंचह्ण व्यवस्था वाली परियोजना वाणिज्यिक और औद्योगिक (सीएंडआई) क्षेत्र की बिजली जरूरतों को पूरा करेगी। खुली पहुंच व्यवस्था के तहत बड़े बिजली उपभोक्ता स्थानीय वितरण कंपनी के बजाए अपनी रूचि के आपूर्तिकर्ता से बिजली खरीदने को स्वतंत्र होते हैं। हीरो फ्यूचर एनर्जीज के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीवत्सन अय्यर ने कहा, यह परियोजना एक और मील का पत्थर है जो कर्नाटक में हमारे कदमों का विस्तार करती है और औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन घटाने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। इसके माध्यम से, हमारा उद्देश्य व्यवसायों और समुदायों को सशक्त बनाना है, और अपने वाणिज्यिक और औद्योगिक ग्राहकों के लिए उनके शुद्ध रूप से शून्य उत्सर्जन की यात्रा में एक साझेदार के रूप में कार्य करना है। एचएफई ने हाल ही में कर्नाटक सरकार के साथ राज्यभर में अक्षय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं में निवेश के लिए 11,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। हीरो समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई एचएफई को अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) और केकेआर जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों का समर्थन प्राप्त है।

अल्ट्राटेक 851 करोड़ रुपये में प्रवर्तकों से स्टार सीमेंट में 8.69 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रमुख सीमेंट उत्पादक अल्ट्राटेक सीमेंट ने मेघालय स्थित स्टार सीमेंट के प्रवर्तकों से 8.69 प्रतिशत अल्पांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण की शुक्रवार को घोषणा की। यह सौदा 851 करोड़ रुपये में होगा। स्टार सीमेंट की स्थापित क्षमता 77 लाख टन प्रति वर्ष है, जिसकी उपस्थिति पूर्वोत्तर भारत के बाजारों में है। यह पश्चिम बंगाल तथा बिहार में तेजी से विस्तार कर रही है। आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी द्वारा इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड में नियंत्रक हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा करने के कुछ दिन बाद यह घोषणा की गई है, जिससे दक्षिण स्थित कंपनी उसकी अनुषंगी कंपनी बन गई है। कंपनी के अनुसार, स्टार सीमेंट के कुछ प्रवर्तक तथा प्रवर्तक समूह इकाइयां स्टार सीमेंट में अपनी शेयर हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव कर रही हैं और इसके लिए उन्होंने कंपनी से संपर्क किया है। इसमें कहा गया, कंपनी के निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में प्रस्ताव पर विचार किया और स्टार सीमेंट के 3.70 करोड़ शेयर तक गैर-नियंत्रक अल्पांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए निवेश करने को मंजूरी दी, जिसकी कीमत 235 रुपये प्रति शेयर से अधिक नहीं होगी। इसमें एसटीटी, स्टांप ड्यूटी और अन्य शुल्क शामिल नहीं होंगे। अधिग्रहण की लागत या जिस कीमत पर शेयर खरीदे गए हैं, उसके बारे में अल्ट्राटेक ने कहा कि यह एसटीटी को छोड़कर 851 करोड़ रुपये से अधिक नहीं होगा।

1991 में पेश बजट मील का पत्थर था, डॉ. सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बनाया उदार: सीतारमण

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। शीर्ष राजनीतिक नेताओं और उद्योगपतियों ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व, विनम्रता और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी नेता थे और उन्होंने आरबीआई के गवर्नर और भारत के वित्त मंत्री के रूप में देश के बड़े कार्यभार संभाले।

वित्त मंत्री सीतारमण ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, 1991 में पेश बजट मील का पत्थर था, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाया। वे सभी के द्वारा सम्मानित, मृदुभाषी और सौम्य थे। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उन्हें पूर्व

प्रधानमंत्री और प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री के निधन पर गहरा दुख है।

गोयल ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, भारत के आर्थिक सुधारों में उनके योगदान ने राष्ट्र के लिए विकास का एक नया मार्ग प्रशस्त किया। एक राजनीतिक दिग्गज, उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण ने उन्हें पूरे राजनीतिक स्पेक्ट्रम में सम्मान और प्रशंसा दिलाई।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पोस्ट किया पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन से दुखी हूं। उनके नेतृत्व, विनम्रता और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा। इस बीच, आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने कहा कि डॉ. सिंह एक सच्चे राजनेता थे, जिनका शांत व्यवहार उनके परिवर्तनकारी प्रभाव को दशार्ता था। गोयनका ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, आर्थिक सुधारों के एक वास्तुकार, उन्होंने बुद्धि, शालीनता और ईमानदारी के साथ आधुनिक भारत को आकार दिया। एक नेता जो शब्दों की तुलना में कामों को जोर से बोलता था। रेस्ट इन पीस। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने लिखा, अलविदा डॉ. मनमोहन सिंह। आपने इस देश को प्यार किया और इसके लिए आपकी सेवा को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। ओम शांति। विनम्रता और बुद्धि के व्यक्ति, डॉ. सिंह भारत और विश्व स्तर पर एक सम्मानित व्यक्ति थे। उनके नेतृत्व में भारत ने लगातार आर्थिक विकास देखा, गरीबी कम की और विश्व मंच पर देश की स्थिति मजबूत हुई। उनके परिवार में उनकी पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियाँ हैं।

आर्थिक उदारीकरण के शिल्पकार थे मनमोहन सिंह: उद्योग मंडल

नई दिल्ली। उद्योग मंडलों ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें देश में आर्थिक उदारीकरण का शिल्पकार बताया जिन्होंने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में क्रांतिकारी सुधार किए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, सीआईआई मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है वह एक विद्वान, अनुभवी नेता और विश्लेषणात्मक विचारक थे। उन्होंने अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में अग्रणी सुधारों के साथ भारत के आर्थिक पुनरुत्थान की संकल्पना की। बनर्जी ने कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को वृद्धि, सर्वांगीण विकास और वैश्विक जुड़ाव की नई यात्रा पर अग्रसर किया। उद्योग मंडल फिक्की ने सिंह को एक बेहतरीन अर्थशास्त्री तथा राजनेता के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फिक्की ने बयान में कहा, वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनके नेतृत्व में भारत ने अभूतपूर्व आर्थिक वृद्धि की और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरा। इंजीनियरिंग निर्यातकों के संगठन ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने सिंह को असाधारण क्षमता वाला व्यक्ति बताया जिन्होंने ऐसे आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाया जिससे भारत एक अलग श्रेणी में पहुंच गया।

उद्योग जगत ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। उद्योगपति गौतम अदाणी, अनिल अंबानी तथा टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन सहित भारतीय उद्योग जगत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें आर्थिक सुधारों का जनक बताया। सिंह का बृहस्पतिवार देर रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। अदाणी समूह के चेयरमैन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, इतिहास हमेशा 1991 के उन क्रांतिकारी सुधारों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखेगा, जिन्होंने भारत को नया रूप दिया तथा दुनिया के लिए इसके दरवाजे खोले। एक ऐसे विरल नेता जिन्होंने हमेशा नरमी से बात की, अपने कार्यों से बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं डॉ. सिंह का जीवन नेतृत्व, विनम्रता और राष्ट्र सेवा का एक आदर्श उदाहरण है और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। रिलायंस समूह के प्रमुख अनिल अंबानी ने बयान में कहा, ह्यह्यपूर्व प्रधानमंत्री का जीवन विनम्रता, बुद्धिमत्ता तथा भारत की सेवा का प्रमाण है। जैसा कि गुरु ग्रंथ साहिब में कहा गया है, ह्यनानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला ईश्वर के नाम के साथ शाश्वत आशावाद आता है; आपकी इच्छा से सभी का कल्याण हो। उनकी दूरदृष्टि तथा ईमानदारी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। एक मार्गदर्शक हमें छोड़ गए। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि सिंह उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नये उदारवादी भारत की कल्पना की थी जो आज दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। अपने शोक संदेश में चंद्रशेखरन ने कहा कि दिवंगत सिंह के प्रेरक नेतृत्व ने उन्हें दुनिया भर में सम्मान दिलाया। उन्होंने बयान में कहा, हम पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जो उन दिग्गजों में से एक थे जिन्होंने एक नए, उदार भारत की कल्पना की थी जो दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। चंद्रशेखरन ने कहा, डॉ. सिंह को हमेशा उनकी दूरदर्शी सोच तथा गहरी अंतर्दृष्टि के लिए याद किया जाएगा। वे हमेशा विनम्र रहे और अपने व्यक्तिगत मूल्यों को बनाए रखा। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से भारत ने अपने सबसे बड़े नेताओं और बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक को खो दिया है। बिड़ला ने बयान में कहा, भारत ने अपने सबसे बड़े नेताओं तथा बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक को खो दिया है। 1991 के दशक के उनके क्रांतिकारी सुधारों ने कई दशकों तक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दिया और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है

गावस्कर ने कहा, कोहली को हल्के में नहीं छोड़ा गया; ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सजा को कम बताया

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलबर्न, 27 दिसंबर (वेब वार्ता) । भारत के महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने दावा किया कि विराट कोहली के साथ कोई विशेष व्यवहार नहीं किया गया, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के कुछ पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पदार्पण कर रहे सैम कोंस्टास के साथ शारीरिक टकराव की घटना को हल्के में लिया गया। कोहली और टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले सैम कोंस्टास के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन बृहस्पतिवार को मैदान पर झड़प हो गई जिसके लिए भारतीय क्रिकेटर पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया। उन्नीस साल के कोंस्टास ने हालांकि पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा कि कोहली जानबूझकर उनसे नहीं टकराये थे। उन्होंने कहा, विराट कोहली गलती से मुझसे टकरा गए। यह क्रिकेट है और तनाव में ऐसा हो जाता है। यह टकराव शुक्रवार को भी चर्चा का विषय बना रहा और गावस्कर ने कोहली के खिलाफ कड़े शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की आलोचना की।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने कोहली लिए कड़ी सजा की मांग की थी। गावस्कर ने उन दावों को खारिज करते हुए टिप्पणी की, आप किसी की जेब काटने के लिए किसी व्यक्ति को फांसी नहीं दे सकते। उन्होंने कहा, यह रकम के मामले में मामूली सजा है। ये सभी खिलाड़ी काफी अधिक वेतन पाने वाले पेशेवर हैं। ऐसे में कोई भी रकम शायद कम लगे। आप यह कह सकते हैं कि हम जो देखते हैं और अनुभव करते हैं उसके कारण सजा हो सकती है लेकिन यह आईसीसी द्वारा अधिकतम तय सजा है। उन्होंने कहा,ऐसा नहीं है कि उन पर कोई एहसान किया गया है। उनकी सजा में अगर 10 प्रतिशत कम रकम होती तो आप कह सकते थे कि कोई उपकार हुआ है। गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की आलोचना करते हुए कहा, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया अपनी टीम के लिए 12वें या 13वें खिलाड़ी की तरह काम करता है, जिसे भी वह अपनी टीम के लिए खतरा मानता है, उसे निशाना बनाता है। उन्होंने कहा, वे कह रहे हैं कि कोहली को एक छोटे से अपराध के लिए फांसी दी जानी चाहिए और वह इसलिए बच गया क्योंकि उसका रूतबा बहुत बड़ा है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का हालांकि मानना है कि कोहली को कम सजा दी गयी। पोंटिंग ने ह्यचैनल 7 पर कहा, व्यक्तिगत रूप से, मुझे नहीं लगता कि यह सजा पर्याप्त कठोर था। ऐसी मिसालें हैं, अतीत में चीजें हुई हैं और यह आम तौर पर 15-25 प्रतिशत ठीक रही है, लेकिन यह बड़ी घटना थी। उन्होंने कहा, यह दुनिया भर में पूरे साल भर में क्रिकेट का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला दिन था। सोचिए अगर इस स्तर पर ऐसा होता है तो इसके क्या परिणाम होंगे? मुझे लगता है कि लोग सोचेंगे कि यह अब लगभग स्वीकार्य है। पूर्व दिग्गज मार्क वॉ ने भी फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए कमेंट्री के दौरान ऐसे ही विचार साझा किये। उन्होंने जोर देकर कहा, आप इस तरह के मामलों में तय सजा को बदल नहीं सकते हैं। विराट कोहली इस मामले को पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, मैंने गलत काम किया है।

पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने भारत को संकट में डाला, 164 रन पर 5 विकेट गंवाए

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलबर्न, । सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 82 रन की शानदार पारी के बावजूद भारत लड़खड़ा गया और उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को अपने पांच विकेट मात्र 164 रन पर खो दिए। भारत अभी ऑस्ट्रेलिया से 310 रन पीछे है और उस पर फॉलोआन का खतरा मंडरा रहा है। भारत अंतिम सत्र में दो विकेट पर 153 रन बनाकर सुखद स्थिति में दिखाई दे रहा था लेकिन तभी जायसवाल के रन आउट होने के साथ ही मेहमान टीम ने छह रन के अंतराल में तीन विकेट गंवा दिए और उसका स्कोर पांच विकेट पर 159 रन हो गया। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत छह और रवींद्र जडेजा चार रन बनाकर क्रीज पर हैं। अब इस जोड़ी पर कल तीसरे दिन भारत को संकट से बाहर निकालने की बड़ी जिम्मेदारी है। आस्ट्रेसेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने भारतीय पारी शुरू होने के बाद जल्दी ही कप्तान रोहित शर्मा और केएल राहुल का विकेट चटकाकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। रोहित ने पारी के दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कमिंस की गेंद पर स्कॉट बोलैंड के हाथों कैच होने से पहले 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। उस समय भारत का स्कोर 8 रन था। इसके बाद भारत के 51 रन के स्कोर पर केएल राहुल का विकेट गिरा। राहुल कमिंस की गेंद पर बोल्ड हो गए।

उन्होंने आउट होने से पहले 42 गेंदों पर 24 रन बनाए। जायसवाल और विराट कोहली ने इसके बाद पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। दोनों ने संभलकर बल्लेबाजी की और ढीली गेंदों पर आक्रामक शॉट खेले।

जायसवाल कुछ ज्यादा आक्रामक थे। इस वक़्त ऐसा लग रहा था कि भारत अब अच्छी स्थिति में आ रहा है। खेल अच्छा चल रहा था और दोनों बल्लेबाज काफी रन भी बटोर रहे थे। लेकिन दूसरे दिन का खेल

खत्म होने से सिर्फ.16-17 मिनट पहले कुछ ऐसा हुआ, जिससे भारत फिर से दबाव में आ गया।

जायसवाल ने मिड ऑन के फील्डर के पास गेंद को ड्राइव किया और रन के लिए दौड़ पड़े, लेकिन रन आउट हो गए।

कोहली, जो 82 गेंदों तक धैर्यपूर्वक बल्लेबाजी कर रहे थे और ऑफ साइड में शॉट लगाने से बच रहे थे, लेकिन जायसवाल के आउट होने के बाद सातवें-आठवें स्टंप की गेंद पर छेड़छाड़ करते हुए, वह विकेटकीपर को कैच दे बैठे।

इसके बाद पिछले मैच में भारत के लिए संकटमोचक साबित हुए और फॉलोऑन बचाने वाले आकाशदीप भी जल्द पवेलियन लौट गए। इस मैच में कई मौकों पर ऐसा लगा कि भारत सफल वापसी कर सकता है, लेकिन वह कामयाब नहीं हो सका।

जायसवाल ने 118 गेंदों पर 82 रन की अपनी पारी में अपनी पारी में 11 चौके और 1 छक्का लगाया। विराट कोहली 86 गेंदों पर चार चौकों के सहारे 36 रन बनाकर आउट हुए।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान, 237/2 के स्कोर से उनका स्कोर 246/5 हो गया था। लेकिन स्टीव स्मिथ ने निचले मध्य क्रम के बल्लेबाजों के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया को 474 तक पहुंचा दिया।

दूसरे दिन का खेल शुरू होने पर स्मिथ और पैट कमिंस ने शानदार शतकीय साझेदारी की।

पहले सत्र में सिर्फ.एक ही विकेट गिरा और ऑस्ट्रेलिया ने 142 रन जोड़े।

स्टीव स्मिथ ने 140 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना 34वां टेस्ट शतक पूरा किया। उनके शतक के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 474 रन का विशाल स्कोर बनाया। उन्हें कमिंस (49) और मिशेल स्टार्क (15) से भी बहुमूल्य समर्थन मिला, जिन्होंने क्रमशः 112 और 44 रन की साझेदारियां कीं, जिससे मेजबान टीम ने मेहमान टीम के गेंदबाजी लाइन-अप को कमजोर कर दिया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का स्कोर बोर्ड

(पहले दिन के खेल को समाहित करते हुए)

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी बल्लेबाजी..
बल्लेबाज. रन
सैम कॉन्स्टास पगबाधा जाडेजा.60
उस्मान ख्वाजा कैच के एल राहुल बोल्ड बुमराह . 57
मार्नस लाबुशेन कैच कोहली बोल्ड सुंदर . 72
स्टीव स्मिथ बोल्ड आकाश दीप . 140
ट्रैविस हेड बोल्ड बुमराह . 00
मिचेल मार्श कैच पंत बोल्ड बुमराह . 04
एलेक्स कैरी कैच पंत बोल्ड आकाश दीप . 31
पैट कमिंस कैच नीतीश बोल्ड जडेजा . 49
मिचेल स्टार्क बोल्ड जडेजा . 15
नेथन लायन पगबाधा बुमराह . 13
स्कॉट बोलैंड नाबाद. कुल 122.4 ओवर में 474 रन पर सभी खिलाड़ी आउट
विकेट पतनः 1-89, 2-154, 3-237, 4-240, 5-246, 6-299, 7-411, 8-455, 9-455, 10-474

भारत गेंदबाजी ..

गेंदबाज. ओवर..मेडन..रन..विकेट
जसप्रीत बुमराह . 28.4. 9. 99. 4
मोहम्मद सिराज . 23. 3. 122. 0
आकाश दीप . 26. 8. 94. 2
रवींद्र जडेजा . 23. 4. 78. 3
नीतीश कुमार रेड्डी . 7. 0. 21. 0
वॉशिंगटन सुंदर . 15. 2. 49. 1

भारत पहली पारी

बल्लेबाज. .रन
यशस्वी जायसवाल रन आउट (कमिंस/कैरी) . 82
रोहित शर्मा कैच बोलैंड बोल्ड कमिंस . 03
के एल राहुल बोल्ड कमिंस . 24
विराट कोहली कैच कैरी बोल्ड बोलैंड . 36
आकाश दीप कैच लायन बोल्ड बोलैंड . 00
ऋषभ पंत नाबाद . 06
रवींद्र जडेजा नाबाद . 04
अतिरिक्त. नौ रन
कुल 46 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन
विकेट पतनः 1-8, 2-51, 3-153, 4-154, 5-159
ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजी..
गेंदबाज. ओवर..मेडन..रन..विकेट
मिचेल स्टार्क . 13. 0. 48. 0
पैट कमिंस. 13. 2. 57. 2
स्कॉट बोलैंड . 12. 4. 24. 2
नेथन लायन .5. .1 . .18 . .0
मिचेल माश .3 . .0 . .15 . .0

शॉन विलियम्स के शतक से जिम्बाब्वे ने मैच में बनाई मजबूत पकड़

बुलावायो, । सीन विलियम्स (145) की नाबाद शतकीय पारी से जिम्बाब्वे ने गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन चार विकेट पर 363 रन बना लिए हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने पर सीन के साथ कप्तान क्रेग इर्विन 56 रन बनाकर क्रीज पर थे। दोनों पांचवें विकेट के लिए 143 रन जोड़ चुके हैं। सीन के करियर का पांचवां शतक है। इन दोनों के अलावा बेन कुरेन ने 68 रन की पारी खेली। पहली बार बॉक्सिंग डे टेस्ट खेल रहे अफगानिस्तान के लिए गजनफर ने दो विकेट लिए।

डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी, तरुण संघा की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, । प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिँह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरूआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया। तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किये। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया। दिल्ली एफसी के लिए ह्यप्लेयर ऑफ द मैचह्व जैकब ने दो गोल किये। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉन्गखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरूआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड का निराशाजनक खेल जारी, लीवरपूल ने शीर्ष पर मजबूत की बढ़त

मैनचेस्टर, । पेनल्टी स्पॉट पर एर्लिंग हालैंड की विफलता और ब्रूनो फर्नांडिस के रेड कार्ड ने प्रीमियर लीग की दो दिग्गज टीमों मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड की मुश्किलें बढ़ा दी जबकि लीवरपूल को लीसेस्टर के खिलाफ ऐसी किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। लीवरपूल ने एनफील्ड में कोहरे के बीच खेले गए मैच में एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लीसेस्टर पर 3-1 से जीत हासिल की। इस जीत से टीम ने सात अंक की बढ़त के साथ अंकतालिका में पहले स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। लीवरपूल के 17 मैचों में 42 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चेल्सी के नाम 18 मैचों में 35 अंक है। सिटी को एवर्टन के खिलाफ घरेलू मैदान पर 1-1 से ड्रॉ खेलकर अंक साझा करने पर मजबूर होना पड़ा। मैच के 53वें मिनट में हालैंड की स्पॉट किक का इंग्लैंड के गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने शानदार बचाव किया। चार बार की गत चैंपियन टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में अपने पिछले 13 मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। सिटी की टीम तालिका में सातवें स्थान पर संघर्ष कर रही है तो वहीं मैनचेस्टर यूनाइटेड की स्थिति और बुरी है। वॉल्वरहैम्प्टन से 0-2 की हार के बाद यह टीम तालिका में और भी पिछड़कर 14वें स्थान पर पहुंच गयी है। यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस को 47वें मिनट में दूसरा पीला कार्ड मिला। उनके मैदान से बाहर जाने पर टीम को लगभग पूरा दूसरा हाफ 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पटना पाइरेट्स, दबंग दिल्ली से भिड़ेंगे

प्रात: किरण,/ एजेसी

पुणे, । प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुसाला हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में गुरुवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना को अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी का सामना करना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेआफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है। पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया। वैसे मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरूआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को

बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत ने गुरदीप को बाहर किया तो देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। मुंबा आलआउट की कगार पर थे लेकिन जफर ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइव ले लिया लेकिन जल्द ही पहला आलआउट ले पटना ने 11-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद मुंबा के डिफेंस ने पलटवार कर देवांक को लपक लिया। 10 मिनट बाद पटना 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने रोहित, जफर और अजीत को बाहर कर लीड दोगुनी कर दी। देवांक ने इस मैच में तीसरी बार सुनील को बाहर कर स्कोर 15-7 कर दिया। रोहित के डू ओर डाई रेड पर आउट होने के बाद मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और लोकेश ने देवांक को लपक दो अंक ले स्कोर 9-16 कर दिया। इसके बाद अजीत ने एक अंक लिया। बहरहाल, पटना ने 17-11 के स्कोर पर पाला बदला। अजीत ने आलइन के बाद भी एक अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। अजीत ने इसके बाद चार के डिफेंस में हामिद को बाहर कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अयान ने परवेश का शिकार कर इस स्थिति को टाल दिया। हालांकि पटना फिर सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए लेकिन अयान ने उसे फिर उबार लिया। इस बीच मुंबा के डिफेंस ने देवांक का शिकार किया तो अजीत को लपक अयान ने सुपर टैकल के दो अंक ले लिए। 30 मिनट के बाद पटना 22-17 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने लीड सात की कर ली। हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा ने अयान को लपक लिया लेकिन अजीत का शिकार कर पटना ने इसका जवाब दिया। फिर रोहित लपक लिए गए। लीड 9 की हो चुकी थी और अब सिर्फ 4 मिनट बचे थे। फिर देवांक ने एक अंक के साथ मुंबा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन धनसेकर ने उसे उबार लिया। अगली रेड पर भी धनसेकर ने अंक लिया। इसके बाद मुंबा ने वापसी की तमाम कोशिशें की लेकिन उसका प्रयास नाकाम रहा और वह घर लौटने को मजबूर हुई।

रोहित के आउट होने पर पोंटिंग ने कहा, आपको तैयार रहना चाहिए

प्रात: किरण,/ एजेसी

मेलबर्न, । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस की गेंद पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा द्वारा खेले गए शांत शॉट की आलोचना करते हुए कहा कि मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप का सामना करते समय आपको तैयार रहना चाहिए और अच्छे निर्णय लेने चाहिए। श्रृंखला में पहली बार बल्लेबाजी की शुरूआत करने का रोहित का कदम उल्टा पड़ गया, जब उन्होंने कमिंस की गेंद पर एक पैर पर आधा-अधूरा पुल शॉट खेला और दूसरे ओवर में मिड-ऑन पर गेंद का ऊपरी किनारा आसानी से कैच हो गया और वे तीन रन पर आउट हो गए। इस आउट होने के साथ ही रोहित की इस श्रृंखला में रनों की संख्या 22 हो गई, जिससे इस साल टेस्ट मैचों में उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा। यह बस एक आलसी, बिना सोचे-समझे, पल भर के लिए तैयार न होने वाला शॉट है। अपने डेब्यू के बाद से ही वह गेंद के सबसे अच्छे हुकर और पुलर के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है, यह कुछ भी नहीं है। यह प्रतिबद्ध नहीं है। यह आक्रामक नहीं लग रहा है। वह बस सिर पर टैप करने की कोशिश कर रहा है। चैनल सेवन पर पोंटिंग ने कहा, विकेट पर टिके रह सकते हैं, हां, शायद थोड़ा सीम उनसे दूर हो सकता है, लेकिन अगर आप इस ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के खिलाफ टिके रहना चाहते हैं तो आपको सावधान रहना होगा और अच्छे निर्णय लेने होंगे। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो वे हर बार आपको हरा देंगे। रोहित के शॉट के चयन के लिए इसी तरह की आलोचना ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेरेन लेहमैन ने भी की। उन्होंने एबीसी स्पोर्ट पर कहा,अगर वह हिट करने जा रहे हैं, तो हिट करें रोहित। आप एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, आपको वास्तव में इसे स्वीकार करना चाहिए। आउटफील्ड में बहुत जगह है, इसे स्वीकार करें। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी रोहित की आलसी आउटिंग के लिए आलोचना की। यह वाकई बहुत बड़ी गलती हैह्व यह कोई बेकार शॉट नहीं था। उन्होंने पारी की शुरूआत में ही शॉट मारा और उन्हें गति और उछाल की आदत नहीं है। भारतीय कप्तान के लिए यह दुखद स्थिति है, पिछली 14 टेस्ट पारियों में उनका औसत 11 रहा है।

शतरंजः न्यूयॉर्क में वर्ल्ड रैपिड के पहले दिन के बाद एरिगैसी संयुक्त पांचवें स्थान पर

प्रात: किरण,/ एजेसी

न्यूयॉर्क, । भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरूआत चार जीत और एक हार के साथ पांचवें स्थान से की, जबकि गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन बृहस्पतिवार को यहां सिर्फ एक जीत दर्ज करने में सफल रहे। नॉर्वे के कार्लसन अपनी लय हासिल नहीं कर सके। वह तीन बाजियां ड्रॉ खेलने के बाद चौथे में रूस के डेनिस लाजोविच से हार गए। तेरह साल के भारतीय रौनक साधवानी ने भी प्रतियोगिता के शुरूआती दिन प्रभावित किया। उन्होंने जीत के दावेदार पसंदीदा फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को हराकर उलटफेर किया। शुरूआती पांच दौर के मुकाबले हो चुके हैं और आठ दौर अभी बाकी हैं। 550,000 अमेरिकी डॉलर की चैंपियनशिप में रूस के मुर्जिन वोलोडर, आर्मेनिया के एस. सरगस्यान के साथ डेनियल नारोडित्स्की और लेनियर डोमिंगुएज पेरेज की अमेरिकी जोड़ी 4.5 अंकों के साथ बढ़त बनाए हुए हैं। एरिगैसी और साधवानी 11 खिलाड़ियों के साथ एकसमान चार अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। अमेरिका के हिकारू नाकामुरा, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव और हॉलैंड के अनीश गिरी भी इन 11 खिलाड़ियों में शामिल है। महिला वर्ग में स्थानीय स्टार एलिस ली ने लगातार चार जीत से शानदार शुरूआत की। अमेरिकी खिलाड़ी को विश्व चैंपियन चीन की वेनजुन जू, उनकी हमवतन झोंग्यी तान, अजरबैजान की गुने ममदजादा, जॉर्जिया की नीनो बत्सियाश्विली और भारत की डी हरिका से चुनौती मिल रही है। इन सभी खिलाड़ियों के खाते में 3.5 अंक हैं। महिलाओं की स्पर्धा में सात दौर बाकी हैं, ऐसे में आर वैशाली के पास भी वापसी करने का पूरा मौका होगा।

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया

प्रात: किरण,/ एजेसी

वड़ोदरा, । दीप्ति शर्मा (छह विकेट और नाबाद 39 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के भारतीय टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी 3-0 से अपने नाम कर ली हैं। वेस्टइंडीज के 162 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय महिला टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिए। स्मृति मंधाना (चार) और हरलीन देओल (एक) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद प्रतिका रावल और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (18) को आउट कर भारत को तीसरा झटका दिया। 13वें ओवर में ऐपी फ्लेचर ने हरमनप्रीत कौर (32) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमिमाह रॉड्रिग्स तथा दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिये 56 रनों की साझेदारी हुई। 25वें ओवर में करिश्मा रामहैरक ने जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए टीम को पांच विकेट से जीत दिला दी। दीप्ति शर्मा ने 48 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 39) रनों की पारी खेली। वहीं ऋचा घोष ने 11 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुए तूफानी अंदाज में (नाबाद 23)रन बनाये। भारत ने 28.2 ओवर में 167 रन बनाकर मुकाबला और 3-0 से श्रृंखला भी जीती। वेस्टइंडीज की ओर से डिएंड्रा डॉटिन, आलिया ऑलेन, हेली मैथ्यूज, करिश्मा रामहैक और ऐपी फ्लेचर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दीप्ति शर्मा (छह विकेट) और रेणुका सिंह (चार विकेट) शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 162 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने मात्र नौ रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। इसके बाद शमैन कैंपबेल और शिनेल हेनरी की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिये 91 रनों की साझेदारी हुई। 22वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने शमैन कैंपबेल (46) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। 24वें ओवर में दीप्ति ने जायडा जेम्स (एक) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। 32वें ओवर में दीप्ति ने शिनेल हेनरी को आउटकर वेस्टइंडीज के बड़े स्कोर बनाने की उम्मीदों को झटका दिया। शिनेल हेनरी ने 72 गेंदों में 5 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका ने मनमोहन के निधन पर जताया शोक

वाशिंगटन। अमेरिका ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक तथा भारत के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की है।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने देर रात अमेरिका की ओर से जारी शोक संदेश में कहा, ह्लडॉ. सिंह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझीदारी के सबसे महान समर्थकों में से एक थे, और उनके काम ने पिछले दो दशकों में हमारे देशों ने मिलकर जो कुछ हासिल किया है, उसकी नींव रखी। अमेरिका-भारत नागरिक परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व ने अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का संकेत दिया। घरेलू स्तर पर, डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, जिन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि को गति दी। श्री ब्लिंकन ने कहा,ह्व हम डॉ. सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं और अमेरिका तथा भारत को करीब लाने के उनके समर्पण को हमेशा याद रखेंगे।

इजरायल ने यमन पर हवाई हमले शुरू किये: नेतन्याहू

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि यमन की राजधानी सना और हुदैदाह प्रांत पर हमले के साथ इजरायल अभी शुरूआत की है। एक स्थानीय सरकारी सूत्र ने गुरुवार को बताया कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने यमनी आंदोलन अंसार अल्लाह, जिसे हूती के नाम से भी जाना जाता है, द्वारा नियंत्रित यमनी राजधानी सना पर छह हवाई हमले किए और हवाई अड्डे को भारी नुकसान पहुंचा है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बाद में हमले की पुष्टि की, जिसमें हवाई अड्डे पर विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधिमंडल के विमान से कुछ ही फीट की दूरी पर स्थित इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। फिलहाल मरने वालों की संख्या 6 है और 40 घायल हैं। द टाइम्स ऑफ इजरायल अखबार ने नेतन्याहू के हवाले से कहा हम अभी उनके साथ शुरूआत कर रहे हैं... हम उन्हें इन दिनों, आज और किसी भी दिन (इजरायल पर हमला करने की) अनुमति नहीं देंगे। जब तक वे सीख नहीं लेते तब तक हम उन पर अंतिम प्रहार करेंगे। जैसा कि मैंने कहा, हमास ने सीख लिया, हिज्बुल्लाह ने सीखा, और सीरिया ने सीखा। हूती भी सीखेंगे। पिछले हफ्ते, उत्तरी यमन पर शासन करने वाले हूती ने जिन्हें अंसार अल्लाह के नाम से भी जाना जाता है, ने इजरायल को उसके किसी भी हमले का आनुपातिक जवाब देने की धमकी दी थी। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या साड़ी ने कहा कि गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायल के चल रहे अपराधों से इराक में इस्लामी प्रतिरोध के साथ अधिक हमले और संयुक्त अभियान को बढ़ावा मिलेगा।

गाजा शहर के दो घरों पर इजरायली हमलों में 15 की मौत

काहिरा। गाजा शहर में दो घरों पर इजरायली गोलाबारी में कम से कम 15 लोग मारे गए। फिलिस्तीनी टेलीविजन चैनल अल अक्सा ने यह जानकारी दी। इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा पट्टी से अभूतपूर्व रॉकेट हमला किया गया। इसके अलावा फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के लड़ाकों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ की सेना और नागरिकों पर गोलीबारी की और बंधक बना लिया। इजरायली अधिकारियों का कहना है कि इस हमले के दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए। जिसके जवाब में इजरायल रक्षा बलों ने गाजा में ऑपरेशन आयरन स्वॉड्र्स शुरू किया और एन्क्लेव की पूर्ण नाकाबंदी की घोषणा की। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में मरने वालों की संख्या 45,300 से अधिक हो गई है।

हैती में बाढ़ से कम से कम 13 लोगों की मौत, 15 घायल

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। हैती में चार इलाकों में बाढ़ के वजह से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई है और 15 अन्य घायल हो गए हैं। ऑल्टरप्रेस समाचार एजेंसी ने देश के नागरिक सुरक्षा आयोग का हवाला देते हुए खबर दी है। एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि कई दिनों के दौरान बाढ़ ने नॉर्ड, नॉर्ड-ऑएस्ट, ग्रैंडएन्से और निप्प्स के हाईटियन इलाकों में 500 से अधिक घरों को नष्ट कर दिया है, लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 16,500 से अधिक लोगों को जलमग्न रहना पड़ा। एक व्यक्ति को लापता घोषित किया गया है। हैती के प्रधान मंत्री एलिक्स डिडिएर फिल्स-एइम ने बारिश और बाढ़ के लिए त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के समन्वय के लिए एक विशेष अंतरएजेंसी इकाई के निर्माण की घोषणा की है।

ताइवान ने अपने क्षेत्र के आसपास देखी पांच चीनी विमानों की गतिविधि

नई दिल्ली, एजेंसी

तैपिए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को पांच चीनी सैन्य विमानों और पांच नौसैनिक जहाजों के संचालन की सूचना दी। शुक्रवार को सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास विमान और जहाजों का संचालन पाया गया। सभी पांच पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के विमान ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश कर गए।

ताइवान और चीन के बीच का तनाव रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। दोनों देश एक दूसरे के पूरी तरह दुश्मन बन गए हैं। ताजा खबर आ रही हैं कि ताइवान ने अपनी सीमा के आसपास चीनी विमान देखे हैं। टठऊ ने लिखा, ताइवान के आसपास 5 पीएलए विमान और 5 पीएलएएन जहाजों का संचालन आज सुबह 6 बजे (यूटीसी+8) तक देखा गया। 5 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हमने स्थिति की निगरानी की है और तदनुसार प्रतिक्रिया दी है।

ताइवान ने ने दी जानकारी

इससे पहले गुरुवार को, एमएनडी ने ताइवान के आसपास पांच पीएलएएन जहाजों के संचालन की सूचना दी थी। वहीं ह्लआज सुबह 6 बजे (वळउ+8) तक ताइवान के आसपास 5 ढछअठ जहाजों का पता चला। #फ्डउअरौत्रिङ्कशू ने स्थिति पर नजर रखी और तदनुसार प्रतिक्रिया दी। ताइवान के आसपास ढछअ विमानों के संचालन का पता नहीं चलने के कारण उड़ान पथ का चित्रण नहीं दिया गया है।

परमाणु हथियार होने की उम्मीद

2020 में 200 वॉरहेड से, चीन के पास 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार होने की उम्मीद है। इसके अंतरिक्ष-प्रक्षेपण निवेश आसमान छू रहे हैं। चीन ताइवान को धमका रहा है, और हमारे महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे तक पहुँच बनाने के लिए ऐसे तरीकों का इस्तेमाल कर रहा है जो हमारे समाजों को पंगु बना सकते हैं ह्व ताइवान जलडमरूमध्य तनाव का केंद्र बिंदु बना हुआ है, ताइवान के अधिकारी बार-बार चीनी सैन्य अभियानों में वृद्धि की निंदा करते हैं और इसे द्वीप की संप्रभुता और क्षेत्रीय शांति के लिए सीधा खतरा बताते हैं। हालाँकि, चीन, जो ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, अंततः पुनः एकीकरण पर जोर देता है, यदि आवश्यक हो तो बल द्वारा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने डॉ. सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव भी पारित किया और तय किया कि उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. सिंह को श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है कि दिवंगत नेता के सम्मान में 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस शोक अवधि के दौरान पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। विदेश स्थित सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज 01 जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए आधा झुका रहेगा।

मंत्रिमंडल की बैठक में तय किया गया कि डॉ. सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के दिन सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और सीपीएसयू में आधे दिन की छुट्टी घोषित की जाएगी।

बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में पारित शोक प्रस्ताव में कहा गया, ह्लमंत्रिमंडल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 26 दिसंबर, 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में हुए दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। छब्बीस सितंबर, 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रांत के पश्चिमी पंजाब के गाह गांव में जन्मे डॉ. सिंह का शैक्षणिक जीवन शानदार रहा। उन्होंने 1954 में पंजाब विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की और 1957 में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी सम्मान के साथ अपनी ट्रिपोस प्राप्त की। उन्हें 1962 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा डी. फिल की डिग्री प्रदान की गई।

प्रस्ताव में कहा गया, डॉ. सिंह ने अपना करियर पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में वरिष्ठ व्याख्याता के रूप में शुरू किया और उसी विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर बने। वह 1969 में दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर बने। डॉ. मनमोहन सिंह 1971 में तत्कालीन विदेश व्यापार मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार बने। वह वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार (1972-76), आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव (नवंबर 1976 से अप्रैल 1980), योजना आयोग के सदस्य सचिव (अप्रैल 1980 से सितंबर 1982) और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर (सितंबर 1982 से जनवरी 1985) रहे।

डॉ. सिंह को उनके करियर में मिले अनेक पुरस्कारों और सम्मानों में सबसे प्रमुख हैं, भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण (1987), भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार (1995), वर्ष के वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार (1956)। डॉ. सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। आर्थिक सुधारों की व्यापक नीति लाने में उनकी भूमिका सर्वविदित है। डॉ. सिंह 22 मई, 2004 को भारत के प्रधानमंत्री बने और मई, 2009 तक प्रधानमंत्री रहे। वे मई 2009 से 2014 तक दूसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री बने। डॉ. सिंह ने हमारे राष्ट्रीय जीवन पर अपनी छाप छोड़ी है। उनके निधन से राष्ट्र ने एक प्रख्यात राजनेता, प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया है। प्रस्ताव में कहा गया, मंत्रिमंडल सरकार और सम्पूर्ण राष्ट्र की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

अरब लीग ने इजरायली मंत्री के अल अक्सा मस्जिद में जा प्रार्थना करने पर जताया ऐतराज

काहिरा। अरब लीग (एएल) के महासचिव अहमद अबुल-घीत ने इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्वीर द्वारा पूर्वी यरुशलम की अल-अक्सा मस्जिद परिसर पर कट्टरपंथी लोगों के एक समूह संग धावा बोलने की कड़ी निंदा करते हुए इसे स्पष्ट उकसावा करार दिया। अबुल-घीत ने कहा, यह घुसपैठ भावनाओं को भड़काने और स्थिति को बढ़ाने के उद्देश्य से एक स्पष्ट उकसावे की कार्रवाई है। उनका ये बयान काहिरा स्थित पैन-अरब संगठन ने साझा किया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एएल प्रमुख के हवाले से कहा, इजरायली ह्लकब्जे वाली पुलिसह्व के संरक्षण में पवित्र स्थल में बेन-ग्वीर का प्रवेश इजरायली सरकार की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के प्रति शत्रुता की प्रकृति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह घटना इजरायल सरकार के अल-अक्सा मस्जिद में ऐतिहासिक यथास्थिति के निरंतर उल्लंघन का हिस्सा है।

अल-अक्सा मस्जिद, इस्लाम में तीसरा सबसे पवित्र स्थल है, जिसका प्रशासन जॉर्डन से संबद्ध इस्लामी धार्मिक ट्रस्ट जेरूसलम अवकाफ विभाग द्वारा किया जाता है। यहूदी इस स्थल को मंदिर के रूप में पूजते हैं। यह पवित्र स्थल लंबे समय से यहूदियों और मुसलमानों के बीच घातक हिंसा का केंद्र रहा है। अबुल-घीत ने कहा, इजरायल इन अस्वीकृत और निंदनीय नीतियों के माध्यम से जानबूझकर इस क्षेत्र में धर्मों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की सभी संभावनाओं को नष्ट कर रहा है। इससे पहले दिन में, बेन-ग्वीर ने कहा कि उन्होंने अल-अक्सा मस्जिद परिसर का दौरा किया और ह्लप्रार्थना कीह्व। उन्होंने स्थल पर लंबे समय से चली आ रही यथास्थिति का उल्लंघन किया, जिसके तहत गैर-मुसलमानों को केवल पहाड़ी परिसर में जाने की अनुमति है, लेकिन वहां प्रार्थना करने की अनुमति नहीं है। यरुशलम के पुराने शहर में अल-अक्सा परिसर मक्का और मदीना की मस्जिदों के बाद इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल है और यह फिलिस्तीनी राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। सऊदी मंत्रालय ने गुरुवार को दिसंबर की शुरूआत में बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद दक्षिणी सीरिया में इजरायली कब्जे वाले बलों की बढ़त की भी निंदा की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सीरिया में (इजरायली) सैन्य अभियानों का जारी रहना सीरिया की सुरक्षा और स्थिरता को बहाल करने की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने का एक प्रयास है।

सोनिया, राहुल, प्रियंका गांधी ने मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री और प्रख्यात अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह के आवास पर जाकर उनके पार्थिव शरीर के दर्शन किए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि राष्ट्र के प्रति उनकी विशिष्ट सेवा और असाधारण योगदान इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ बिताए पलों को याद किया था। उन्होंने एक्स पर कहा था कि मनमोहन सिंह जी ने असीम बुद्धिमत्ता और निष्ठा के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने देश को प्रेरित किया। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मैंने एक गुरु और मार्गदर्शक खो दिया है। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे। प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर पोस्ट कर डॉ. मनमोहन सिंह को याद किया था। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा था कि डॉ. मनमोहन सिंह जी जैसा सम्मान, कम ही लोगों को मिल पाता है। उनकी ईमानदारी हमारे लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी और वह हमेशा उन लोगों के बीच खड़े रहेंगे जो वास्तव में इस देश से प्यार करते हैं, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो अपने विरोधियों द्वारा अनुचित और गहरे व्यक्तिगत हमलों के बावजूद देश की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ रहे। वह अंत तक वास्तव में समतावादी, बुद्धिमान, दृढ़ इच्छाशक्ति वाले और साहसी थे। राजनीति की कठिन दुनिया में एक अद्वितीय प्रतिष्ठित और सज्जन व्यक्ति रहे। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार को 92 साल की उम्र में एम्स में निधन हो गया। अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद गुरुवार शाम उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स ने एक आधिकारिक बयान में बताया था कि उन्हें शाम 8.06 पर एम्स के मेडिकल इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। इससे पहले उम्र से संबंधित बीमारियों के लिए उनका उपचार चल रहा था और घर पर वह अचानक बेहोश हो गए थे। उन्होंने गुरुवार रात 9.51 बजे अंतिम सांस ली।

जब मनमोहन ने कहा था, इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा

नई दिल्ली। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने से कुछ महीने पहले मनमोहन सिंह ने कहा था कि उनका नेतृत्व कमजोर नहीं है और इतिहास उनके प्रति मीडिया द्वारा उस समय कही गई बातों की तुलना में कहीं अधिक दयालु होगा। मनमोहन सिंह ने जनवरी 2014 में दिल्ली में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था,मैं यह नहीं मानता कि मैं एक कमजोर प्रधानमंत्री रहा हूं मैं ईमानदारी से यह मानता हूं कि इतिहास मेरे प्रति समकालीन मीडिया या संसद में विपक्ष की तुलना में अधिक दयालु होगा। राजनीतिक मजबूरियों के बीच मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है, जो मैं कर सकता था।

सिंह 10 साल तक प्रधानमंत्री के पद पर रहे और 26 मई 2014 को नरेन्द्र मोदी ने उनके उत्तराधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री का पद संभाला।

मनमोहन ने अपने अंतिम संवाददाता सम्मेलन में कहा था, परिस्थितियों के अनुसार मैं जितना कर सकता था, उतना मैंने किया है यह इतिहास को तय करना है कि मैंने क्या किया है या क्या नहीं किया है। मनमोहन ने उन सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही थी, जिनमें कहा गया था कि उनका नेतृत्व कमजोर है और कई अवसरों पर वह निर्णायक नहीं रहे। सिंह ने इस संवाददाता सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रधानमंत्री पद के तत्कालीन उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला था और मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के कार्यकाल में 2002 में हुए गुजरात दंगों का भी जिक्र किया था। उस समय भाजपा ने मोदी को एक मजबूत नेता के रूप में पेश किया था, और लोकसभा चुनावों से पहले कमजोर नेतृत्व के मुद्दे को लेकर सिंह पर निशाना साधा था।

सिंह ने कहा था, अगर आप प्रधानमंत्री की ताकत का आकलन अहमदाबाद की सड़कों पर निर्दोष नागरिकों के सामूहिक नरसंहार का नेतृत्व करने से करते हैं, तो मैं इसमें विश्वास नहीं करता. मुझे नहीं लगता कि इस देश को अपने प्रधानमंत्री से इस तरह की ताकत की जरूरत है।

उन्होंने कहा था, मुझे पूरा विश्वास है कि अगला प्रधानमंत्री संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) से होगा नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना देश के लिए विनाशकारी होगा मैं ईमानदारी से मानता हूं कि नरेन्द्र मोदी जो कह रहे हैं, वह पूरा नहीं होने वाला है।उन्होंने कहा कि संप्रग-1 और संप्रग-2 में प्रधानमंत्री के रूप में उनके दो कार्यकाल ने कांग्रेस की गठबंधन सरकार चलाने की क्षमता को प्रदर्शित किया और इस धारणा को दूर किया कि यह पार्टी गठबंधन नहीं चला सकती। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में कुछ समझौते किए गए

जलवायु परिवर्तन के कारण 2024 में 41 अतिरिक्त दिन तक भीषण गर्मी पड़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। दुनिया में 2024 में जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण गर्मी के दिनों में औसतन 41 दिन की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार, रिकॉर्ड के हिसाब से 2024 सबसे गर्म वर्ष बनने वाला है और यह पहला वर्ष है जिसमें वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक होगा। जलवायु वैज्ञानिकों के दो समूहों वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन (डब्ल्यूडब्ल्यूए) और क्लाइमेट सेंट्रल की वार्षिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में 2024 में भीषण गर्मी के दिनों में औसतन 41 दिन की वृद्धि हुई। छोटे द्वीपीय विकासशील देश सबसे अधिक प्रभावित हुए, जहां के लोगों को 130 से अधिक अतिरिक्त गर्म दिन का अनुभव करना पड़ा। वैज्ञानिकों ने 2024 में 219 मौसम संबंधी घटनाओं की पहचान की और उनमें से 29 का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि जलवायु परिवर्तन के कारण कम से कम 3,700 लोगों की मौत हुई और मौसम संबंधी 26 घटनाओं की वजह से लाखों लोग विस्थापित हुए। अध्ययन के अनुसार सूडान, नाइजीरिया, नाइजर, कैमरून और चाड में बाढ़ सबसे घातक घटना थी, जिसमें कम से कम 2,000 लोग मारे गए। अध्ययन में पता चला कि यदि ग्लोबल वार्मिंग दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाती है तो इन क्षेत्रों में हर साल इसी तरह की भारी वर्षा संबंधी घटनाएं हो सकती हैं। ग्लोबल वार्मिंग 2040 या 2050 के दशक की शुरूआत में दो डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकती है। डब्ल्यूडब्ल्यूए के प्रमुख और इंपीरियल कॉलेज, लंदन में जलवायु विज्ञान के वरिष्ठ व्याख्याता फ्राइडेरिक ओटो ने कहा, जीवाश्म ईंधन के गर्म होने के प्रभाव 2024 की तुलना में कभी भी इतने स्पष्ट या अधिक विनाशकारी नहीं रहे हैं। हम एक नए खतरनाक युग में रह रहे हैं।

संसद से भी डॉ मनमोहन सिंह ने इसी साल ली थी विदाई

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गुरुवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में अंतिम सांस ली। पिछले कुछ समय से वह अस्वस्थ चल रहे थे। इसी वर्ष उन्होंने संसदीय राजनीति को भी अलविदा कह दिया था। लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहे डॉ. मनमोहन सिंह का कार्यकाल बतौर सांसद राज्यसभा में 3 अप्रैल 2024 को समाप्त हो गया था। इसके बाद उन्होंने इस सफर को आगे न बढ़ाने का निर्णय लेते हुए संसदीय राजनीति को सदैव के लिए अलविदा कह दिया। दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के लिए बतौर सांसद यह आखिरी पारी थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहने वाले देश के चुनिंदा नेताओं में शुमार थे। वह लगभग 33 वर्ष तक राज्यसभा के सांसद रहे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई वित्तीय वह प्रशासनिक सुधारों की शुरूआत की। वर्ष 1991 में वह पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। उसी साल वह 1991 से 1996 तक तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहे और फिर 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे।

संबंध करीब 132 साल पहले राष्ट्रपति पद छोड़ने के चार साल बाद दोबारा इस पद पर काबिज होने वाले ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले ट्रंप अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति होंगे

अमेरिका 2024: राष्ट्रपति पद पर ट्रंप की वापसी, भारत-अमेरिका संबंधों में मजबूती

प्रात: किरण, एजेंसी

न्यूयॉर्क। वर्ष 2024 में अमेरिका में कई नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिले। इस साल राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित बहस में खराब प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति पद के लिए अपनी दावेदारी छोड़ दी। इसके साथ ही कड़वाहट और आरोप-प्रत्यारोप से भरे चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप दो बार किए गए जानलेवा हमलों में बाल-बाल बच गए। ट्रंप (78) ने चुनाव में भारतीय मूल की कमला हैरिस को हराया। चार साल के अंतराल के बाद व्हाइट हाउस में उनकी वापसी ने डेमोक्रेटिक पार्टी और इसके लाखों समर्थकों के सपनों को चकनाचूर कर दिया, जो देश में पहली महिला राष्ट्रपति देखने की उम्मीद कर रहे थे। करीब 132 साल पहले राष्ट्रपति पद छोड़ने के चार साल बाद दोबारा इस पद पर काबिज होने वाले ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाले ट्रंप अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति होंगे। ऐसे समय में जब बाइडन प्रशासन व्हाइट हाउस छोड़ने की तैयारी कर रहा है, -बाइडन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि भारत व अमेरिका के संबंध बेहद मजबूत स्थिति में हैं और पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के आगामी कार्यकाल में द्विपक्षीय संबंधों को द्विदलीय समर्थन मिलता रहेगा।

इन संबंधों पर हालांकि 2024 के अंत में नयी चुनौतियां अपनी छाया डाल रही हैं। देश में एक सिख अलगाववादी की हत्या का प्रयास किए जाने से संबंधित अभियोग जारी है, तो एक अन्य मामला भारतीय अरबपति गौतम अदाणी से जुड़ा है तथा ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी गई है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्र (अमेरिका) में चुनाव से पहले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र (भारत) के मतदाताओं ने ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वोट दिया। मोदी ने अपने मित्र ट्रंप झ्र जो अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं झ्र को उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी और कहा कि वह भारत-अमेरिका के बीच समग्र वैश्विक एवं रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।मोदी के राष्ट्रपति बाइडन और ट्रंप दोनों के साथ संबंध मजबूत रहे हैं। जून 2023 और सितंबर 2024 के बीच मोदी और बाइडन दोनों ने अपने देशों में एक-दूसरे की मेजबानी की। ये यात्राएं द्विपक्षीय संबंधों की मजबूत प्रगति को रेखांकित करती हैं। जून 2023 में, बाइडन ने वाशिंगटन में मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की और फिर सितंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए नयी दिल्ली की यात्रा पर पहुंचे। इसके बाद जून 2024 में दोनों नेताओं की मुलाकात इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। तीन महीने बाद, मोदी डेलावेयर के विलमिंगटन में बाइडन के घर आयोजित क्वाड नेताओं के चौथे शिखर सम्मेलन के लिए अमेरिका पहुंचे। शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय बैठक के बाद बाइडन ने कहा कि ह्लभारत के साथ अमेरिका की साझेदारी इतिहास में किसी भी समय की तुलना में अधिक मजबूत, घनिष्ठ और अधिक गतिशील है।

रिश्तों में हालांकि उतार-चढ़ाव भी बना रहा। वर्ष 2023 में बाइडन प्रशासन ने जहां भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर अमेरिकी धरती पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या का प्रयास करने संबंधी साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया, तो अक्टूबर 2024 में पूर्व भारतीय सरकारी कर्मचारी विकास यादव पर भी अमेरिकी अधिकारियों द्वारा इस कथित साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया गया।

नवंबर में, अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग ने कारोबारी गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के साथ-साथ एज्यूर पावर ग्लोबल लिमिटेड के कार्यकारी अधिकारी सिरिल कैबनेस पर 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वतखोरी से संबंधित आरोप लगाया था। समानांतर कार्रवाई में, न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने गौतम और सागर अदाणी तथा अन्य के खिलाफ आपराधिक आरोपों को उजागर किया। आपराधिक अभियोग में विनीत एस. जैन, रंजीत गुप्ता, रूपेश अग्रवाल, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल और दीपक मल्होत्रा पर भी आरोप लगाए गए। भारत ने कहा कि यह एक कानूनी मामला है जिसमें निजी कंपनियां और व्यक्ति तथा अमेरिकी न्याय विभाग शामिल हैंङ्घऐसे मामलों में स्थापित प्रक्रियाएं और कानूनी रास्ते हैं जिनका पालन किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन के दौरान यह मामला कैसे आगे बढ़ता है यह देखने वाली बात होगी। ट्रंप ने अपने प्रशासन में भारतीयों मूल के कई लोगों को शामिल किया है। सरकारी कार्यदक्षता विभाग (डीओजीई) के लिए विवेक रामास्वामी, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में तुलसी गब्बार्ड, एफबीआई के निदेशक के रूप में काश पटेल, नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में हरमीत के. ढिल्लों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक के रूप में जय भट्टाचार्य और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में श्रीराम कृष्णन उन भारतीय-अमेरिकियों में शामिल हैं जिनके ट्रंप 2.0 प्रशासन में प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद है। अभियोगों पर एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका-भारत संबंध अधिक जटिल, अधिक विविधतापूर्ण और अधिक गहन होते जा रहे हैं। यह हमेशा ऐसा मामला है कि दोनों पक्षों के सामने चुनौतियां आएंगी और महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उनसे कैसे निपटते हैं ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल के लिए व्हाइट हाउस में लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हाल में उन्होंने कुछ अमेरिकी उत्पादों के आयात पर नयी दिल्ली द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क के जवाब में पारस्परिक शुल्क लगाने की बात कही, जिसने काफी ध्यान आकर्षित किया है।

निवर्तमान बाइडन प्रशासन ने कहा है कि उसे उम्मीद है कि जनवरी में सत्ता हस्तांतरण के बाद भी भारत-अमेरिका संबंध मजबूत बने रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129